www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 8 I अंक – 72 I नर्मदापुरम, सोमवार 9 जून 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

दूसरे जीव को दुख देना नरक गति का कारण- निर्णय सागर पृष्ठ 2

ट्रंप ने पाक के नेतृत्व को मजबूत नहीं हमारे नेतृत्व को कमजोर बताया है! पृष्ठ 4

सफाई कर मनाया बावड़ी उत्सव, जल संरक्षण की ली शपथ पृष्ठ 6

विनिर्माण से लेकर रक्षा में आत्मनिर्भर बन रहा देश : पुरी पृष्ठ 8

मणिपुर में फिर जातीय संघर्ष की चपेट में आया

5 जिलों में कर्फ्यू, इंटरनेट सेवा बंद, आत्मदाह की धमकी

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर की राजधानी इंफाल एक बार फिर अशांत है। शनिवार रात को यहां उस वक्त बवाल मच गया जब सुरक्षा बलों ने मैतेई समुदाय से जुड़े स्वयंसेवी संगठन अरामबाई टेंगोल (एटी) के नेता कनन सिंह को गिरफ्तार कर लिया। इस गिरफ्तारी के विरोध में युवाओं ने सड़कों पर उतरकर हंगामा शुरू कर दिया। पेट्रोल से भरी बोतलें हाथ में लेकर उन्होंने खुद को आग लगाने की धमकी दी।

म्यांमार से लौटे पुराने उग्रवादी

प्रदर्शन ने इस कदर हिंसक रूप ले लिया कि कर्फ्यू और इंटरनेट बंदी जैसी सख्त कार्रवाई करनी पड़ी। इंफाल में प्रदर्शन कर रहे युवाओं ने अपने सिर पर पेट्रोल डाला और मीडिया के सामने साफ कहा कि अगर हमें ऐसे ही गिरफ्तार किया जाता रहा तो हम खुद को जला लेंगे। एक प्रदर्शनकारी ने कहा हमने हथियार डाल दिए हैं। बाढ़ में जो करना था वो हमने किया। अब आप हमें पकड़ रहे हैं। हम खुद को मार देंगे।

कनन सिंह पहले मणिपुर पुलिस की कमांडो यूनिट में हेड कांस्टेबल था, लेकिन फरवरी 2024 में ड्यूटी में लापरवाही के चलते उसे सस्पेंड कर दिया गया। बाद में वह एटी में शामिल हो गया। उस पर दो बड़े आरोप हैं- पुलिस अधिकारी मोइरंगथेम अमित के घर पर हमला और एक मामला वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अपहरण का है। इन दोनों घटनाओं के बाद से वह जांच एजेंसियों के निशाने पर था और अब उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तारी के बाद इंफाल में हिंसा और तनाव बढ़ता देख प्रशासन ने बिष्णुपुर, इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल और काकचिंग जिलों में पांच दिन का कर्फ्यू लगा दिया है। इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं ताकि अफवाहें न फैलें। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर टायर जलाए और कई रास्तों को जाम कर दिया। कुछ इलाकों में गोलियों की आवाज सुनाई देने की भी सूचना मिली है। फिलहाल पुलिस और अर्धसैनिक बल इलाके में गश्त कर रहे हैं। मोरेह में कुकी जनजातियों का बड़ा विरोध- एक तरफ इंफाल में मैतेई समुदाय का गुस्सा भड़का है, तो दूसरी तरफ सीमावर्ती शहर मोरेह में कुकी जनजाति का बड़ा प्रदर्शन देखने को मिला है। यहां कामगिंगथांग गंगटे नामक संदिग्ध उग्रवादी की गिरफ्तारी को लेकर गुस्सा फूटा है। कामगिंगथांग गंगटे कुकी नेशनल आर्मी (केएनए) का कथित नेता है और अक्टूबर 2023 में मणिपुर पुलिस अधिकारी की स्नाइपर से हत्या में मुख्य आरोपी है। केएनए ने केंद्र सरकार के साथ एसओओ (सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस) समझौता किया है। बावजूद इसके उसके खिलाफ कार्रवाई को लेकर कुकी समुदाय ने विरोध किया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, राज्य में हालात इतने तनावपूर्ण हैं कि किसी भी गिरफ्तारी को एक पक्ष की कार्रवाई मान लिया जाता है। मणिपुर जातीय विभाजन की चरम स्थिति में है। यही कारण है कि पुलिस को किसी भी कार्रवाई से पहले कई बार सोचना पड़ता है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी मणिपुर में कई मामलों की जांच कर रही है। इनमें एटी प्रमुख कोरोंगनबा खुमान के खिलाफ मामला भी शामिल है। मणिपुर में मैतेई उग्रवादी संगठनों जैसे कि पीएलए, केवाईकेएल और केसीपी की गतिविधियाँ लंबे समय से ठप थीं। लेकिन म्यांमार में जुंटा सरकार की पकड़ कमजोर होने के बाद ये संगठन फिर से मणिपुर लौट आए हैं और सीमा के आसपास सक्रिय हो गए हैं। सिर्फ यूएनएलएफ (पाम्बेई) नाम का एकमात्र मैतेई संगठन है जिसने केंद्र सरकार के साथ समझौता कर संघर्ष विराम किया है।

बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि आज, ब्यौहारी में जनजातीय सम्मेलन में शामिल होंगे मुख्यमंत्री

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शहडोल जिले के ब्यौहारी में भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कोल जनजातीय सम्मेलन में शामिल होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव 80 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 55 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 250 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 52 विकास कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित करेंगे। यह सम्मेलन राज्य सरकार की जनजातीय समुदायों के समावेशी विकास और उत्थान के लिये प्रतिबद्धता का प्रतीक होगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न विभागों की योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ प्रदान करेंगे। इनमें राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, उद्यानिकी तथा स्वास्थ्य विभाग प्रमुख रूप से शामिल हैं।

उत्कृष्ट कार्य के लिए गाडरवारा में जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों का होगा सम्मान

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 9 जून को नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा में एक भव्य आयोजन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, महिला स्व-सहायता समूहों, शिक्षकों और विकास कार्यों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विभागीय कर्मचारियों और मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान करेंगे। इस अवसर पर वे 80 करोड़ 46 लाख रुपये की लागत के 135 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 56 करोड़ 58 लाख रुपये के 67 कार्यों का लोकार्पण और 23 करोड़ 88 लाख रुपये के 68 कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। डॉ. यादव जल जीवन मिशन के अंतर्गत 396 लाख रुपये की लागत से देवरी से बनवारी पिपरिया तक 8.27 किमी सड़क, साईंखेड़ा में सीवरेज मलजल योजना तथा पुस्तकालय एवं प्रतीक्षालय जैसे शहरी विकास से जुड़े कार्यों का लोकार्पण और 23 करोड़ 88 लाख रुपये के निर्माण कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। जिले में सामुदायिक भवन, अमृत सरोवर 2.0, आंगनबाड़ी भवनों और अन्य बुनियादी संरचनात्मक सुविधाओं का निर्माण प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री 80 करोड़ से अधिक के निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन करेंगे

देश में कोरोना मामले 6 हजार के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के विभिन्न हिस्सों में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के 378 नए मामले सामने आये जिसके बाद इस संक्रमण के कुल सक्रिय मामलों की संख्या 6,000 हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार इस अवधि के दौरान देश में इस संक्रमण से छह लोगों की मौत हुई, जिनमें से तीन मौतें केरल में हुयीं। अभी तक, भारत में 6,133 सक्रिय मामले हैं और कुल मौतों का आंकड़ा 65 है। केरल में सक्रिय मामलों की संख्या 2,000 के करीब पहुंच गई है और यह इस संक्रमण से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाला राज्य बन गया है। पिछले 24 घंटों में राज्यों से 378 नए मामले सामने आए। केरल के बाद गुजरात इस मामले में दूसरे स्थान पर है। यहां सात जून से आठ जून के बीच संक्रमण के 105 नए मामले दर्ज किये गये। राज्य में कोरोना वायरस के सक्रिय मामलों की संख्या 820 से अधिक हो गयी है। केरल में एक ही दिन में 144 मामलों की वृद्धि जेएन.1 वैरिएंट की उच्च संक्रामकता को रेखांकित करती है। एनबी.1.8.1 और एलएफ.7 जैसे प्रोटीन म्यूटेशन, हालांकि हल्के लक्षणों से जुड़े हैं, लेकिन उनके तेजी से फैलने के लिए जाने जाते हैं। पश्चिम बंगाल में 71 नए मामले सामने आए, जिससे इसके सक्रिय मामलों की संख्या 693 हो गई। दिल्ली में इस संक्रमण के 21 नये मामले दर्ज किये गये, जिसके बाद यहां पर सक्रिय मामलों की संख्या 686 तक पहुंच गई। कर्नाटक में कोविड-19 के 75 नए मामले दर्ज किये गये। राज्य में अब तक इस संक्रमण से 366 लोग प्रभावित हुए हैं। महाराष्ट्र 600 मामलों के आंकड़े को छू रहा है। केरल में हुई तीन मौतों में 51 वर्षीय एक मरीज ने किडनी ट्रांसप्लांट करायी थी। एक 64 वर्षीय व्यक्ति मधुमेह, कैंसर और किडनी की बीमारी से पीड़ित था और एक 92 वर्षीय व्यक्ति हृदय रोग और कैंसर से ग्रस्त था। सभी को श्वसन संबंधी जटिलताएं थीं और उनका कोविड-19 परीक्षण पॉजिटिव आया था।

कर्नाटक में दो मौतें हुईं, जिनमें 46 वर्षीय और एक 78 वर्षीय पुरुष शामिल हैं। दोनों को पहले से ही हृदय और फेफड़ों की बीमारी थी। इन मौतों के लिए श्वसन संबंधी जटिलताएँ प्रमुख कारण थीं। स्वास्थ्य अधिकारी नए वेरिएंट और स्थानीय स्तर पर संक्रमण में वृद्धि की चिंताओं के बीच स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं।

378 नए मामले सामने आए

केरल के बाद गुजरात में दूसरे स्थान पर

दिल्ली में दरिंदगी

बच्ची का शव सूटकेस में खून से लथपथ मिला

- बर्फ लेने गई थी बच्ची
- आरोपी की तलाश में कई जगह छापे

नई दिल्ली, देशबन्धु। दिल्ली के दयालपुर इलाके में 9 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म कर हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक बच्ची का शव पड़ोस में एक बंद मकान में मौजूद सूटकेस से बरामद किया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। साथ ही दुष्कर्म और हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश की जा रही है और उसकी तलाश के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। वहीं नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर सीएम रेखा गुप्ता से सवाल किया।

उत्तर पूर्वी दिल्ली के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया की शनिवार रात करीब रात 8:41 बजे दयालपुर पुलिस स्टेशन को नेहरू विहार में 9 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म कर हत्या किए जाने की सूचना मिली। इसके बाद दयालपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची जहां पता चला कि बच्ची को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया है। वहां पहुंचने पर पता चला कि डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया है। डीसीपी के मुताबिक, डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच में पीड़िता के चेहरे पर चोट के निशान देखे और यौन उत्पीड़न की आशंका जताई। क्राइम और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीमें घटनास्थल का निरीक्षण कर रही हैं। आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के लिए कई टीमें सुराग जुटा रही हैं। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को भी खंगाला जा रहा है। मृतक बच्ची के पिता ने बताया की उनकी बेटी शनिवार शाम अपनी चाची के घर बर्फ लेने गई थी। काफी देर बाद जब वह नहीं लौटी तो उन्होंने खोजबीन शुरू की। पूछताछ में पता चला कि वह चाचा के घर पहुंची ही नहीं है। गली में खेल रहे बच्चों से पूछने पर पता चला कि वह एक मकान में गई है। वहां पहुंचने पर मकान में ताला लगा हुआ मिला, जिसे तोड़कर लोग अंदर दाखिल हुए। यहां एक सूटकेस पड़ा था, जिससे खून निकल रहा था। उसे खोलकर देखा गया तो बच्ची बेहोशी की हालत में पड़ी मिली। इसके बाद बच्ची को अस्पताल ले जाया गया। घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में रोष है। लोगों का कहना है कि आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए।

दिल्ली में कानून व्यवस्था भगवान भरोसे : आतिशी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर आरोप लगाया है कि सरकार कानून व्यवस्था को संभालने में फेल हुई है। आतिशी ने कहा कि दिल्ली में चार इंजन की सरकार है। लेकिन, कानून व्यवस्था भगवान भरोसे हैं। जो घटना हमारे सामने आई है। इसने दिल्ली ही नहीं, देश भर के लोगों को झकझोर दिया है। आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस, एलजी इनके पास है। लेकिन, फिर भी दिल्ली में हमारी बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं।

सार-समाचार

रंकू सिंह व सांसद प्रिया सरोज की हुई सगाई

नई दिल्ली, एजेंसी। लखनऊ स्थित एक होटल में रविवार को इंडियन क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी(सपा) से सांसद प्रिया सरोज की सगाई पर दिग्गजों का जमावड़ा लगा। इस सगाई समारोह में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव, सांसद डिंपल यादव, जया बच्चन सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। सगाई समारोह से रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की तस्वीर भी सामने आई है। तस्वीरों में प्रिया सरोज प्याजी रंग के लहंगे में दिखीं तो रिंकू सफेद रंग की शेरवानी पहने दिखे।

राहुल के सवाल पर आयोग को जवाब देना चाहिए: प्रशांत

बेगूसराय, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के महाराष्ट्र चुनाव को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए जाने के बाद बिहार में बयानबाजियों का दौर जारी है। इस बीच, जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने इस पर कहा कि राहुल गांधी के इस बयान पर चुनाव आयोग को स्पष्टीकरण देना चाहिए। दरअसल, जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर रविवार को 'बिहार बदलाव यात्रा' के तहत खगड़िया और बेगूसराय के एक दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने सबसे पहले बेगूसराय के सिद्धपीठ बड़ी दुर्गा मंदिर में पूजा-अर्चना की और बिहार के बेहतर भविष्य की कामना की।

बीआरएस विधायक मगंती गोपीनाथ का निधन

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक मगंती गोपीनाथ का रविवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 63 वर्ष के थे। उन्होंने गच्चीबावली स्थित एआईजी अस्पताल में अंतिम सांस ली, जहां उन्हें 5 जून को दिल का दौरा पड़ने के बाद भर्ती कराया गया था। उनकी हालत गंभीर थी और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। अस्पताल के बुलेटिन के अनुसार, सुबह करीब 5.45 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

कमलम की खेती विकसित कृषि की कुंजी

बेंगलुरु, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कहा कि ड्रैगन फ्रूट (कमलम) जैसी उच्च आय वाली और कम लागतवाली फसलें 'विकसित कृषि' (विकसित कृषि) मॉडल के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करती हैं। बेंगलुरु ग्रामीण जिले में किसान मुनिराज के खेत में ड्रैगन फ्रूट के पौधों की पंक्तियों के बीच खड़े होकर श्री चौहान ने इस फसल को आधुनिक, टिकाऊ खेती का प्रतीक बताया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'ड्रैगन फ्रूट एक जैविक, कैक्टस-परिवार का फल है जिसे किसी रासायनिक सैनिटाइज़र की आवश्यकता नहीं होती है और यह गोबर की खाद पर पनपता है। यह प्राकृतिक रूप से बीमारी का प्रतिरोध करता है, इनपुट लागत को कम करता है और काफी आर्थिक लाभ देता है।' उन्होंने कहा कि किसान इसकी खेती करके पहले वर्ष से ही दो से तीन लाख रुपए कमाना शुरू कर सकते हैं।

वहीं, दूसरे वर्ष से कमाई बढ़कर आठ-10 लाख रुपए हो जाती है। उन्होंने कहा, तीसरे वर्ष तक जब पौधा पूर्ण उत्पादन पर पहुंच जाता है, तो किसान सालाना छह-सात लाख रुपए कमा सकता है। यह उच्च लाभ, कम लागत, स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होने के चलते भारतीय कृषि का भविष्य है। उन्होंने बताया कि ऐसे मॉडल प्रधानमंत्री के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के अनुरूप हैं। उन्होंने कहा, विकसित भारत के लिए हमें विकसित कृषि और समृद्ध किसानों की आवश्यकता है। कमलम जैसी फसलों में विविधता लाना सिर्फ़ एक विकल्प नहीं है, बल्कि यह एक आवश्यकता है। श्री चौहान ने ड्रैगन फ्रूट की उच्च पोषक सामग्री और जैविक प्रकृति पर प्रकाश डाला और कहा, ये फ़सलें तीन गुना फ़ायदे देती हैं। ये रसायन मुक्त हैं, ये मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाती हैं और पारंपरिक खेती की तुलना में बेहतर मुनाफ़ा देती हैं, जहाँ वार्षिक बचत अक्सर एक लाख से ज़्यादा नहीं होती। देश भर के किसानों से कृषि विविधीकरण को अपनाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, आइए हम सब मिलकर विकसित कृषि की ओर बढ़ें। विकसित भारत की यात्रा मिट्टी से शुरू होती है।

डी. राजा ने भी चुनाव आयोग पर सवाल उठाए

सभी राजनीतिक दलों को मिले समान अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी। सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से चुनाव आयोग पर उठाए गए सवाल पर सीपीआई महासचिव डी. राजा भारत के चुनाव आयोग को एक संवैधानिक संस्था बताया।

उन्होंने कहा कि इस नाते चुनाव आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना चाहिए और सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को समान अवसर प्रदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईवीएम, मतदान प्रणाली, खुद चुनाव आयोग और आदर्श आचार संहिता के कार्यान्वयन के तरीके की विश्वसनीयता को लेकर कई सवाल उठाए गए हैं।

संसद का विशेष सत्र आयोजित होना चाहिए- उन्होंने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने मांग की है कि आतंकवाद के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए संसद का एक विशेष सत्र होना चाहिए।

ऐसे कई प्रासंगिक प्रश्न हैं जिनका उत्तर सरकार देना चाहेगी और सरकार ने विशेष सत्र बुलाने से इनकार कर दिया है। सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल को विदेशों में भेजा जिन्होंने कई देशों का दौरा किया और अब वे वापस आ गए हैं। सरकार दुनियाभर के देशों को सच्चाई बता रही है तो देश की संसद और लोगों को अंधेरे में क्यों रखा जा रहा है।

चुनाव 'फिक्स' का आरोप हास्यास्पद : आयोग

चुनाव आयोग ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव 'फिक्स' होने के आरोप का करारा जवाब देते हुए रविवार को कहा कि पूरी दुनिया जिस चुनाव प्रणाली की प्रशंसा करती है उसे बदनाम करने का प्रयास हास्यास्पद और अपने दल के राजनीतिक कार्यकर्ताओं का भी अपमान है।

कांग्रेस ने मोदी को घेरा

सीधे सवालों का सामना किए हुए 11 साल हो चुके

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने लंबे समय बाद रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेस के सीधे सवालों का सामना नहीं करने का मुद्दा उठाया और कहा कि 11 साल से किसी शासनाध्यक्ष का प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं करना औचित्य पूर्ण नहीं है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने यहां एक बयान में कहा कि हर देश का शासनाध्यक्ष समय-समय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते ही हैं।

पर, हमारे प्रधानमंत्री को प्रेस के सीधे सवालों का सामना किए हुए 11 साल हो चुके हैं। उन्होंने कहा, पिछले साल चुनाव प्रचार के दौरान श्री मोदी ने मीडिया इंटरैक्शन को एक शो की तरह प्रोड्यूस, डायरेक्ट और स्क्रिप्ट किया - जिसमें उन्होंने खुद को 'नॉन-बायोलॉजिकल' बताने वाला चर्चित दावा भी किया था। लेकिन अब तक उन्होंने कभी भी बिना एडिटिंग, बिना स्क्रिप्ट वाली एक भी असली प्रेस मीटिंग करने का साहस नहीं दिखाया। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, यह उनके पूर्व प्रधानमंत्रियों से बिल्कुल उलट है। जिनसे वे विशेष रूप से नफरत करते हैं, वे तो लगभग हर दूसरे महीने बेधड़क प्रेस कॉन्फ्रेंस करते थे, जहां उनसे कठोर सवाल पूछे जाते थे और वे गंभीरता तथा संयम से जवाब देते थे। हमारे लोकतंत्र की बुनियादें ऐसी ही संवाद परंपराओं से मजबूत हुई है।

मदुरै में बोले गृह मंत्री शाह

तमिलनाडु व प. बंगाल में बनेगी एनडीए सरकार

मदुरै,(एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मदुरै में कहा कि अगले साल तमिलनाडु के विधानसभा चुनाव में जनता द्रमुक को हराएगी। उन्होंने कहा कि साल 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और अन्नाद्रमुक मिलकर एनडीए सरकार बनाएंगे।

शाह ने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल में एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह सम्मेलन द्रमुक सरकार को सत्ता से हटाने और बदलाव की शुरुआत का संकेत है। अमित शाह ने कहा कि तमिलनाडु की जनता अब बदलाव चाहती है और भाजपा कार्यकर्ता इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। अब बदलाव होकर रहेगा।

अमित शाह ने कहा, यहां 2026 में बीजेपी-एआईएडीएमके गठबंधन की एनडीए सरकार बनेगी। एम.के. स्टालिन कहते हैं कि अमित शाह द्रमुक को हरा नहीं सकते। वह सही कह रहे हैं, मैं नहीं, बल्कि तमिलनाडु की जनता आपको हराएगी। शाह ने आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों की तैयारी की समीक्षा भी की और राज्य के नेताओं के साथ रणनीति पर चर्चा की।

विपक्ष के नेता को सभी मुद्दे उठाने का अधिकार : एमए बेबी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के महाराष्ट्र चुनावों में 'मैच फिक्सिंग' का आरोप लगाने पर सीपीआई (एम) महासचिव एमए बेबी ने कहा, विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें भारत के चुनाव आयोग के कामकाज के संबंध में विभिन्न मुद्दों को उठाने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि लोगों के मन से भ्रम दूर करने के लिए चुनाव आयोग को यह स्पष्ट करने की आवश्यकता है। हमने कुछ मुद्दों को उठाया भी है, लेकिन सीपीआई (एम) यह नहीं कहती कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन प्रणाली को तुरंत खत्म कर दिया जाना चाहिए।

राहुल गांधी के सवाल पर चुनाव आयोग ने कहा

जवाब चाहिए तो पत्र लिखिए

नई दिल्ली, देशबन्धु। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली के आरोप लगाए हैं। उनकी ओर से निर्वाचन आयोग से जवाब मांगे जाने के एक दिन बाद आयोग के सूत्रों ने कहा कि संवैधानिक निकाय तभी जवाब देगा, जब विपक्ष के नेता उसे सीधे पत्र लिखेंगे।

उन्होंने कहा कि अपने संपर्क अभियान के तहत निर्वाचन आयोग ने सभी 6 राष्ट्रीय दलों से अलग-अलग बातचीत के लिए उन्हें आमंत्रित किया था, जबकि अन्य 5 दलों ने आयोग के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की, लेकिन कांग्रेस ने 15 मई की बैठक रद्द कर दी। राहुल गांधी के आरोपों को निर्वाचन आयोग के सूत्रों की ओर से पहले खारिज कर दिया गया था। इस पर पलटवार करते हुए राहुल ने शनिवार को कहा था कि उसकी विश्वसनीयता बात छिपाने से नहीं, बल्कि सच बोलने से बचेगी।

कांग्रेस नेता ने महाराष्ट्र के मतदान केंद्रों की शाम की सीसीटीवी फुटेज भी मांगी थी। इस सवाल के जवाब में सूत्रों ने कहा कि चुनाव याचिका दायर होने पर मतदान केंद्रों की सीसीटीवी फुटेज की जांच सक्षम उच्च न्यायालय ही कर सकता है।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

यंग वॉइस इटारसी ने किया रात्रिकालीन फुटबॉल ट्रॉफी पर कब्जा

नर्मदापुरम, देशबन्धु। भारतीय मजदूर संघ प्रतिभूति कागज कारखाना द्वारा एसपीएम कामगार कल्याण केंद्र के मैदान में रात्रि कालीन फुटबॉल प्रतियोगिता नर्मदा ट्रॉफी 2025 के विजेता यंग वॉइस इटारसी रहे। उन्होंने एसपीएम की टीम को 2-0 से हराकर फाइनल ट्रॉफी पर कब्जा किया।

आलोक राजपूत ने बताया पहला सेमीफाइनल यंग बॉय वर्सेस गुरुकुल के बीच खेला गया, जिसमें यंग बॉय की टीम ने गुरुकुल को 4- 2 से हराकर फाइनल में पहुंची और दूसरा सेमीफाइनल यंग एसपीएम और मां नर्मदा क्लब के बीच खेला गया जिसमें एसपीएम 3- 1 से विजेता रही। फाइनल मुकाबला यंग बॉयज और एसपीएम की टीम के बीच खेला गया, जिसमें यंग वॉइस इटारसी ने जीत हासिल कर ट्राफी पर कब्जा किया। मैच के मुख्य अतिथि पीयूष शर्मा , भूपेन्द्र चौकसे, डॉ अतुल सेठा अनुराग मिश्रा, विवेक भदोरिया,आलोक राजपूत, संजय उपाध्याय,संजीव राणा,राघवेंद्र गौर, धर्मेंद्र, खुमान सिंह शंकर परदेसी प्रकाश यादव दिलीप संनस राजेश चौरे, मुस्ताक खान आदित्य , मोतीलाल राजोरिया, अंतू सनस, आदित्य उपस्थित रहे।

बच्चों ने सीखी व्यवहारिक विज्ञान की बारीकियां

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद एमपी (मेपकास्ट), भोपाल में समर कैंप की शुरुआत एक रोमांचक ग्लाइडर मेकिंग वर्कशॉप के साथ हुई, और अगले ही दिन बच्चों ने खुद का माइक्रोस्कोप बनाकर विज्ञान की सूक्ष्म दुनिया में भी कदम रखा। दो दिनों की इन गतिविधियों ने बच्चों को न केवल विज्ञान का व्यावहारिक अनुभव दिया, बल्कि नवाचार और रचनात्मकता की दिशा में भी प्रेरित किया।

ग्लाइडर मेकिंग वर्कशॉप का उद्घाटन परिषद के कार्यकारी निदेशक डॉ. विवेक कटारे द्वारा किया गया। उन्होंने छात्रों को मिशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी और बताया कि कैसे भारत ने ड्रोन और मिसाइल तकनीक की मदद से यह उपलब्धि हासिल की। डॉ. कटारे ने बच्चों को विज्ञान की दुनिया में निरंतर प्रयोग और जिज्ञासा बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यशाला में भोपाल के विभिन्न विद्यालयों से आए 25 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। उन्होंने ग्लाइडर के सिद्धांतों को समझा, स्वयं उन्हें बनाया और उन्हें उड़ाकर विज्ञान को सजीव रूप में अनुभव किया।

अगले दिन दूसरी कार्यशाला में छात्रों ने सरल संसाधनों से माइक्रोस्कोप बनाना सीखा। इसके बाद उन्होंने मेपकास्ट परिसर से फूलों की पंखुड़ियाँ, बीज, पत्तियाँ और बीटल्स जैसे छोटे कीटों को इकट्ठा कर स्लाइड्स बनाई और उन्हें माइक्रोस्कोप से देखा। बच्चों के चेहरों पर आश्चर्य और उत्साह झलक रहा था जब उन्होंने पहली बार किसी फूल की संरचना या कीटों के पंख इतने करीब से देखे। दोनों कार्यशालाओं का सफल संचालन पंकज गोदारा, करण सिंह भिंडे, बृजमोहन, अंजली पांडे, सुनील नायर और नीलू काछी द्वारा किया गया। उनकी मार्गदर्शना में बच्चों ने रचनात्मक सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को गहराई से समझा।

दूसरे जीव को दुख देना नरक गति का कारण- निर्णय सागर

हरदा, देशबन्धु। दूसरे जीव को दुख देना, हिंसा का विचार करना नरक गति का कारण बनता है। जैसे पथिक अपने घर से निकलने के पहले अपने भोजन का टिफिन साथ ले जाता है। वैसे ही जैन दर्शन मे आयु कर्म के अस्राव की व्यवस्था है। व्यक्ति वर्तमान शरीर को छोडने के पूर्व ही आगामी भविष्य कालीन आयु कर्म का बंध कर लेता है। अपने अच्छे बुरे भावो के अनुसार आगामी स्वर्ग - नरक, बैकुंठ, मोक्ष आदि आदि के जाने का नूतन जीवन यापन करने का प्रबंध कर लेता है।

उक्त उद्गार नगर के चंद्रप्रभु जिनालय में मुनि 108 निर्णय सागर ने त्रिदिवसीय दिव्य देशना शिविर कर्मों से कैसे बचें के तीसरे दिन उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहे। मुनिश्री ने बताया कि हमेशा परलोक का विचार कर के अच्छे भाव रखना चाहिये। कभी भी किसी भी जीव को मारने का, सताने का, झूठ बोलने का, चोरी करने का, किसी भी स्त्री को बुरी नजर से देखने का भाव नहीं करना चाहिए । तथा ज्यादा परिग्रह संग्रह नहीं करना चाहिये। शास्त्रो में लिखा

है ज्यादा हिंसा क्ररता आदि के भाव करने से जीव को लाखों करोडो वर्षों तक नरक के भयंकर दुखों को भोगना पड़ता है। इसी प्रकार भी मनुष्यों को मायाचारी से भी दूर रहना चाहिए । जो भी व्यापार में अधिक वस्तु लेकर कम दाम देते है। और अधिक दाम लेकर कम वस्तु तोलते है, खाद्य सामग्री में मिलावट करते है और भी अनेक प्रकार से झूठे बही खाते बनाकर के लोगो को लूटते है उन सबको तिर्यंच गति आयु का बंध होता है। और पशु बनकर के घोडा-बैल की पार्याय में अपना कर्ज चुकाना पड़ता है। सभी को अपने कर्मों का फल भोगना ही पड़ता है। शिविर के अंतिम दिन शिविर पुण्यार्जक साधना अनूप बजाज द्वारा परितोषित वितरण किया गया।

ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय की कक्षा 11 वीं में प्रवेश हेतु परीक्षा 24 को

हरदा, देशबन्धु। मध्य प्रदेश शासन अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा प्रदेश के प्रतिभाशाली अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की बेहतर पढ़ाई के लिये संभागीय मुख्यालयों पर सर्व सुविधायुक्त आवासीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इन विद्यालयों में नि:शुल्क अध्ययन, राष्ट्रीय स्तर की जेईई, नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ-साथ आवास, भोजन, गणवेश, खेल, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियाँ की सुविधाऐं उपलब्ध हैं। प्राचार्य ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय नर्मदापुरम ने बताया कि ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय की कक्षा 11 वीं में प्रवेश के लिये प्रवेश परीक्षा 24 जून मंगलवार को प्रात: 11 बजे से आयोजित की जाएगी।

18 जून तक कर सकते हैं आवेदन

प्राचार्य शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय नर्मदापुरम् ने बताया कि ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय नर्मदापुरम में सत्र 2025-26 में कक्षा 11 वीं में अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिये बालक वर्ग के 25 तथा बालिका वर्ग में जनजातीय वर्ग सहित 18 तथा अन्य वर्ग के 2-2 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाना है। कक्षा 10 वीं की परीक्षा में 60 प्रतिशत अंक या समतुल्य अंक प्राप्त विद्यार्थी ज्ञानोदय विद्यालय बीटीआई नर्मदापुरम्, आदिवासी उत्कृष्ट बालक छात्रावास पुलिस ग्राउण्ड के सामने बैतूल तथा जिला स्तरीय उत्कृष्ट बालक छात्रावास हरदा से आवेदन पत्र प्राप्त कर इन्हीं स्थानों पर जमा कर सकते है। उन्होने बताया कि डाक द्वारा भी प्राचार्य ज्ञानोदय विद्यालय बीटीआई नर्मदापुरम् को आवेदन प्रेषित किया जा सकता है। डाक द्वारा 18 जून के बाद प्राप्त आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होने बताया कि ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय में कक्षा 10वीं में प्राप्तांकों का 50 प्रतिशत तथा चयन परीक्षा में प्राप्त अंकों का 50 प्रतिशत जोड़कर मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा।

पुतला दहन मामले में 13 आंदोलनकारी दोषमुक्त

पांच साल बाद आया फैसला

बैतूल, देशबन्धु। वर्ष 2019 में उत्तरप्रदेश के हाथरस में घटी घटना के विरोध में आमला में भीमसेना द्वारा जन आंदोलन किया गया था। इस दौरान उत्तरप्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एक सांकेतिक पुतला दहन किया गया था। पुतला दहन के दौरान प्रधान आरक्षक सुनील राठौर और सब इंस्पेक्टर अमित पवार को चोटें आई थीं। इस घटनाक्रम के बाद आमला थाना पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया था।

थाना आमला, जिला बैतूल में दर्ज अपराध में 14 आंदोलनकारियों के खिलाफ मुकदमा चला, जिनमें एक की स्वास्थ्य खराब होने से केस के दौरान मृत्यु हो गई थी। बाकी सभी आंदोलनकारियों को 6 जून को न्यायालय ने दोषमुक्त कर दिया। इस पूरे प्रकरण में अधिवक्ता दर्शन बुंदेला ने 10 आरोपियों की ओर से पैरवी की, वहीं 3 अन्य आरोपियों की ओर से एडवोकेट राजेन्द्र उपाध्याय ने पैरवी की। न्यायालय में माननीय अपर सत्र न्यायाधीश ने सभी आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया। वहीं एक आरोपी की सुनवाई फिलहाल स्थगित है। इस केस में अधिवक्ता दर्शन बुंदेला, राजेन्द्र उपाध्याय, दीपक बुंदेला, नीरज खातरकर, दीपक खातरकर और पवन मौखडे की अहम भूमिका रही।

प्रोफेशनल मीट की तैयारियों को लेकर किया स्थल निरीक्षण

नर्मदापुरम, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 12 जून गुरुवार को नर्मदापुरम के साईं कृष्णा रिसॉर्ट में आयोजित होने वाली प्रोफेशनल मीट एवं प्रबुद्ध समागम की तैयारियों को लेकर रविवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया गया।

संकल्प से सिद्धि अभियान के जिला संयोजक एवं सोहागपुर विधायक ठाकुर विजयपाल सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों सुशासन, सेवा, गरीब कल्याण, आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं बुनियादी ढांचे में हुए ऐतिहासिक सुधारों को समाज के प्रबुद्ध वर्ग और प्रोफेशनल समुदाय तक पहुँचाने का उद्देश्य इस कार्यक्रम में है। निरीक्षण के दौरान सोहागपुर विधायक ठाकुर विजयपाल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष

श्रीमती प्रीति शुक्ला, महामंत्री प्रसन्न हरने, जिला कोषाध्यक्ष लोकेश तिवारी, मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरे, विवेक गौर, जिला संयोजक सोशल मीडिया गजेन्द्र चौहान, सह संयोजक राहुल ठाकुर एवं केशव उर्मिल उपस्थित रहे। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अमित माहला ने बताया कि कार्यक्रम में समाज के प्रमुख प्रबुद्धजन, प्रोफेशनल्स, डॉक्टर, वकील, इंजीनियर, शिक्षक, चार्टर्ड अकाउंटेंट आदि शामिल होंगे।

बैरसिया में मनाया बावड़ी उत्सव

भोपाल, देशबन्धु। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड बैरसिया द्वारा बैरसिया के शिवाजी चौक, मां कालका मंदिर के पास स्थित वार्ड क्रमांक-9 में बिहारी सिंह, फतेह सिंह की लगभग 200 वर्ष प्राचीन धरोहर में बावड़ी उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर श्रमदान और साफ-सफाई के पश्चात श्री नर्मदा का पूजन अर्चन कर बावड़ी में दीप प्रज्वलन और आकर्षक रंगोली बनाकर साज सज्जा की गई। विकासखंड समन्वयक मुकेश गौर ने बताया कि मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस पर संपूर्ण प्रदेश में बावड़ी उत्सव मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी राजीव कुमार शर्मा, नवांकुर संस्था से अश्विनी गोस्वामी प्रेम कुशवाहा, अर्जुन मालवीय, विजयराम नरेंद्र सिंह, परामर्शदाता मुकेश माहेश्वरी, रवींद्र सोनिया, सुशील पंड्या, पूजा त्यागी, कालूराम सहित बड़ी संख्या समिति सदस्य, छात्र और ग्रामीणजन सम्मिलित हुए।

छात्राओं से सामूहिक दुष्कर्म-ब्लैकमेलिंग का मामला

लापरवाही बरतने वाले अशोका गार्डन टीआई को हटाया

भोपाल, देशबन्धु। देशभर में चर्चित हुए राजधानी भोपाल के कालेज की छात्राओं से सामूहिक दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग के मामले में लापरवाही बरतने पर अशोका गार्डन थाना प्रभारी (टीआई) हेमंत श्रीवास्तव को हटा दिया गया है।

डीसीपी जोन-1 प्रियंका शुक्ला ने अपने स्थानांतरण से ठीक पहले थाना प्रभारी हेमंत श्रीवास्तव को लाइन अटैच करने के आदेश जारी किए। हेमंत श्रीवास्तव पर छात्राओं को निशाना बनाकर दुष्कर्म कर ब्लैकमेल करने वाले आरोपियों से जुड़े अन्य लोगों पर कार्रवाई न करने के आरोप थे। दरअसल पीड़िताओं ने अपने बयान में टीआईटी कॉलेज में छात्राओं से संबंध रखने वाले पांच से छह छात्रों के गिरोह से जुड़े होने का संदेह जताया था, लेकिन जब पुलिस टीम वहां पहुंची तो संदेही गायब हो गए। बाद में पुलिस ने भी उनकी जांच में दिलचस्पी नहीं दिखाई।

इन कारणों से हटे थाना प्रभारी: बागसेवनिया में 18 अप्रैल को प्रकरण दर्ज करने से पहले फरहान और साहिल के अलावा गिरोह के अन्य लोगों पर आरोप नहीं था। बाद में अशोकागार्डन में मामला पहुंचने से पहले ही अबरार और नबील भोपाल से भाग गए। प्रकरण दर्ज होने को डेढ़ महीने से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन अब तक अबरार का सुराग नहीं मिल सका है। पुलिस उसे पश्चिम बंगाल के कोलकाता और बिहार के अलग-अलग ठिकानों पर ढूंढ चुकी है। अंदेशा है कि वह पुलिस से छुपने बांग्लादेश भाग गया है। वहीं कॉलेज की पीड़िताओं ने कॉलेज में चल रहे मामले के पूरे गिरोह के बारे में बताया था, लेकिन पुलिस की टीम सिर्फ खानापूर्ति के लिए वहां पहुंची। जिन पांच-छह लोगों के नाम सामने आए थे, वे टीम के पहुंचने से पहले गायब हो गए। बाद में लापरवाहीपूर्वक उन पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। इसके साथ ही प्रदेशभर में लव-जिहाद के मामलों की जांच के लिए बनाई गई एसआईटी के अधिकारियों ने भी अशोकागार्डन पुलिस की सुस्त कार्रवाई को लेकर पुलिस आयुक्त से शिकायत की थी। इसी तरह अशोकागार्डन थाने में दर्ज मामलों की जांच पर महिला आयोग की रिपोर्ट ने भी असंतुष्टी जाहिर की थी।

रक्तदाता निकालेंगे बाइक रैली

14 जून को किया जाएगा कार्यक्रम

बैतूल, देशबन्धु। विश्व रक्तदाता दिवस 14 जून को मनाया जाएगा। इसको लेकर जिला अस्पताल बैतूल में रक्तदाता दिवस कार्यक्रम मनाया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर जिला अस्पताल में सिविल सर्जन डॉ.जगदीश घोरे, आरएमओ डॉ रानू वर्मा, जिला रक्त कोष अधिकारी डॉ अंकिता सीते, डॉ अरुण जयसिंहपुरे, डॉ. विनय चौहान की मौजूदगी में रक्तदाताओं और समितियां के सदस्यों की बैठक आयोजित की गई।

जिला रक्त कोष अधिकारी डॉ अंकिता सीते ने बताया कि बैठक में रेड क्रास सोसायटी,गायत्री परिवार, मॉर्निंग फैमली ग्रुप,प्रायवेट नर्सिंग होम एसोसिएशन,मां शारदा समिति, परशुराम सेवा बैतूल शारदा सहायता समिति, प्रिया आर्ट अकैडमी, पूर्व सैनिक संघ, तपश्री स्कूल, आवाज दो ग्रुप सहित अन्य समितियों के सदस्य मौजूद थे । बैठक में डॉ अरुण जयसिंहपुरे,डॉ विनय चौहान ,संजय (पप्पी)शुक्ला,अमोल पानकर ,मुकेश गुप्ता ,शैलेंद्र बिहारिया, विकास मिश्रा, नितिन अग्रवाल ,पंजाब राव गायकवाड, पिंकी भाटिया, सत्येंद्र नागले ,मनोज तिवारी, सुदामा सूर्यवंशी, दीप मालवी, डॉ सागर निमझे, ओम द्विवेदी, पवन शर्मा, प्रमोद शाह ,कुणाल अहाके, जफर खान, समीर खान ,अकबर खान, राजा कुरैशी सहित समितियां के सदस्य और रक्तदाता उपस्थित थे।

डॉ अंकिता सीते ने बताया कि इस वर्ष का नारा गीव ब्लड, गीव होफ्न टुगेदर वी सेव लीव्स है। रक्तदान के प्रति जागरूकता लाने के लिए रक्तदाता दिवस पर जिला अस्पताल से बाइक रैली निकाली जाएगी। इस रैली में शामिल होने के लिए रक्तदाता गूगल फॉर्म पर रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष की थीम का उद्देश्य लोगों को रक्तदान के प्रति प्रेरित करना और जीवन बचाने की इस मुहिम को व्यापक बनाना है। अभियान के उन सभी स्वैच्छिक रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करना, जिन्होंने रक्तदान कर लोगों की जान बचाई और दूसरों को भी नियमित रूप से रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया।

प्रतिभा सम्मान, परिचय सम्मेलन के साथ हुई आम सभा संपन्न

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कड़ामाणिक पुरी जिझौतिया ब्राह्मण न्यास का निशुल्क प्रतिभा सम्मान, युवक युवती परिचय सम्मेलन एवं न्यास की वार्षिक आम सभा जिझौतिया भवन नर्मदापुरम में हुई। आम सभामें मुख्य अतिथि श्रीमती प्रीति शुक्ला,जिला अध्यक्ष भाजपा, श्रीमती सविता दीवान शर्मा पूर्व विधायक, संजय कुमार द्विवेदी सहायक संचालक जनजातीय कार्य विभाग,भूमि दानदाता कैलाश प्रसाद दुबे ,ब्रज कुमार दुबे ,न्यास के संरक्षक वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव दुबे अध्यक्ष उदित द्विवेदी रहे।

आयोजन में सर्व प्रथम कराटे में गोल्ड मेडलिस्ट कु मनस्वी रामकुमार गुबरेले, अथर्व शर्मा, गुरुदत्त शर्मा को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। 10वी, 12वी में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक अर्जित छात्र छात्राएं अर्चीसा द्विवेदी मुंबई, रचित दुबे भोपाल, निव्यां तिवारी रामपुर, अनुष्का पांडे बाबई, ऋषित दुबे खंडवा, अथर्व शर्मा आईआईटी, अनुश्री शुक्ला सोहागपुर, डॉ रुचि परसाई सेवानिवृत चेतन दीवान, राजेंद्र भट्ट, श्रीमति ज्योति दुबे, चंद्रकांत दीक्षित, अस्तित्व शुक्ला भोपाल, प्रकाश पांडे बाबई , शुभम दुबे, सोहागपुर राजेश शुक्ला, एडवोकेट राजीव शुक्ला ,इटारसी शैलेंद्र दुबे,अशोक दुबे,कैलाश दुबे संतोष दीवान, सिवनी पवन कुमार शुक्ला, रेहटी राजीव शर्मा ओबेदुल्लागंज भोपाल मनोज परसाई,आनंद पांडे,संजय शुक्ला,खंडवा राजेंद्र कुमार परसाई ,नर्मदापुरम श्रीमती जूही दुबे,रत्नेश दुबे,संतोष श्रोती, कैलाश प्रसाद दुबे, देवेंद्र दुबे,इंद्र भूषण शर्मा,राजेंद्र श्रोती, बुधनी पियूष दुबे, हरदा सुरेश पांडे, गया प्रसाद दुबे , नागपुर विनय कुमार दुबे, पांढुरना सतीश दुबे सांगाखेड़ा आदित्य तिवारी, अध्या श्रोती हैदराबाद, तक्ष पांडे, अनमोल शुक्ला, चिराग दीवान 90 छात्र छात्राएं सम्मानित किया गया। साथ ही सभी अथितियों द्वारा एक पेड़ मां के नाम पर्यावरण दिवस पर भवन प्रांगण में गुजरात के केशर आम का पौधा लगाया गया।

अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति ने चलाया स्वच्छता अभियान

अन्य समाज, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को भी सफाई करना चाहिए: पीयूष

नर्मदापुरम, देशबन्धु। अखिल भारतीय कायस्थ मातृशक्ति के साथ अन्य समाज, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को मां नर्मदा के घाटों पर स्वच्छता अभियान चलाना चाहिए। हमें सफाई की ज्यादा जरूरत है ताकि हमारे घाट साफ और स्वच्छ हो सके। साफ सफाई से पानी के नीचे तक की सीढ़ियां दिखने लगीं हैं। ट्रॉली भरकर कचरा निकाला जाता है। यह जवाबदारी हम सभी की है कि हम घाटों की सुरक्षा करें ।

यह बात मप्र तैराकी संघ के अध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता पीयूष शर्मा ने चित्रगुप्त घाट पर अखिल भारतीय कायस्थ मातृशक्ति द्वारा चलाए जा रहे स्वछता अभियान के दौरान रविवार को कही। उन्होंने कहा कि हमें जन जागरूकता की जरूरत है। प्रशासन भी इसमें मदद करेगा ताकि यहां ज्यादा से ज्यादा काम हो सके। उन्होंने कहा कि कायस्थ समाज मातृशक्ति द्वारा यह कार्य किया जा रहे हैं सराहनीय है।

इस अवसर पर समाज के केशव वर्मा ने कहा कि नर्मदा के इस स्वच्छता अभियान में हम सब मिलकर मां नर्मदा को स्वच्छ सुंदर बनाने के लिए अभियान में जुड़कर निरंतर कार्य कर रहे हैं। हम सब का प्रयास है कि नर्मदा के किनारे घाटों पर जो गंदगी और कचरा रहता है उसे हम इकट्ठा करके डस्टबिन में डालें और लोगों से अपील करते हैं कि नर्मदा को स्वच्छ सुंदर बनाएं, गंदगी ना फैलाएं । नर्मदा में किसी प्रकार से केमिकल, साबुन, सोडा का उपयोग न करें। इस मौके पर नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा, ज्योति वर्मा , श्रीमती सुमन वर्मा, केशव वर्मा, रश्मि सक्सेना, प्रीती खरे , सीबी खरे, ममता सेन, लालता प्रसाद, मंजू श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद थे। इस अवसर पर घाट के किनारे से भारी मात्रा में कचरा निकाला गया।

माँ नर्मदा घाट स्वच्छता अभियान के 258 सप्ताह पूरे

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जय हो समिति द्वारा चलाया जा रहा माँ नर्मदा घाट स्वच्छता अभियान रविवार को अपने 258वें सप्ताह में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। हर रविवार की भांति इस सप्ताह भी प्रात: 8 बजे सभी स्वच्छता सेवक विवेकानंद घाट पर एकत्रित हुए और माँ नर्मदा के तटों की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस अभियान का उद्देश्य केवल घाटों की सफाई नहीं, बल्कि जनमानस को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और माँ नर्मदा के प्रति श्रद्धा और सेवा का भाव विकसित करना है।

समिति के अध्यक्ष अर्पित मालवीय ने बताया कि यह अभियान जनसहयोग और संकल्प शक्ति का प्रमाण है। हम सभी का यह प्रयास है कि माँ नर्मदा सदा निर्मल और स्वच्छ बनी रहें। जय हो समिति सभी पर्यावरण प्रेमियों एवं श्रद्धालु नागरिकों से अपील करती है कि वे इस अभियान से जुड़कर माँ नर्मदा की सेवा में अपना योगदान दें।सफाई करने वालों में समिति के अर्पित मालवीय विवेक वर्मा सागर पटेल गणेश यादव अनुराग वर्मा अंकित सागर अभिषेक गुप्ता विशाल बावरिया सौरभ वर्मा दीपक कलोसिया रोहित मालवीय राजेश वर्मा जतिन यादव उपस्थित रहे।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

रेलवे स्टेशन परिसर में चाकूबाजी, एक घायल

इटारसी, देशबन्धु। बीती रात रेलवे स्टेशन परिसर में चाकूबाजी की घटना में एक युवक घायल हो गया। चाकू लगने के बाद वह रेलवे स्टेशन परिसर से बाहर आया और यहां किसी ने डायल-100 को खबर कर दी तो डायल 100 के माध्यम से उसे सिविल अस्पताल में ले जाकर भर्ती कराया गया है। पहले सूचना आयी थी कि घटना शराब दुकान के पास हुई है, लेकिन टीआई गौरव बुंदेला ने बताया कि घटना रेलवे स्टेशन परिसर की है। घायल नरेन्द्र गुनारिया का उपचार सिविल अस्पताल में ड्यूटी डॉक्टर विकास जैतपुरिया और सर्जन डॉ. अनिकेत सिंह ने किया।

सिविल अस्पताल के चिकित्सक एवं स्टाफ ने दिया मानवता का परिचय

इटारसी, देशबन्धु। रेलवे स्टेशन से लाए एक बीमार व्यक्ति को न सिर्फ तुरंत उपचार बल्कि उसकी माली हालत देख उससे अन्य तरीके से मदद करके डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शासकीय सिविल

अस्पताल के डाक्टर्स और स्टाफ ने मानवता का परिचय दिया है। दरअसल सुरेश चौरे नामक व्यक्ति को रेलवे स्टेशन से 108 की मदद से डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल लेकर आए थे। ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. प्रियंक मिश्रा ने जब उन्हें देखा तो उनकी हालत बड़ी खराब थी, उनका ऑक्सीजन लेवल कम था एवं बहुत खांसी हो रही थी, सांस लेने में तकलीफ हो रही थी, तुरंत उनका उपचार किया। ड्यूटी डॉक्टर, डॉ प्रियंक मिश्रा ने स्वयं के पैसे से उक्त मरीज के लिए नए कपड़े बुलवाए एवं स्टाफ के सुपरवाइजर चेतन कुशवाह, वार्ड बॉय विवेक नामदेव, सफाईकर्मी प्रेमलाल ने उसकी कटिंग-सेविंग बनाई और उन्हें नहला कर तैयार कर नए कपड़े पहनाए। डॉ प्रियंक मिश्रा, सुपरवाइजर चेतन कुशवाह, वार्ड बॉय दीपक नामदेव, सफाई कर्मी प्रेमलाल ने इंसानियत का परिचय दिया अभी मरीज सुरेश चौरे की हालत में सुधार आया है।

पहल प्रतिभा छात्रवृत्ति परीक्षा में छह सौ बच्चों ने दिया पर्चा

इटारसी, देशबन्धु। आज नर्मदापुरम स्थित प्रियंका हायर सैकंड्री स्कूलमें पहल स्वास्थ्य संगठन-एनजीओ द्वारा पहल प्रतिभा छात्रवृत्ति परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें कक्षा-6 से लेकर कर

कक्षा-12 तक के लगभग 600 बच्चों ने परीक्षा दी।

इस परीक्षा में 70 से अधिक नंबर लाने वाले छात्रों को टेबलेट प्रदान किए जाएंगे, वह ऐसे बच्चे जो परीक्षा में 80 से अधिक अंक लेकर आयेंगे उन की स्कूल फीस, ड्रेस, किताबें, पढ़ाई और लिखाई के लिए लैपटॉप प्रदान किया जाएगा। परीक्षा में 50 से अधिक नंबर लाने वाले छात्रों को फ्री ऑनलाइन क्लास प्रतिदिन प्रदान की जाएगी। संस्था के डायरेक्टर/संचालक राहुल बैनर्जी ने बताया कि-जिले से इस वर्ष 4000 छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने का लक्ष्य है। अगस्त माह से स्किल बेस्ड कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। महिलाओं को रोजगार देने के लिए स्व-सहायता समूह कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। इस पहल प्रतिभा छात्रवृत्ति परीक्षा में संस्था के ब्लॉक कॉर्डिनेटर नर्मदापुरम श्रीमती ज्योति रायकवार, इटारसी, मयूर मालवीय व राजेश रायकवार जी का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आज और कल होगा अंडर-15 बालिकाओं का ओपन चयन

नर्मदापुरम, देशबन्धु। मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ के द्वारा अंडर 15 टेलेंट स्काउट बालिकाओं के ओपन ट्रायल अंकुर खेल मैदान 6 नंबर मार्केट शिवाजी नगर भोपाल में 9 एवं 10 जून को होने जा रहे है।

नर्मदापुरम क्रिकेट संघ के मानसेवी सचिव अनुराग मिश्रा ने बताया कि इस चयन ट्रायल में भोपाल,सागर एवं नर्मदा पुरम संभाग की बालिकाएं हिस्सा ले सकती है, जिनका जन्म 1.9.2010 से 31.8.2013 के मध्य हुआ हो यह चयन प्रक्रिया मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ इन्दौर के चयनकर्ताओं द्वारा की जायगी।चयनित खिलाड़ियों का अंतिम चयन मध्यप्रदेश की अंडर 15 टीम के लिए होगा। चयन में शामिल होने वाले सभी खिलाड़ीयों को अपने साथ स्वयं का डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड की फोटो कॉपी लाना अनिवार्य है।

'संकल्प से सिद्धि' अभियान के जरिए जन-जन तक पहुंचेगी मोदी सरकार की उपलब्धियां

पुरानी इटारसी भाजपा मंडल की बैठक आयोजित

इटारसी, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'संकल्प से सिद्धि' अभियान की शुरुआत की जा रही है। इसी सिलसिले में रविवार को पुरानी इटारसी भाजपा मंडल द्वारा अभिनंदन मैरिज हॉल में एक बैठक आयोजित हुई, जिसमें मुख्य वक्ता भाजपा जिला महामंत्री मुकेशचंद्र मैना, जिला मंत्री उमेश पटेल, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष जयकिशोर चौधरी, मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो, महामंत्री अतुल शुक्ला, महामंत्री प्रियंका चौहान, उपाध्यक्ष विपुल चौधरी, विजय भागले, गोविंद मेहतो, रीना डाईफोडे, अशोक मालवीय, गौरव कोरी, प्रशांत मनवारे, मनीष गालर, विवेक मिश्रा, हरिओम राजपूत, विनोद जोशी, रविंद्र भावसार, सहित अन्य मौजूद थे।

बैठक में भाजपा जिला महामंत्री मुकेशचंद्र मैना ने बताया कि 11 जून से 21 जून तक 'संकल्प से सिद्धि' अभियान का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष जनसंपर्क अभियान के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की उपलब्धियों, 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को जिला, मंडल और बूथ स्तर तक पहुंचाया जाएगा। श्री मैना कहा कि जो काम पिछले 75 वर्षों में नहीं हो पाए, वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 11 साल के कार्यकाल में करके दिखाए हैं। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, गरीब कल्याण और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई देने का कार्य मोदी सरकार ने किया है। जिला मंत्री उमेश पटेल ने कहा कि 70 वर्ष से अधिक आयु वाले बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनवाने हैं। इसके अलावा भाजपा सरकार के 11 वर्ष की उपलब्धियों के अलावा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए आपातकाल का काला अध्याय जनता को बताना है।

बैठक में मंडल अध्यक्ष मयंक मेहतो ने कहा कि देश के दुश्मनों से निपटने और आतंकवाद के खिलाफ घर में घुसकर मारने की नीति केवल प्रधानमंत्री मोदी जैसे नेतृत्व में ही संभव है। उन्होंने कहा कि हमें अभियान के प्रत्येक कार्यक्रम को आयोजित करना है और हर बूथ पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसमें विश्व योग दिवस पर सामूहिक योग करना है। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री अतुल शुक्ला ने किया और आभार महामंत्री प्रियंका चौहान ने जताया।

एक पेड़ मां के नाम लगाया

बैठक में बाद संगठन के सभी पदाधिकारियों ने वार्ड 03 हाउसिंग बोर्ड के पार्क में एक जामुन का पेड़ लगाया। यह एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाया गया।

दुकान किराया वृद्धि के विरोध में संयुक्त व्यापार महासंघ कोर्ट में जाएगा

इटारसी, देशबन्धु। संयुक्त व्यापार महासंघ की एक महत्वपूर्ण त्रैमासिक बैठक साईंकृपा रेस्टोरेंट सभागार में हुई। बैठक के प्रारंभ में महासंघ सचिव सम्मुखदास सनी चेलानी ने एजेंडा में शामिल विभिन्न प्रस्तावों को विस्तृत रूप से रखा। महासंघ अध्यक्ष दीपक अग्रवाल ने विगत महीनों में की गई कार्रवाई से सदन को अवगत कराया।

इस अवसर पर नगर पालिका परिषद इटारसी द्वारा अपने स्वामित्व की दुकानों का किराया100 गुना तक बढ़ाने के विरोध में कलेक्टर एवं एसडीएम को जनसुनवाई में दिए गए ज्ञापन, नगर पालिका को दिए हुए ज्ञापन आदि के बारे में बताया। कलेक्टर और एसडीम के कार्रवाई के बावजूद नगर पालिका द्वारा अभी तक कार्रवाई नहीं करने पर सर्वसम्मति से यह निर्णय किया कि उक्त मामले को न्यायालय में ले जाना उचित रहेगा। उसके बाद व्यापारियों की शिकायत पर अवैध होर्डिंग के खिलाफ की गई कार्रवाई से भी सदन को अवगत कराया।

बैठक के अगले चरण में एजेंडा में शामिल स्थानीय स्तर पर बिजली समस्या, कच्ची से पक्की दुकानें करने वाली कार्रवाई, बाजार क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरा लगवाना तथा अतिक्रमण के लिए नियमावाली बनवाने हेतु प्रयास करना आदि एजेंडे के बिंदु मुख्य रूप से रहे। सभी समस्याओं पर मीटिंग में विस्तृत चर्चा की और सदन के अनुसार प्रस्ताव पारित किए।

बैठक में प्रमुख रूप से संरक्षक सुधीर गोठी, सतीश बैसाखिया, गुलाबचंद अग्रवाल, जयप्रकाश अग्रवाल तथा पदाधिकारी के रूप में राजेंद्र अग्रवाल बबलू, रवि अठोत्रा, अश्विनी अग्रवाल, प्रकाश मोटवानी, प्रमेश जैन, विशाल अग्रवाल, धर्मेश सिंघवी, विनोद कसार, कल्पेश अग्रवाल, रामानुज मौर्य, मनीष जायसवाल, बालमुकुंद हिंगोले, राजा जुनेजा, विजय राजू अग्रवाल, नरेश गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, जमुना साहू, अनुराग जैन गोल्डी, हरिनारायण थापक, चीकू मालवी आदि बड़ी संख्या में व्यापारी शामिल हुए। आभार प्रदर्शन कोषाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल बबलू ने किया।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में युवा संगम रोजगार मेला 12 को

इटारसी, देशबन्धु। पॉलिटेक्निक कॉलेज में 12 जून को कुबेर (किंनली अंडरस्टेंडिंग बिजनेस एनवायरमेंट रेगुलरली) इनीशिएटिव के अंतर्गत युवा संगम मेला आयोजित कर युवाओं में नई दिशा पाओ, उन्नति की और कम बढ़ाओ, सूक्ष्म , लघु और मध्यम उद्यम विभाग तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग मध्य प्रदेश जिला प्रशासन एवं रोजगार कार्यालय नर्मदा पुरम द्वारा आयोजित किया जाएगा।

संस्था प्राचार्य आर के चोलकर के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय से आए अधिकारी धर्मेंद्र तिवारी ने विद्यार्थियों को आने वाली निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर पर देने वाली कंपनियां जैसे ट्राइडेंट बुदनी, वर्धमान बुधनी, नाहर इंडस्ट्री मंडीदीप, भास्कर प्राइवेट लिमिटेड मंडीदीप, टेक्नो टास्क, जेड प्लस, यशस्वी अकैडमी, नव किसान बायोटेक, एपीएन सोलर, एसआईएस सिक्योरिटी पुणे, भारतीय जीवन बीमा, नवभारत फर्टिलाइजर के संबंध में जानकारी दी। युवाओं को बताया कि युवाओं को स्वरोजगार में स्वयं का व्यापार के अवसर देने वाले विभाग नगरीय विकास एवं आवास विभाग, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, कुटीर ग्राम उद्योग, पशु चिकित्सा सेवाएं एवं पशुपालन विभाग, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, मछुआ कल्याण तथा कृषि विकास आदि विभाग आ रहे हैं, अत: आप सभी विभागों से जानकारी प्राप्त कर लाभ उठा सकते हैं। संस्था में रोजगार मेले में उपस्थित होना है। विद्यार्थी टीपीओ भूपेन्द्र जोठे से मार्गदर्शन प्राप्त कर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की कार्रवाई कर सकते हैं। इस अवसर पर श्रीमती पल्लवी नरवरे, आकाश गर्ग, अंकित मिश्रा, शैलेंद्र सिंह राजपूत, शिवागी मालवीय, नेहा केदारे एवं संस्था के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जय जवान-जय विज्ञान प्रदर्शनी में दिखाया सैनिकों के शौर्य के साथ विज्ञान से वार

इटारसी, देशबन्धु। विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति ने युद्ध लड़ने के तरीके को बदल दिया है। जय जवान के बाद जय विज्ञान का दिया नारा आज मिलकर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से युद्ध कौशल में आये बदलाव को बता रहा है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में रक्षा क्षेत्र में रिसर्च के माध्यम से अब सीमित हथियारों से भी बढ़त हासिल की जा सकती है। यह बात भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय का एनसीएसटीसी नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने जय जवान..जय विज्ञान प्रदर्शनी में कही।

सारिका घारू द्वारा इस प्रदर्शनी में ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत भारतीय रक्षा प्रणालियों में जवानों के शौर्य के साथ विज्ञान के योगदान को दर्शाया गया। इसे अनेक नगरों तथा ग्रामों में दिखाया जा रहा है। इसमें राफाल, एल-70 एयर डिफेंस सिस्टम जू-23 मिमी गन शिल्का गन, एस-400 सुदर्शन वायु रक्षा प्रणाली के मॉडल को चलित मॉडल की मदद से शत्रु ड्रोन के मॉडल को नष्ट करने को ऑडियो के साथ दर्शाया।

सारिका ने कहा कि ड्रोन को युद्ध में इस्तेमाल के लिए एक महत्वपूर्ण हथियार बना दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद हाल के ड्रोन युद्ध ने साबित कर दिया है कि लड़ाई

हवा में होने का समय आ गया है। भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान हमारे देश के ड्रोन विरोधी सिस्टम, पाकिस्तान के हमलावर ड्रोन की लहर को रोकने में सक्षम थे, भारत ने सीमा पर एंटी एयरक्राफ्ट गन तैनात की, एक्सटेन्सिव एयर डिफेंस अम्ब्रेला को सक्रिय किया तथा इसकी प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिये आकाश तीर प्रणाली की मदद ली गई जिसमें भारतीय रक्षा प्रणालियों ने पाकिस्तानी ड्रोन नष्ट किये। सारिका ने कहा कि टैक्नालॉजी के साथ युद्ध के इस युग में महिलाओं की सैन्य क्षेत्र में भागीदारी भी बढ़ सकेगी। अब समय जय जवान .. जय विज्ञान का है ।

प्रदर्शनी में रखे मॉडल में दी जानकारी

एल- 70 एयर डिफेंस सिस्टम का फायर रेट 300 राउंड प्रति मिनट से अधिक है और इसकी रेंज 3 से 4 किमी है ।

जू-23 मिमी गन में टिवन बैरल से प्रति मिनट 4000 राउंड तक फायर कर सकती है। ये 2 किमी से अधिक तक फायर का घना घेरा बनाती है।

शिल्का गन सिस्टम प्रति मिनिट 8000 राउंड तक का फायर कर सकता है।

भारत की एस -400 सुदर्शन वायु रक्षा प्रणाली ने हवाई हमले को रोककर और उसे निष्क्रिय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ग्राम डाबका में चलाया गया कृषि संकल्प अभियान

संगोष्ठी में किसानों को कृषि के तरीके बताए

पिपरिया, देशबन्धु। कृषि विज्ञान केंद्र गोविंद नगर एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वाधान में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत ग्राम डाबका में कार्यक्रम आयोजित हुए।

कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ आकांक्षा पांडे ने बताया कि यह कार्यक्रम प्रतिदिन 2 ग्राम पंचायत में आयोजित किया जा रहा है। आज ग्राम डाबका में कार्यक्रम के तहत रैली का आयोजन किया गया। किसानों से चर्चा के साथ कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। चर्चा के दौरान डॉ आकांक्षा पांडे द्वारा परम्परागत खेती एवं वैज्ञानिक खेती को आपस में मिलाकर कैसे उन्नत कृषि की जा सकती है इस विषय में बताया। उन्होंने गर्मियों में गहरी जुताई, मिट्टी परीक्षण की विधि, बीज अंकुरण की जांच, समय पर खाद का प्रयोग, जैविक खेती, दवाइयां को डालने की विधि आदि विषयों पर जानकारी दी।

कृषि विभाग अधिकारी श्रीमती निराली आर्य द्वारा कृषि विभाग की योजनाओं को विस्तार से बताया। डॉक्टर गोविंद मीणा द्वारा धान की खेती की तकनीकी विषय पर जानकारी एवं नरवाई प्रबंधन विषय पर जानकारी दी। पशुपालन, उद्यानकी विभाग द्वारा भी अपनी-अपनी योजनाओं के बारे में किसान भाइयों को विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिला पंचायत सीईओ ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

इटारसी, देशबन्धु। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम, टी प्रतीक राव ने ग्राम पंचायत केसला, चौकीपुरा एवं मोरपानी में जल संरक्षण से संबंधित विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान श्री राव ने ग्राम पंचायत केसला पहुंचकर डगवेल रिचार्ज कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता की समीक्षा कर अधिकारियों को समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। वे ग्राम चौकीपुरा पहुंचे, जहां अमृत सरोवर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से संवाद करते हुए उन्हें जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराया तथा सरोवर के रख-रखाव में सहभागिता का आह्वान किया। सीईओ श्री राव ने ग्राम मोरपानी पहुंचकर, खेत तालाब निर्माण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली एवं सुनिश्चित किया कि यह कार्य कृषि सिंचाई सुविधा में कारगर सिद्ध हो। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। श्री राव ने अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्भरण के लिए जनसहभागिता को अत्यंत आवश्यक बताया एवं सभी को अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

बिरसा मुंडा स्व-रोजगार योजना में मिलेगा 50 लाख रुपये तक का ऋण

हरदा, देशबन्धु। भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत विनिर्माण गतिविधियों के लिए 50 लाख रूपए तक तथा सेवा, व्यवसाय गतिविधियों के लिए 25 लाख रूपए तक परियोजनाएं स्वीकृत किए जाने का प्रावधान है। इसके लिए परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रुपये से अधिक नही होनी चाहिए।

जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग हरदा श्रीमती कविता आर्य ने बताया कि योजना अन्तर्गत हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरित, शेष ऋण पर 5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज अनुदान तथा बैंक ऋण गारंटी शुल्क प्रचलित दर पर अधिकतम 7 वर्षो तक मोरेटोरियम अवधि सहित निगम द्वारा वहन किए जाने का प्रावधान है। योजना में इच्छुक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण भी प्रदान किए जाने का प्रावधान है। इस योजना का क्रियान्वयन शासन द्वारा निर्धारित समस्त पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है, तथा पोर्टल पर उक्त योजना मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना से समन्वित होती है। जिला स्तर पर योजना का क्रियान्वयन सहायक आयुक्त, जिला संयोजक, शाखा प्रबंधक मध्यप्रदेश आदिवासी वित्त एवं विकास निगम एवं महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के माध्यम से किया जा रहा है। योजना के तहत वर्ष 2025-26 हेतु जिले के सभी बैंकों को लक्ष्य निर्धारित किये गये है। साथ ही संबंधित अधिकारियों को योजना के क्रियान्वयन के संबंध में निर्देश जारी किये गये है। श्रीमती आर्य ने बताया कि योजना के तहत पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रारम्भ हो चुके है। इच्छुक व्यक्ति पोर्टल के माध्यम से अपना आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकते है। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिये कलेक्ट्रेट परिसर के कक्ष क्रमांक 41 में स्थित जनजातीय कार्य विभाग के जिला कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।

आवश्यक दस्तावेज एवं योग्यता- योजना के लिए आवेदन करने वाला व्यक्ति कक्षा 8 वीं उत्तीर्ण एवं उम 18 से 45 वर्ष हो। इसके अलावा जाति प्रमाण पत्र एसडीएम द्वारा जारी स्थाई हो, मूल निवासी प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, समग्र आईडी, फोटो, कोटेशन, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, वाहन हेतु वैध ड्रायविंग लायसेन्स, पेन कार्ड हो। आवेदनकर्ता किसी बैंक अथवा किसी वित्तीय संस्था का डिफाल्टर न हो और केन्द्र सरकार की किसी अन्य स्वरोजगार योजना का हितग्राही न हो। आवेदनकर्ता अपना आवेदन बेवसाइट समस्त पोर्टल एम.पी. ऑनलाईन में आवेदन करने के पश्चात् आवेदन की एक प्रति समस्त दस्तावेज के साथ कार्यालय में जमा करें।

टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना में मिलेगा 1 लाख रूपये तक का ऋण

हरदा, देशबन्धु। टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत अनुसूचित जनजाति वर्ग के आवेदकों को सभी प्रकार के स्वरोजगार के लिये 10 हजार रूपये से 1 लाख रूपये तक की परियोजनाएं स्वीकृत किए जाने का प्रावधान है। इस योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरित, शेष ऋण पर प्रतिवर्ष 7 प्रतिशत अथवा वास्तविक जो भी कम हो की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 5 वर्षो तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर निगम द्वारा त्रैमासिक दिया जाएगा। योजना का क्रियान्वयन शासन द्वारा निर्धारित 'समस्त पोर्टल' के माध्यम से किया जाना प्रावधानित है। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिये कलेक्ट्रेट परिसर के कक्ष क्रमांक 41 में स्थित जनजातीय कार्य विभाग मध्यप्रदेश आदिवासी वित्त विकास निगम हरदा में सम्पर्क किया जा सकता है। योजना के तहत वर्ष 2025-26 हेतु जिले के सभी बैंकों को लक्ष्य निर्धारित किये गये है। साथ ही संबंधित अधिकारियों को योजना के क्रियान्वयन के संबंध में निर्देश जारी किये गये है। टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के लिए यह आवश्यक है कि आवेदक की आयु 18 से 55 वर्ष के मध्य हो तथा वह आयकर दाता न हो। इसके अलावा जाति प्रमाण-पत्र, मूल निवासी प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड, आय प्रमाण-पत्र, मतदाता परिचय पत्र, अंकसूची, समग्र आईडी, वाहन के प्रकरण में लायसेंस, स्वयं की दो फोटो, परियोजना प्रपत्र आवश्यक है। योजना के तहत पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन प्रारम्भ हो चुके है। इच्छुक व्यक्ति पोर्टल के माध्यम से अपना आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकते हैं।

नर्मदापुरम, सोमवार 9 जून 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

हिंसाग्रस्त मणिपुर, अकेले तिरंगा लहराते मोदी

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़क गई है। मैतेई कट्टरपंथी संगठन 'अरम्बाई टेंगोल' के नेता की कथित गिरफ्तारी के बाद इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों में व्यापक विरोध प्रदर्शन होने लगा, जिसका असर इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिलों इन पांच जिलों पर खास तौर से देखा गया। प्रदर्शनकारियों ने नेता की रिहाई की मांग करते हुए क्वाकीथेल और उरीपोक में सड़क के बीचों-बीच टायर और पुराने फर्नीचर जलाए, वहीं इंफाल पूर्व जिले के खुरई लामलोंग में एक बस में आग लगा दी। क्वाकीथेल में कई गोलियों की आवाजें सुनी गईं लेकिन यह पता नहीं चल पाया कि गोलियां किसने चलाईं। खबर फैली कि गिरफ्तार नेता को राज्य से बाहर ले जाया जा सकता है तो प्रदर्शनकारियों ने तुलीहाल में इंफाल हवाई अड्डे के द्वार का घेराव भी किया और सड़क के बीच में सो गए।

ये सारा हाल जाहिर करता है कि विरोध प्रदर्शन और कितना बढ़ सकता है। इसके बाद एहतियातन प्रशासन ने इन पांच जिलों में इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को पांच दिनों के लिए निलंबित कर दिया है। प्रशासन का कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व जनता की भावनाओं को भड़काने वाले चित्र, अभद्र भाषा और घृणास्पद वीडियो संदेशों के प्रसारण के लिए सोशल मीडिया का बड़े पैमाने पर उपयोग कर सकते हैं, जिससे मणिपुर राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर असर पड़ सकता है।

प्रशासन ने अपनी जिम्मेदारी तो निभाई है, लेकिन जिस कानून और व्यवस्था का हवाला देकर फिर से इंटरनेट सेवाएं बंद की गई हैं, क्या उसका कोई नामलेवा अभी राज्य में बचा है, यह सवाल अब सीधे केंद्र सरकार से किया जाना चाहिए।

पिछले 2 सालों से मणिपुर अशांत बना हुआ है। मई 2023 में भड़की हिंसा की चपेट में पूरा राज्य आ गया, और हत्या, लूटपाट, आगजनी की असंख्य घटनाओं के बीच दो युवतियों के साथ बलात्कार और नग्न परेड जैसी अमानवीय, नृशंस घटनाएं भी हुईं। जिसकी गूंज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठी। ऐसी भयावह परिस्थिति किसी सैन्य शासन या तानाशाही वाले देश या किसी युद्धग्रस्त देश में घटती तो यह सवाल नहीं उठता कि सरकार क्या कर रही है। हमने पाकिस्तान, अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से लेकर मध्य एशिया या अफ्रीका के कई कमजोर देशों में इस तरह की घटनाओं को होते देखा है, क्योंकि वहां लोकतंत्र नहीं है या अगर है तो उसे कमजोर कर दिया गया है। इसके बाद यही गनीमत लगती है कि भारत में लोकतंत्र बना हुआ है, जिसमें आम जनता रोजमर्रा की परेशानियों से भले जूझे, लेकिन इस तरह के अतिरेक से बची रहती है। किंतु दो सालों से मणिपुर के हाल देखकर सवाल उठता है कि क्या वाकई लोकतंत्र के रास्ते पर देश चल रहा है या केवल दिखावा हो रहा है।

दो साल हो गए लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अब तक एक बार भी मणिपुर नहीं गए, संसद में भी उन्होंने इस राज्य के हालात पर तभी बयान दिया जब विपक्ष ने अपना दबाव बनाया और सुप्रीम कोर्ट को भी दखल देना पड़ा। इस बीच मणिपुर में बड़ी मुश्किल से मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दिया और 100 से अधिक दिनों से अब वहां राष्ट्रपति शासन लागू है। हालांकि इस बीच भाजपा की तरफ से सरकार बनाने के दावे पेश किए जाते रहे हैं। लेकिन शायद विधायकों को केंद्र की भाजपा से हरी झंडी नहीं मिल रही। शायद भाजपा अब मणिपुर की जिम्मेदारी ही नहीं लेना चाहती है। बीते 2 साल से ज़्यादा समय से जारी हिंसा में 270 से ज़्यादा लोगों ने अपनी जान गंवा चुके हैं और हज़ारों लोग घायल हुए हैं। करीब 60 हजार लोग राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

इन दो सालों में श्री मोदी ने देश-विदेश की करीब 3 सौ यात्राएं की हैं, लेकिन मणिपुर जाने के लिए दो-तीन घंटे का वक्त भी उन्होंने नहीं निकाला। न ही वे दिल्ली बैठकर मणिपुर के मुद्दे को हल करने के लिए किसी तरह गंभीर दिख रहे हैं। अगर ऐसा होता तो शायद परिणाम सामने रहते। मगर इस समय ऐसा लग रहा है मानो भाजपा और नरेन्द्र मोदी के लिए मणिपुर अस्तित्व ही नहीं रखता है। अपने ही देश के एक राज्य के साथ यह सौतेला व्यवहार आखिर नरेन्द्र मोदी क्यों कर रहे हैं, यह गंभीर चिंता का विषय है। अभी भाजपा मोदी सरकार के 11 सालों का जश्न देश भर में मनाने की तैयारी में है। खुद श्री मोदी ने इस बारे में ट्वीट किया कि बीते 11 सालों में हमारी सरकार का हर कदम सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के प्रति समर्पित रहा है। इन वर्षों में हमने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे न सिर्फ ऐतिहासिक हैं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन को सरल और बेहतर बनाने में सहायक रही हैं। हमें पूरा विश्वास है कि हम अपने इन प्रयासों से एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत का सपना जरूर साकार करेंगे।

प्रधानमंत्री से पूछा जाना चाहिए कि सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण जैसे शब्दों का मणिपुर में कोई स्थान है या नहीं। जम्मू-कश्मीर जाकर पुल से अकेले तिरंगा लहराकर अपनी देशभक्ति और देशसेवा प्रदर्शित करने की नाटकीयता श्री मोदी को दिखाने की जरूरत नहीं पड़ती, अगर वे वाकई तिरंगे के तहत आने वाले तमाम राज्यों को समभाव से देखते हुए ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाते। अभी तो राहुल गांधी जैसे विपक्ष के नेताओं से ही उम्मीद है कि वे मणिपुर के लोगों के कष्ट बांटेंगे।

ट्रंप ने पाक के नेतृत्व को मजबूत नहीं हमारे नेतृत्व को कमजोर बताया है!

यह अभी तक का डोनाल्ड ट्रंप का सबसे बड़ा हमला है! प्रकारांतर में यह हमारे नेतृत्व को कमजोर बताना है। जब गांव में वोट मांगने जाते हैं तो वह यह नहीं कहता कि आप सही नहीं हैं। वह कहता हैं- वे बहुत अच्छे हैं!

पूरी दुनिया में यही माहौल बन गया है। कोई पाकिस्तान का समर्थन नहीं कर रहा। उसके नेतृत्व को मजबूत और भरोसे लायक नहीं बता रहा हमारे नेतृत्व को कमजोर और आत्ममुग्ध बता रहा है।

देश की यह हालत कभी नहीं रही। लेकिन इस पर भी न प्रधानमंत्री मोदी और न ही गोदी मीडिया समझने को तैयार हैं। मोदी अपनी छवि को ऊपर रख रहे हैं। जो अब इतनी कमजोर हो गई है कि कोई भी ब्रांडिंग उसे वापस मजबूत नहीं कर सकती।

वापसी के लिए इन्दिरा गांधी जैसा आत्मबल होना चाहिए। 1977 के बाद सबने उन्हें खतम कहानी मान लिया था। मगर उन्होंने फिर वापसी की। आधार खोखला नहीं होना चाहिए। नहीं तो वह बूमरैंग (पलटवार) करता है। 56 इंच की छाती, लाल आंख वालों का सबसे बड़ा आधार गोदी मीडिया था। और उसने ही अब सबसे ज्यादा बेइज्जती करवाई है। अगर मोदी को वापस अपनी अन्तरराष्ट्रीय छवि में कुछ इजाफा करना है तो उन्हें इन गोदी मीडिया के महारथियों को लाइन अप करना चाहिए। जो भी कानून सम्मत कड़ी सज़ा होती है वह देना चाहिए। नहीं तो दुनिया में चाहे जितने प्रतिनिधिमंडल भेज लें बिगड़ी छवि सुधरने वाली नहीं है। वाशिंगटन पोस्ट में उसके झूठ का लेखाजोखा छपने के बाद वह बहुत दबाव में है। और अंदर से खोखले लोग दबाव पड़ने पर और ज्यादा मूर्खता का इजहार करते हैं। वे प्रधानमंत्री का कोई और बड़ा रूप बनाकर पेश कर सकते हैं। जिससे जगहंसाई हो।

याद रहे वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट आने के बाद ही ट्रंप ने पाकिस्तान की लीडरशिप को ग्रेट और स्ट्रांग कहा। इसका मतलब अगर आपकी भी होती तो 9 मई के बाद जब गोदी मीडिया की हंड्रेड परसेन्ट झूठी खबरों ने सच का जनाजा निकाल दिया था प्रधानमंत्री मोदी इन मीडिया वालों को अंदर कर चुके होते।

भारत की सेना जीत रही थी। उसका अपर हैंड (बढ़त) था। ऐसे में सच्ची खबरें ही उसका शौर्य बताने के लिए पर्याप्त थीं। मगर उसने ऐसे ऐसे झूठ चलाए जिनका कोई सिर-पैर ही नहीं था। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष गिरफ्तार, तख्तापलट की तैयारी, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने आत्मसमर्मण किया। गप्प की भारी होड़ थी दूसरे चैनल ने कहा बंकर में छुपे हुए हैं। एक वहां के सारे बड़े शहर कब्जे में, प्रमुख शहरों को नष्ट कर दिया।

यह सब हम वाशिंगटन पोस्ट द्वारा तथ्यात्मक रूप से तैयार की गई 7 जून को प्रकाशित रिपोर्ट से बता रहे हैं। अखबार ने कहा कि इन झूठे दावों के समर्थन में गाजा और सूडान के संघर्षों, फिलाडेल्फिया की एक विमान दुर्घटना और यहां तक कि वीडियो गेम के शाट लेकर भी दिखा दिए गए। बहुत बड़ी रिपोर्ट है। एक एक तथ्य और सबूत के साथ कहा गया है कि भारतीय मीडिया ने यह राक्षसों जैसा काम किया है।

और सबसे घटिया काम अपने झूठ का यह कहते हुए बचाव कि हमने कोई काम देश के खिलाफ नहीं किया। अब इन कम जानकार लोगों को कौन समझाए कि इस तरह के एक क्षेत्र में किए झूठे दावे दूसरे क्षेत्र की सेना पर असर डालते हैं। एक सेक्टर में सेना अच्छा काम कर रही होती है मीडिया के जरिए उसे दूसरे क्षेत्र की अफलातूनी खबर मिलती है तो वह गिल्ट में आ जाती है। गलती कर सकती है। देश को नुकसान हो सकता है। हमें विश्वास है कि जब वक्त बदलेगा तो सेना इन्हें अच्छी तरह समझाएगी। हमने शायद बताया हो कि फोर्स से एक ऐसे ही पत्रकार को किस तरह बचाया था। सीमावर्ती क्षेत्र में। और बचाने का मतलब आप समझ गए ना। बच गया! तो यह देश की सेवा नहीं होती देश का नुकसान होता है।

इसीलिए ट्रंप कह रहे हैं मेरा कहना किसी को बुरा लग सकता है। बिल्कुल सही है, लग रहा है। यह भारत के खिलाफ जाता दिख रहा है। विदेश में भारत का प्रधानमंत्री मतलब भारत ही होता है। और भारत का नेतृत्व मतलब प्रधानमंत्री कभी कमजोर नहीं रहा। चाहे वह कोई रहा हो। एच डी देवगौड़ा, गुजराल, चन्द्रशेखर कोई भी। और इसका कारण है हर प्रधानमंत्री के पीछे भारत की ताकत होती थी।

शकील अख्तर

> दुनिया भर में हमें अपनी छवि सुधारने के लिए कई प्रतिनिधि मंडल भेजना पड़े। मगर क्या हुआ? उसके बाद भी ट्रंप यह कह रहे हैं। वाशिंगटन पोस्ट जो दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित अखबारों में से है ऐसी रिपोर्ट छापता है जिससे भारत की छवि खराब होती है। इस गोदी मीडिया की तो क्या होना? इसकी तो अब कोई बची नहीं है। इसके मालिक ही पूछते हैं कि वह खबर सच्ची थी?

मगर मोदी ने एक बिल्कुल ही नया काम किया। अपनी छवि देश से ऊपर बनाने का। 2014 से पहले भारत में पैदा होना शर्म की बात थी। मतलब 2014 से पहले के भारत को ही खतम कर दिया। अपनी लकीर बड़ी करने के लिए देश की लकीर छोटी करने की कोशिश। ऐसे बहुत उदाहरण हैं। स्थानाभाव के कारण नहीं लिख सकते। नहीं तो वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के ही और हिस्से भी जिनमें इस गोदी मीडिया की धज्जियां उड़ा दी गई हैं बताते। मगर पाठक पढ़ सकते हैं। हिन्दी में उसका पूरा अनुवाद सोशल मीडिया पर है।

पाकिस्तान के शासकों के लिए ट्रंप के इस सर्टिफिकेट से बड़ा कुछ नहीं हो सकता है। और वहां की जनता के लिए हंसने वाली बात। हमारे साथ पाकिस्तान के पूर्व शासकों के कैसे भी संबंध रहे हों मगर सच यह है कि सब अपने देश में बड़े नाम थे। आज के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ जिनकी ट्रंप ने तारीफ की है उनकी तो एकमात्र पहचान केवल नवाज शरीफ के भाई की है। मगर वह भी मजबूत नेता हो गए!

क्या कहें? हमारी बदकिस्मती! कहने को तो वे कहते हैं कि उनकी किस्मत से यह होता है, वह होता है। और इसी भ्रम में इस लोकसभा चुनाव से पहले जिसमें वे 400 पार सीटें जीतने जा रहे थे नान बायलोजिकल (हम आप जैसे इंसान नहीं, अवतार) बन गए।

इन्हीं बड़ी-बड़ी बातों की वजह से दुनिया में उनकी छवि खराब हुई है। और इसका प्रभाव देश पर पड़ा। पाकिस्तान कभी किसी मुकाबले में हमसे बराबरी पर भी नहीं आ पाया। और अब ट्रंप उसकी लीडरशिप को ग्रेट और स्ट्रांग बता रहे हैं।

दुनिया भर में हमें अपनी छवि सुधारने के लिए कई प्रतिनिधि मंडल भेजना पड़े। मगर क्या हुआ? उसके बाद भी ट्रंप यह कह रहे हैं। वाशिंगटन पोस्ट जो दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित अखबारों में से है ऐसी रिपोर्ट छापता है जिससे भारत की छवि खराब होती है। इस गोदी मीडिया की तो क्या होना? इसकी तो अब कोई बची नहीं है। इसके मालिक ही पूछते हैं कि वह खबर सच्ची थी?

जी सर, हमने दिखाई थी। अरे इसलिए तो पूछ रहे हैं कि तुमने दिखाई थी! दो कौड़ी की क्रेडिबलटी नहीं बची है और उसका असर यह है कि देश की छवि विदेश में खराब हो रही है। 11 साल में जितना झूठ बोला गया सब सामने आ रहा है। मगर अफसोस यह है कि देश की कीमत पर। देश विदेशों में बदनाम हो गया। एक देश साथ खड़ा हुआ नहीं है और ट्रंप का कोई भरोसा नहीं है कि वह अभी कितनी बार और क्या बोलेंगे!

जी-7 में कनाडा जाने को तैयार हो गए। आत्मसम्मान की कोई चिन्ता किए बिना। लेट इनविटेशन अपमान होता है। मूल लिस्ट में आप शामिल नहीं थे। जैसे हमारे यहां सभा समारोहों में होता है। फलाने नहीं आए, फलाने को मंच पर बिठा लो।

जाएं कनाडा! मगर वहां इस बार मीडिया से बचना इतना आसान नहीं होगा। और दूसरे शक्तिशाली देशों के प्रमुख भी अब कोई सहानभूति वाला रुख नहीं दिखा रहे हैं। देश की इज्जत बनी रहे। बस यही कामना है!

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

युद्धों से यारी के निहितार्थ ?

▪ अरुण कुमार त्रिपाठी

चार दिन चले 'आपरेशन सिंदूर' का वैसे तो युद्धविराम हो चुका है, लेकिन उसका 'शांतिपर्व' नहीं आया है। जिस तरह से दोनों ओर से युद्ध जीतने के दावे किए जा रहे हैं उससे तो नहीं लगता कि यह जल्दी आने वाला है, पर सवाल है कि पत्रकार, राजनेता, अधिकारी और पूरे समाज पर युद्धोन्माद का आख्यान आखिर इस तरह हावी क्यों है? जबकि पूर्व थलसेनाध्यक्ष जनरल नरवाणे कह चुके हैं कि युद्ध बालीवुड की फिल्म नहीं है, उसे आखिरी विकल्प के तौर पर ही रखना चाहिए। युद्ध का मौजूदा आख्यान पड़ौसी देश के विरुद्ध ही नहीं है, बल्कि उन नागरिकों, दलों और राजनेताओं के प्रति भी है जो सत्तापक्ष और सरकार से सवाल करते हैं।

अगर कोई राजनेता या सैनिक अधिकारी सच बोलने का साहस दिखाता है तो उस पर लोग ऐसे टूट पड़ते हैं जैसे कि वह देशद्रोही या गद्दार हो या राष्ट्रहित को चोट पहुंचाने वाली विवेकहीनता का प्रदर्शन कर रहा हो। हमारे 'चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ' (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सिंगापुर में जेट विमानों को क्षति पहुंचने की बात क्या स्वीकारी कि राजनयिक और रक्षा विशेषज्ञ उन पर टूट पड़े। लोग कह रहे हैं कि उन्होंने एक 'कार्यनीतिक चूक' स्वीकार करके पाकिस्तान की जीत के आख्यान को बढ़त का मौका दे दिया है, जबकि उन्होंने इस पूरे युद्ध पर एक विवेकपूर्ण टिप्पणी करते हुए यह भी कहा था कि दोनों ओर के सैनिक अधिकारियों में इतना विवेक था कि उन्होंने इस टकराव को नाभिकीय युद्ध तक नहीं जाने दिया।

> युद्ध में जीत की लालसा, राष्ट्रीय संप्रभुता का अहंकार और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की मुनाफे की चाहत हमें उस मुकाम तक ले आयी है, जहां हम जीत के लिए परमाणु बम की धमकी तक देने तैयार हैं और हार को झूठ के गुब्बारों से सजाकर जीत दिखाना चाहते हैं। लगता है, युद्ध एक स्थायी भाव है और युद्धविराम एक संचारी भाव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए युद्धविराम और शांति व्यापार करने का एक अवसर है और युद्ध हथियार बेचने, अमेरिका को महान बनाने और प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा करने की रणनीति का।

युद्ध में जीत की लालसा, राष्ट्रीय संप्रभुता का अहंकार और बहुराष्ट्रीय कंपनियों की मुनाफे की चाहत हमें उस मुकाम तक ले आयी है, जहां हम जीत के लिए परमाणु बम की धमकी तक देने तैयार हैं और हार को झूठ के गुब्बारों से सजाकर जीत दिखाना चाहते हैं। लगता है, युद्ध एक स्थायी भाव है और युद्धविराम एक संचारी भाव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए युद्धविराम और शांति व्यापार करने का एक अवसर है और युद्ध हथियार बेचने, अमेरिका को महान बनाने और प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा करने की रणनीति का।

जो स्थिति भारतीय उपमहाद्वीप में बनी है वह कमोवेश पूरी दुनिया में निर्मित हो रही है। भारत के मुख्यधारा के मीडिया पर जिस तरह से सेना के युद्धोन्मादी सेवानिवृत्त अफसरों के ढपोरशंखी बयानों और वक्तव्यों की बाढ़ आई हुई है उतना तो शायद दुनिया के किसी देश में नहीं है। रूस-यूक्रेन युद्ध या इजराइल-फिलस्तीन युद्ध ने तथाकथित सभ्य देशों को असभ्य देश के रूप में तब्दील कर दिया है और नहीं लगता कि उनके पास मौजूदा स्थिति का कोई समाधान है। विडंबना है कि भारतीय उपमहाद्वीप में इस दौरान शांति का स्वर हाशिए पर ठेल दिया गया है। युद्ध के शुरू होते ही मैग्सैसे पुरस्कार विजेता संदीप पांडेय और मेधा पाटकर ने युद्धविराम की अपील की थी, लेकिन उनके बयानों को कितना महत्त्व दिया गया, कहा नहीं जा सकता।

आज इस उपमहाद्वीप में जिस प्रकार से चीन और पाकिस्तान की ओर से भारत पर युद्ध थोपने की भविष्यवाणी की जा रही है, रणनीतिक और राजनयिक रूप से भारत जिस तरह से अलग-थलग पड़ता दिख रहा है वह सब एक भयावह परिदृश्य उपस्थित करता है। इससे निपटने का एक तरीका तो यह है कि लोगों की बुनियादी आवश्यकताओं में कटौती करते हुए निरंतर हथियार जमा किए जाएं, उनको टेक्नोलॉजी के लिहाज से उन्नत करते रहा जाए और भारत जैसी विशाल आबादी को सैन्य प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया जाए। दूसरा तरीका है कि इस उपमहाद्वीप से लेकर दुनिया के दूसरे हिस्सों तक शांति का वह अंतरराष्ट्रीय अभियान चलाया जाए जिसकी कल्पना रवींद्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी, मार्टिन लूथर किंग, लियो टालस्टाय, विनोबा, थोरो, क्रोपाटकिन और डेस्मांड टूटू जैसे विचारकों ने की थी। दूसरा रास्ता अधिक श्रेष्ठ और टिकाऊ है और उसकी चर्चा उसी तरह होनी चाहिए जिस तरह भीष्म ने 'शांतिपर्व' में की थी।

रवींद्रनाथ टैगोर ने 'गीतांजलि' के अलावा 'स्वर्ग का गीत' जैसी कविताओं में 'हार की गरिमा' का वर्णन किया है तो महात्मा गांधी ने अहिंसा को परमाणु बम से भी श्रेष्ठ हथियार माना है। टैगोर कहते हैं कि हार जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे व्यक्ति अधिक मजबूत और विनम्र बनता है और आध्यात्मिक रूप से प्रेरित करने वाला अनुभव प्राप्त करता है। वे कहते हैं कि हार निराशा और कमजोरी नहीं है, बल्कि सीखने और विकास का अवसर है। हार से घबराना नहीं, बल्कि इससे जीवन की गहरी समझ हासिल की जा सकती है। हार भगवान के करीब ले जाती है।

गांधी कहते हैं, 'जहां तक मैं देख सकता हूं, परमाणु बम ने उस उत्कृष्ट भावना को जड़ बना दिया है जिसके सहारे मानव जाति युगों से जीवित रही है। एक समय तथाकथित युद्ध नियम हुआ करते थे जो उन्हें सह्य बनाते थे। अब जो नग्न सत्य है उसे हम जानते हैं। युद्ध में सिवाय पशुबल के कोई नियम नहीं होता। परमाणु बम ने 'मित्र शक्तियों' को खोखली विजय दिलाई, लेकिन उसके परिणामस्वरूप कुछ काल के लिए जापान की आत्मा की ही हत्या हो गई है। संहारक राष्ट्र की आत्मा का क्या हुआ है उसे देखने का समय अभी नहीं आया है। (परमाणु और अहिंसा, हरिजन, सात जुलाई 1946)।

नार्वे के समाजशास्त्री योहान गाल्तुंग का कहना है कि हिंसा तीन तरह की होती है। एक प्रत्यक्ष हिंसा, दूसरी संरचनात्मक हिंसा और तीसरी सांस्कृतिक हिंसा। इनमें से बाद की दो किस्म की हिंसा अदृश्य रहती हैं, लेकिन वे अधिक शक्तिशाली होती हैं। वे हिंसा दूर करने के लिए विवाद के समाधान की बजाय विवाद के रूपांतरण की बात करते हैं। विवाद का समाधान अस्थायी होता है, जबकि विवाद का रूपांतरण समस्या की जड़ तक जाकर उसका हल करना होता है।

मानव सभ्यता की प्रगति के साथ युद्ध के विरोध की एक चेतना निर्मित हुई है, लेकिन इक्कीसवीं सदी में जिस तरह विचार शून्यता, बड़बोले नेतृत्व और खतरनाक हथियारों की निर्मिति हुई है उससे फिर एक बार युद्ध का डंका बजना तेज हो गया है। 'संयुक्त राष्ट्र संघ' के गठन के साथ अमेरिकी विश्वविद्यालयों में सैन्य शास्त्र के प्रोफेसरों की जरूरत पर प्रश्न चिह्न लग गया था, आजकल सैन्य विशेषज्ञों की ही धूम मची है। ऐसे में अगर मानव को अपनी सभ्यता का 'शांतिपर्व' स्थापित करना है तो एक ऐसे समाज की कल्पना करनी होगी जो अहिंसक हो और हत्याविहीन हो। एक ऐसी विश्व व्यवस्था हो जो समस्याओं की जड़ में जाकर विवादों का रूपांतरण करे।

यह तभी हो सकता है जब शांति और अहिंसा वाली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था निर्मित हो जो राष्ट्रीय संप्रभुता के हिंसक रूप और राजनेताओं के विजय के अहंकार का शमन करे और शांति को एक वैश्विक मूल्य के रूप में पोषित करे। 16 अप्रैल 1953 को समाचार संपादकों द्वारा अमेरिकी समाज को दिया गया वह संबोधन उल्लेखनीय है कि 'प्रत्येक बंदूक जिसका कि निर्माण हुआ है, प्रत्येक युद्धपोत जिसका कि जलावतरण हुआ है तथा प्रत्येक रॉकेट जिसको कि छोड़ा गया है, अंतिम अर्थ में उनसे चोरी है जो भूखे हैं, जिन्हें भोजन नहीं कराया गया है तथा वे जो युद्ध से प्रभावित हैं और जिनके पास वस्त्र नहीं है।'

आपके पत्र

पुरस्कारों का सौदाः साहित्य के बाज़ार में बिकती संवेदनाएं

साहित्य, आत्मा की पुकार है। वह सर्जक की साधना का फल होता है — तप, त्याग और संवेदना की अभिव्यक्ति। लेकिन आज, जब हम चारों ओर नज़र डालते हैं, तो पाते हैं कि यह साधना अब 'सहयोग राशि' और 'नामांकन शुल्क' की दुकान पर बिक रही है। पुरस्कार अब साधना की स्वीकृति नहीं, पैसे की नीलामी हो गए हैं। ऐसे में प्रश्न उठना स्वाभाविक है क्या सचमुच साहित्य का मूल्य अब बैंक ट्रांजैक्शन से तय होगा?

आजकल सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और मेल पर साहित्यिक आयोजनों के नाम पर संदेश आते हैं 'सिर्फ 1000 में नामित हों, 2500 में पुरस्कार पाएं।' कुछ तथाकथित संस्थाएं और व्यक्ति 'राष्ट्रीय', 'अंतरराष्ट्रीय', 'गौरव', 'रत्न' जैसे भारी-भरकम शब्दों से सजे पुरस्कारों का जाल बिछाकर साहित्यप्रेमियों को लुभाते हैं। सच्चाई यह है कि पुरस्कार नहीं, सम्मान की नीलामी हो रही है। इन आयोजनों के अधिकांश आयोजक एक जैसी वेबसाइटें, नकली अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के नाम और सोशल मीडिया प्रचार का सहारा लेकर लोगों को भ्रमित करते हैं। वे एक निश्चित शुल्क लेकर एक ट्रॉफी, सर्टिफिकेट और कभी-कभी एक ऑनलाइन समारोह की व्यवस्था करते हैं, जो केवल आत्मप्रशंसा का साधन होता है, न कि वास्तविक मान्यता।

इन आयोजनों के पीछे अक्सर एक चतुर चाल होती है इसे 'सहयोग राशि' या 'प्रेस रिलीज़ खर्च' कहकर नैतिक जामा पहनाया जाता है। पुरस्कार एक साधक को उसके योगदान पर दिया जाना चाहिए, न कि उसकी जेब देखकर। जब कोई लेखक अपनी मेहनत से एक रचना गढ़ता है, वह अपने समय, जीवन और संवेदना का अंश उसमें उड़ेलता है।

सच्चा साहित्यकार पुरस्कार के लिए नहीं, समाज के लिए लिखता है। वह पुरस्कार के पीछे नहीं भागता, पुरस्कार उसकी साधना के पीछे भागते हैं। आज ज़रूरत है ऐसे छलछंद को उजागर करने की, जो साहित्य को सिर्फ एक 'सेल्फी इवेंट' बना रहे हैं। 'पुरस्कारों की गारंटी' देने वाले लोग दरअसल साहित्य की आत्मा के हत्यारे हैं। ऐसे पुरस्कारों से न केवल साहित्यिक गरिमा घटती है, बल्कि युवा लेखकों को एक गलत प्रेरणा मिलती है कि रचना से अधिक महत्वपूर्ण है, उसकी मार्केटिंग और भुगतान। समाज को सजग बनाइए, बहिष्कार कीजिए। अब समय आ गया है कि हम ऐसे आयोजनों का बहिष्कार करें, पैसे लेकर पुरस्कार बेचने वालों का सामाजिक पर्दाफाश करें, सोशल मीडिया और पत्रिकाओं में इनके नाम उजागर करें, सच्चे साहित्यकारों और पाठकों के बीच चेतना फैलाएं, साहित्य को आत्मा की अभिव्यक्ति बनाए रखें, उसकी बोली न लगने दें।

हम यह नहीं कह रहे कि पुरस्कार न दिए जाएं बल्कि पुरस्कार तपस्वी लेखकों की साधना की स्वीकृति होनी चाहिए, न कि किसी भुगतान का रसीद। भाषा की गरिमा बचानी है तो ऐसे नकली संस्थानों से मुक्ति पानी होगी। साहित्य कोई काजल की कोठरी नहीं कि कोई भी चला आए, काजल लगा ले और चला जाए। यह साधना है, सेवा है, संघर्ष है। साहित्य की दुनिया में यह जो बनावटी रोशनी जगाई जा रही है, वह दरअसल एक अंधेरा है आत्मा से दूर, पैसे के करीब। सच्चे लेखक और पाठक ही मिलकर इस अंधकार को मिटा सकते हैं।

हम साहित्य के उस युग में प्रवेश कर रहे हैं जहाँ आत्मा से अधिक महत्वपूर्ण पुरस्कारों का बायोडेटा हो गया है। आवश्यकता है उस धैर्य, विवेक और विवेचना की जो सच्चे रचनाकार को भीतर से मजबूत करे। ऐसे माहौल में सच्चे साहित्यकारों का मौन अपराध होगा। वे ही यदि इन नकली मंचों को अस्वीकार करेंगे, तभी मूल्यों की पुनर्स्थापना संभव होगी।

यह सिर्फ बहिष्कार नहीं, एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण की शुरुआत है जहाँ पुरस्कार नहीं, विचारों की गूंज महत्वपूर्ण होगी। साहित्य की साधना को बचाने का यही समय है। आज नहीं बोले, तो कल शायद भाषा ही नहीं बचेगी, जिसके सहारे हम यह लेख लिख रहे हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

ललित सुरजन की कलम से

स्वास्थ्य सेवाओं की दुर्गति-2

'यह लाख टके का सवाल है कि शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में, शासकीय अस्पतालों में, यहां तक कि एम्स जैसे संस्थान में डॉक्टरों का टोटा क्यों पड़ जाता है। मुख्यत: यह स्थिति विगत पच्चीस-तीस वर्ष के भीतर बनी। ऐसा नहीं है कि उसके पहले प्राईवेट प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टर नहीं थे। लेकिन उनकी संख्या बहुत कम होती थी और वे अक्सर बस्ती के धनाढ्य परिवारों का ही इलाज करते थे। यद्यपि पास-पड़ोस के लोग भी उनके पास इलाज के लिए पहुंच जाते थे। इन निजी चिकित्सकों पर मरीजों को लूटने का आरोप भी शायद ही कभी लगा हो। एकाध-दो अपवाद तो हर जगह होते हैं। आम तौर पर जनता सरकारी अस्पताल का ही उपयोग करती थी और वहां के डॉक्टरों को समाज में यथेष्ट सम्मान मिलता था। इसकी सबसे बड़ी वजह थी कि मंत्री, संसद सदस्य, विधायक, संभागायुक्त, जिलाधीश भी अपना और अपने परिवार का इलाज सरकारी अस्पताल के डॉक्टर से करवाने को प्राथमिकता देते थे। जब शासन-प्रशासन के कर्णधार सरकारी अस्पताल में आएंगे तो स्वाभाविक ही वहां की व्यवस्था चाक-चौबंद होगी और डॉक्टर अपने कर्तव्य के प्रति पूरी तरह मुस्तैद।'

(देशबन्धु में 27 जुलाई 2017 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2017/08/2.html

पावन प्रसंग

कुसंगति से बच्चों को रखिए दूर

बच्चों के मानस तथा संस्कार निर्माण के निर्धारक तत्वों में उनकी संगति की विशेष भूमिका होती है। मित्र मंडली की प्रत्येक बच्चे के मन व आचरण पर अमिट छाप स्पष्ट देखी जा सकती है। विशेषकर पांच वर्ष की आयु के बाद से पंद्रह सोलह वर्ष की वय तक बच्चे संगति के प्रभाव के प्रति बहुत अधिक खुले तथा संवेदनशील रहते हैं। इसलिए इस वय-वर्ग में अपने बच्चों की सुसंगति का विशेष ध्यान रखना हर अभिभावक के लिए अत्यंत आवश्यक है। आदतों, विचार-प्रक्रियाओं तथा नैतिक मूल्यों के दृढ़ीकरण की यही अवधि है।

आज की एक अत्यंत विषम समस्या यह है कि हम बुरे लोगों के द्वारा निरंतर फेंके जाने वाले दुष्प्रभाव से अपने बच्चों की रक्षा कैसे करें ? वयस्क व्यक्ति तो समझदार भी होते हैं, अपना भला-बुरा सोच भी सकते हैं, पर बच्चों में यह बुद्धि भी ठीक तरह विकसित नहीं हो पाती। उनके लिए कुसंग विष की तरह घातक सिद्ध होता है। कितने ही लड़के घर रहते हुए भी आवारागर्दी में दिन बिताते हैं। दूसरे आवारा लड़कों का साथ ही इसका प्रमुख कारण होता है। असंतोष उत्पन्न करने वालों, कलह भड़काने वालों, निराशा एवं खिन्नता उत्पन्न करने वालों के तौर-तरीके ऐसे होते हैं, जिनके कारण बने घर बिगड़ते देखे गए हैं। बिच्छू और कांतर से जिस प्रकार सावधान रहा जाता है, उसी प्रकार कुसंग से भी बचाव रखा जाना चाहिए।

पौधे खाद-पानी और प्रकाश पाकर ही भली भांति बढ़ते पनपते हैं। भली और बुरी, दोनों ही प्रकार की प्रवृत्तियों की संभावना हर बच्चे में विद्यमान होती हैं। उनमें से जब जिस प्रवृत्ति को प्रकाश, पोषण एवं प्रोत्साहन प्राप्त होता है, वह ही तेजी से बढ़ने लगती है। जो प्रवृत्तियां, सुअवसर तथा सुसेवा से वंचित रहती हैं, वे मुरझाती रहती हैं।

बच्चे उत्साह की प्रतिमूर्ति होते हैं। विशेषकर किशोरावस्था में तो नए-नए शक्ति स्रोत भीतर से उमड़ते रहते हैं और संवेदना का दायरा भी नित्य बढ़ता रहता है। समकालीन संस्कार की जानने-समझने की जिज्ञासा प्रचंडतर होती जाती है। अत: इस स्थिति में यदि उन्हें सही मार्गदर्शन सुलभ नहीं हुआ, तो वे उसकी प्रतीक्षा में रुके बैठे नहीं रह सकते।

यह सदा स्मरण रखना चाहिए कि बच्चा खालीपन नहीं सह सकता। उसे व्यस्तता चाहिए। यदि यह व्यस्तता उसे अभिभावक नहीं दे सके, तो वह स्वयं ही अपनी व्यस्तता के अनेक मार्ग अपने ढंग से ढूँढ़ लेता है। इसीलिए मात्र निषेधात्मक वर्जना से बात बनेगी नहीं। बच्चे को यदि सचमुच कुसंगति से बचाना है तो उसे अच्छी संगति सुलभ कराने की विधेयात्मक व्यवस्था भी करनी होगी; अन्यथा उसका दुष्प्रवृत्तियों में फँसते जाना और अंतत: अपराधी बन जाना अस्वाभाविक नहीं।

गाली देना, आलस्य में पड़े रहना, ताश, शतरंज, चौपड़, कैरम आदि में वक्त बरबाद करना, बढ़-चढ़कर शेखी मारना, फैशन बनाना आदि कितनी ही बातें ऐसी हैं, जो यार-दोस्तों के द्वारा ही उपहार में मिलती हैं। जिनके साथ दोस्ती होती है, उनकी आदतों के साथ भी दोस्ती बढ़ने लगती है। उनकी इच्छा, अनुरोध एवं प्रवृत्ति के साथ-साथ चलने से दोस्ती पक्की होती दीखती है। इसीलिए संपर्क में आने वाले उसके गुण-दोषों को भी सीख लेते हैं। बच्चे को तो साथी की सभी विशेषताएं आकर्षक ही प्रतीत होती हैं। गुण-दोष की विवेचना तथा प्रवृत्तियों के परिणाम विचार की परिपक्वता उसमें कहां? व्यभिचार आमतौर से ऐसे ही पनपता है।

आरंभिक जीवन में हर कोई सदाचारी होता है। विशेषतया व्यभिचार संबंधी पाप से हर किसी को बहुत डर लगता है, क्योंकि हमारी धार्मिक और सामाजिक मान्यताएं इसका बहुत विरोध करती हैं। धार्मिक और सामाजिक, दोनों ही प्रकार के भय, संकोच एवं लज्जा के कारण मनोविकार रहते हुए भी इस कुमार्ग पर सहसा कदम उठा सकना कठिन होता है, पर कुसंग में झिझक छूट जाती है।

-युग निर्माण योजना

खेल जगत

टैमी और एमी का वनडे में प्रभावशाली प्रदर्शन मेरे लिए अहम : एडवर्ड्स

नई दिल्ली। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की मुख्य कोच चार्लोट एडवर्ड्स ने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में जीत के दौरान टैमी ब्यूमोंट और एमी जोंस की मजबूत बल्लेबाजी साझेदारियों को देखना उनके लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज में इंग्लैंड की जीत के साथ चार्लोट के कोचिंग कार्यकाल की यादगार और रोमांचक शुरुआत हुई है। चार्लोट एडवर्ड्स ने कहा कि इंग्लैंड टीम के साथ वापस आना बेहद खास रहा है। बतौर कोच मेरे करियर की शानदार शुरुआत हुई है। इस सीरीज में कुछ खिलाड़ियों का प्रदर्शन निश्चित तौर पर बेहद प्रभावी रहा। एडवर्ड्स ने कह कि मैं वास्तव में सभी नए खिलाड़ियों को देखती हूं जो टीम में आए हैं। सभी ने मिले अवसरों का लाभ उठाया है। टीम को आगे बढ़ाने के लिए वास्तव में हमें इसी की जरूरत भी है।

द. अफ्रीकी बल्लेबाजों को ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का करना होगा सम्मान : एबी डिविलियर्स

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली भिड़ंत से पहले प्रोटियाज बल्लेबाजों को अहम सलाह दी

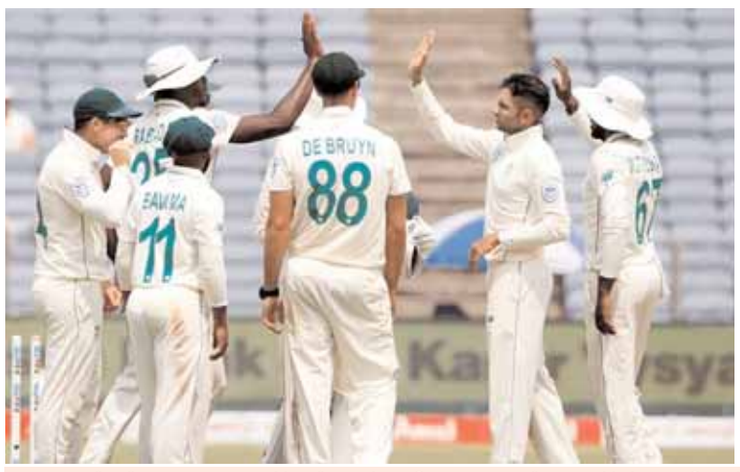

■ 18 टेस्ट मैचों में इस टीम को छह मैचों में जीत मिली है जबकि 8 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है

है। डिविलियर्स ने कहा है कि पहला ओवर हो या पारी का कोई भी ओवर हो, दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का सम्मान करना होगा। लॉर्ड्स में साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच 11 से 15 जून तक विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का फाइनल खेला जाना है। दक्षिण अफ्रीकी टीम का लॉर्ड्स में साधारण प्रदर्शन रहा है। 18 टेस्ट मैचों में इस टीम को छह मैचों में जीत मिली है जबकि 8 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। चार मैच ड्रॉ रहे हैं। डिविलियर्स ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा कि लॉर्ड्स का मैदान खेलने के लिए मुश्किल है। दुनिया के अधिकांश मैदानों की तुलना में यहां गेंद ज्यादा समय तक घूमती रहती है। रन बनाना मुश्किल होता है। बल्लेबाजों को मेरी यही सबसे अच्छी सलाह है कि गेंदबाजों का सम्मान करें, चाहे वह पहला ओवर हो या 67वां ओवर। बस खेल का सम्मान करें। डिविलियर्स ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा कि लॉर्ड्स में, आप आम तौर पर एक सीम गेंदबाज के रूप में थोड़ा फुल लेंथ पर बॉलिंग करना चाहते हैं और परिस्थितियों का सर्वश्रेष्ठ लाभ उठाने की कोशिश करते हैं। स्विंग गेंदबाजों के लिए हमेशा मूवमेंट होता है। इसलिए मैं शायद अपने गेंदबाजों से जितना संभव हो सके, फुल और सीधी गेंदबाजी करने का आग्रह करूंगा। टेम्बा बावुमा की अगुवाई वाली टीम वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, श्रीलंका और पाकिस्तान पर लगातार सात जीत के साथ 2023-25 डब्ल्यूटीसी अंकतालिका में शीर्ष पर रही और 69.44 प्रतिशत अंक लेकर फाइनल में जगह बनाई। लॉर्ड्स, साउथेम्प्टन (2021) में रोज बाउल और लंदन (2023) में 'द ओवल' के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी करने वाला इंग्लैंड का तीसरा स्टेडियम बन जाएगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में जीत से दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट क्रिकेट में आएगा बदलाव: बाउचर

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज मार्क बाउचर का मानना है कि टेम्बा बावुमा की अगुवाई वाली टीम का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल जीतना देश में टेस्ट क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। दक्षिण अफ्रीका 11 जून को लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी (2023-2025) का फाइनल खेलेगा। टीम पहली बार डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंची है। डब्ल्यूटीसी 2023-25 के चक्र में लगातार सात मैच जीतकर दक्षिण अफ्रीका ने 69.44 अंक प्रतिशत के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया था। फाइनल की तैयारी के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम अरुंडेल में जिम्बाब्वे के साथ अभ्यास मैच खेल रही है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने बाउचर के हवाले से कहा कि बहुत से लोगों ने हमारी आलोचना की है, जो उचित नहीं है। हमने जिस भी टीम के खिलाफ खेला, सम्मान के साथ खेला और उन्हें हराया। फाइनल में भी हमें जीत की उम्मीद है। बाउचर ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के फाइनल में पहुंचने से ऐसा नहीं है कि देश में दर्शकों की भीड़ उमड़ पड़ी है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि फाइनल के दौरान बहुत से लोग लंदन की यात्रा करेंगे। अपने रैंड खर्च करेंगे और एक अच्छा मैच देखने जाएंगे। मुझे लगता है यह मैच हमारे देश में टेस्ट क्रिकेट में बदलाव लाएगा। मार्क बाउचर का मानना है कि जब तक हम कोई बड़ा आईसीसी इवेंट नहीं जीत लेते, हमारे साथ चोकर्स का टैग जुड़ा रहेगा। बता दें कि दक्षिण अफ्रीका 2024 टी20 विश्व कप फाइनल में हारी थी। वहीं, महिला टीम को भी टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि हमारे युवा चोकर्स का टैग ढो रहे हैं, लेकिन भविष्य उनके हाथ में है और वे उसे बदल सकते हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टेस्ट टीम ने अपनी ट्रेनिंग शुरू की

लंदन, 8 जून (एजेंसियां)। ब्रिटेन पहुंचने के बाद शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टेस्ट टीम ने अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है। पांच मैचों की तैयारी के लिए युवा टीम ने प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा लिया। इस टेस्ट सीरीज के साथ टीम इंडिया के लिए 2025-27 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत भी हो जाएगी।

यह सीरीज भारतीय क्रिकेट के लिए एक नए युग की शुरुआत का भी संकेत है, क्योंकि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। भारत का लक्ष्य 2007 के बाद पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतना है।

बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर भारत के प्रशिक्षण सत्र की एक झलक साझा करते हुए कैप्शन लिखा, इंग्लैंड में टीम इंडिया की लय में आने की पहली झलक। वीडियो में, टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह नए कप्तान शुभमन गिल, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत के साथ प्रशिक्षण अभ्यास में शामिल हुए।

■ पांच मैचों की यह सीरीज 20 जून को लीड्स में शुरू होगी

■ भारत का लक्ष्य 2007 के बाद पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतना

ये एक कड़ा और तेज ट्रेनिंग सेशन था, जो लॉर्ड्स इंडोर क्रिकेट सेंटर में मुख्य कोच गौतम गंभीर और उनकी कोचिंग टीम की निगरानी में हुआ। पांच मैचों की यह सीरीज 20 जून को लीड्स में शुरू होगी, जिसके बाद बर्मिंघम में दूसरा टेस्ट खेला जाएगा। लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड 10 जुलाई से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा। ओल्ड ट्रैफर्ड और केनिंग्टन ओवल क्रमश: सीरीज के चौथे और पांचवें टेस्ट की मेजबानी करेंगे। रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास लेने के बाद गिल को भारत का 37वां टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने टेस्ट में भारत के लिए ओपनिंग की और नंबर तीन बल्लेबाज के तौर पर भी खेला है। 32 टेस्ट में गिल ने 35.1 की औसत से 1893 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम पांच शतक और सात अर्द्धशतक शामिल हैं।

भारत की टीम : शुबमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा. ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को इंग्लैंड में टेस्ट खेलने का ज्यादा अनुभव : फिंच

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। पूर्व क्रिकेटर आरोन फिंच का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी को दक्षिण अफ्रीका पर थोड़ी बढ़त हासिल है, क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को इंग्लैंड में टेस्ट खेलने का ज्यादा अनुभव है। ये दोनों टीमें 11 से 15 जून के बीच लॉर्ड्स मैदान में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में आमने-सामने होंगी। फिंच ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा कि दोनों टीमों की गेंदबाजी बहुत ही मजबूत है। ऑस्ट्रेलिया के पास मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और स्कॉट बोलैंड जैसे गेंदबाज हैं। इनके साथ नाथन लायन भी हैं जो स्पिन गेंदबाज हैं। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के पास कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को जानसेन और केशव महाराज जैसे अच्छे गेंदबाज हैं। फिंच ने बताया कि दोनों टीमों की गेंदबाजी बराबरी की है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया को थोड़ा फायदा इस वजह से है क्योंकि उनके गेंदबाज इंग्लैंड में ज्यादा टेस्ट मैच खेल चुके हैं और वहां की पिचों को अच्छे से समझते हैं।

■ फिंच ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा कि दोनों टीमों की गेंदबाजी बहुत ही मजबूत : आरोन फिंच

ऑस्ट्रेलिया ने साल 2023 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब भारत को हराकर जीता था। तब पैट कमिंस टीम के कप्तान थे। उनके नेतृत्व में टीम का प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा है। खासकर जब ऑस्ट्रेलिया ने 10 साल बाद भारत को घरेलू मैदान पर 3-1 से हराकर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीती थी। साल 2023-25 के वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में ऑस्ट्रेलिया ने अब तक छह में से चार सीरीज जीत ली हैं। आरोन फिंच 2021 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाले कप्तान थे। उन्होंने पैट कमिंस की कप्तानी की तारीफ करते हुए कहा कि कमिंस की कप्तानी बेहतरीन है। वह हर दिन बेहतर हो रहे हैं। सिर्फ मैदान पर ही नहीं, बल्कि मैदान के बाहर भी वे टीम को अच्छे से संभालते हैं। अंतरराष्ट्रीय टीम के कप्तान के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह टीम को एकजुट रखे। उनकी और कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड की जोड़ी ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के लिए शानदार साबित हो रही है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम करीबी मुकाबले में नीदरलैंड से 2-1 से हारी

■ भारत फिलहाल 15 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है

एम्स्टेलवीन, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 में नीदरलैंड के खिलाफ करीबी मुकाबले में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा है। एम्स्टेलवीन में वेगनर हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में पहले हाफ के शुरुआती चरणों में भारतीय टीम ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए कप्तान हरमनप्रीत सिंह के पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि, मेजबान टीम ने जोरदार वापसी की और अंतत: थिज वैन डैम के दो गोल दागे। इसमे 58वें मिनट में किया गया विजयी गोल भी शामिल था। प्रतियोगिता में अभी सात मैच बाकी हैं और भारत फिलहाल 15 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है।

मैच के बाद भारतीय टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि हमने पहले हाफ में अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन तीसरा क्वार्टर उतना अच्छा नहीं रहा। चौथे क्वार्टर में हमने फिर से अच्छा प्रदर्शन किया और गेंद को अपने पास रखने में सफल रहे लेकिन हम गोल नहीं कर पाऐ, इस तरह हारना दुर्भाग्यपूर्ण है। टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि प्रदर्शन में सुधार के साथ हम जवाब देने के लिए तैयार हैं। हमारी टीम के विपक्षी को हराने की क्षमता रखती है और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हम आगे आने वाले महत्वपूर्ण मैचों में मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ दें। उल्लेखनीय है कि नौ जून भारतीय टीम एक बार नीदरलैंड से भिड़ेगी।

सार संक्षेप

भारतीय पुरुष मिश्रित दिव्यांग ने प्रशिक्षण शिविर शुरू किया

जयपुर। भारतीय पुरुष मिश्रित दिव्यांग क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 21 जून से शुरू होने वाली सात मैचों की टी20 सीरीज से पहले रविवार को जयपुर में अपना तैयारी प्रशिक्षण शिविर शुरू किया। मिक्स्ड डिसेबिलिटी वाइटेलिटी टी20 सीरीज 21 जून 2025 को टॉन्टन में शुरू होगी। सीरीज का समापन 3 जुलाई को ब्रिस्टल में सातवें टी20 के साथ होगा। जयपुर में प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ी नेट पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी का कड़ा अभ्यास करेंगे। वह अपनी तकनीक और मैच जागरूकता को निखारेंगे। मुख्य कोच रोहित झालानी सहित कोच खिलाड़ियों को चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद करने के लिए मार्गदर्शन करेंगे। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) द्वारा आयोजित यह शिविर 8 से 13 जून तक जयपुरिया क्रिकेट अकादमी में आयोजित किया जा रहा है। सभी चयनित खिलाड़ी जयपुर पहुंच चुके हैं।

एनईसीओ मास्टर ब्लास्टर ने नागपुर टाइटन्स को नौ विकेट से हराया

नागपुर। एनईसीओ मास्टर ब्लास्टर्स ने अपने सलामी बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत नागपुर टाइटन्स को नौ विकेट से हरा दिया। जीत के लिए जरूरी 133 में से 127 रन सलामी बल्लेबाजों ने ही बनाए। आर्यम मेशराम की अर्धशतकीय पारी आकर्षण का केंद्र रही। एनईसीओ मास्टर ब्लास्टर्स के सलामी बल्लेबाज आर्यम मेशराम ने 53 गेंदों में 85 रन बनाए जबकि दूसरे ओपनर वेदांत दिघाड़े ने 39 गेंदों में 41 रन की पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 127 रन जोड़े और नागपुर टाइटन्स के खिलाफ नौ विकेट से जीत दर्ज की। मैच नागपुर के जामथा में वीसीए स्टेडियम में खेला गया था। शून्य के स्कोर पर पहला विकेट खोने के बाद नागपुर टाइटन्स ने अपनी पारी को मजबूत करने की कोशिश की लेकिन वे लगातार विकेट खोते रहे।

भारतीय स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह ने जीते दो प्लेयर ऑफ द सीजन पुरस्कार

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। भारत की नंबर वन महिला स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह को पीएसए अवॉर्ड्स 2024-25 में दोहरे पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्होंने चैलेंजर वूमेंस प्लेयर ऑफ द सीजन अवार्ड के साथ मिस्र की अमीना ओरफी के साथ यंग वूमेंस प्लेयर ऑफ द सीजन का पुरस्कार भी साझा किया। 17 वर्षीय अनाहत सिंह की चैलेंजर सर्किट में निरंतरता और बेहतरीन प्रदर्शन ने उन्हें 2024-25 स्क्वैश सीजन का बेहतरीन खिलाड़ी बना दिया। अगस्त में उन्होंने सीजन की शुरुआत अपने राष्ट्रीय खिताब को सफलतापूर्वक बचाव करते हुए और एचसीएल स्क्वैश टूर कोलकाता में जीत के साथ की थी। इस प्रदर्शन की बदौलत उन्हें पीएसए चैलेंजर प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीतने में मदद मिली। उन्होंने 11 प्रतियोगिताओं में कुल नौ खिताब जीते, जिनमें 3के, 9के, 12के और 15के स्पर्धा में आठ चैलेंजर-स्तर की जीत शामिल रही। अनाहत ने टूर पर 29 मैचों में अपराजित रहते हुए शानदार प्रदर्शन किया। इस वर्ष मार्च में मुंबई में आयोजित 15के-लेवेल स्पर्धा ईंडियन ओपन में उन्होंने खिताब के सफर में अनुभवी जोशना चिनप्पा को हराया। इसके अलावा इस सीजन में उन्होंने जूनियर स्तर पर भी अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। इस दौरान उन्होंने जनवरी में ब्रिटिश जूनियर ओपन में अंडर-17 का खिताब जीता और भारत को हांगकांग चीन में एशियाई जूनियर टीम चैंपियनशिप में कांस्य पदक दिलाने में मदद की। शानदार फॉर्म की बदौलत उन्हें पीएसए रैंकिंग में शीर्ष 70 में पहुंचने में मदद की और उन्हें भारत की नंबर वन रैंक वाली महिला खिलाड़ी बना दिया। वह वर्तमान में दुनिया की 56वें नंबर की खिलाड़ी हैं।

इंग्लैंड की महिला टीम ने श्रृंखला 3-0 से अपने नाम की

टॉन्टन, 8 जून (एजेंसियां)। सेरा ग्लेन (तीन विकेट), एमिली आरलट (दो विकेट) के बाद कप्तान नेट सायबर ब्रंट (नाबाद 57) रनों की पारी की बदौलत इंग्लैंड ने वर्षा बाधित एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को डकवर्थ लुईस नियम (डीएलएस पद्धति) से 61 रनों से हरा दिया। इसी के साथ इंग्लैंड ने तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली है। इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज महिला टीम ने 21 ओवर में आठ विकेट पर 106 रन का स्कोर बनाया। किआना जोसेफ ने वेस्टइंडीज के लिए सर्वाधिक 34 रन बनाए। आलियाह एलेन ने (27), कप्तान शमेन कैंपबेल ने (18) रनों का योगदान दिया। जाहजरा क्लैक्सटन (11) रन बनाकर नाबाद रही। इंग्लैंड की ओर से सेरा ग्लेन ने तीन, एमिली आरलट ने दो विकेट लिये।

■ बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज महिला टीम ने 21 ओवर में आठ विकेट पर 106 रन का स्कोर बनाया।

केट क्रॉस, लॉरेन फाइलर और शार्लेट डीन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। बारिश के कारण मुकाबले को 21-21 ओवरों का कर दिया गया था। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने मात्र 10.5 ओवरों में एक विकेट पर 109 रन बनाकर मुकाबला (डीएलएस पद्धति) से 61 रनों से जीत लिया।

इंग्लैंड के लिए सोफिया डंकली ने 21 गेंदों में (26) रनों की पारी खेली। कप्तान नेट सायबर ब्रंट 33 गेंदों में (नाबाद 57) और ऐलिस कैप्सी 11 गेंदों में (नाबाद 20) रनों की पारी खेली। वेस्टइंडीज की ओर से एकमात्र विकेट करिश्मा रामहैरक को मिला। 21 रन देकर तीन विकेट लेने वाली सेरा ग्लेन को 'प्लेयर ऑफ द मैच' तथा सीरीज में 251 रन बनाने वाली एमी जोंस को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया है।

पीवीएल के चौथे सत्र की नीलामी में तीन खिलाड़ी बिके सबसे महंगे

कालीकट, 8 जून (एजेंसियां) प्राइम वॉलीबॉल लीग (पीवीएल) के चौथे सत्र के लिए रविवार को हुई नीलामी में तीन खिलाड़ी सबसे महंगे बिके। चेन्नई ब्लिट्ज ने प्लैटिनम कैटेगरी से जेरोम विनीत सी, कालीकट हीरोज ने स्थानीय खिलाड़ी शमीमुद्दीन और कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने विनीत कुमार को 22.5 लाख रुपए में खरीदा। आज यहां आयोजित नीलामी में देशभर की टीमों ने बड़े-बड़े खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल करने के लिए बोली लगाई। इस दौरान चेन्नई ब्लिट्ज ने प्लैटिनम कैटेगरी से जेरोम विनीत सी को खरीदने के लिए चेन्नई ब्लिट्ज, बेंगलुरु टॉरपीडोज और कोलकाता थंडर बोल्ट्स के बीच कड़ी टक्कर हुई। आखिर में चेन्नई ने 22.5 लाख रूपए की बोली लगाकर उन्हें अपने पाले में किया। विनीत इससे पहले कालीकट हीरोज का हिस्सा थे। चेन्नई ब्लिट्ज ने प्लैटिनम कैटेगरी से एम. अश्विन राज और समीर चौधरी (राइट टू मैच के तहत) को आठ लाख रूपये में खरीदा। मेजबान टीम कालीकट हीरोज ने स्थानीय खिलाड़ी शमीमुद्दीन को 22.5 लाख रूपये, अनुभवी सेटर मोहन उक्क्रापांडियन (राइट टू मैच) और संतोश एस को भी आठ-आठ लाख रूपये में टीम में शामिल किया। कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने भी नीलामी में दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने विनीत कुमार को 22.5 लाख रूपये में खरीदा और उनके साथ अमल के थॉमस को 6.5 लाख रूपये में, इसके अलावा गोल्ड कैटेगरी से जसजोध सिंह को 14.75 लाख रूपये में खरीदकर सबको चौंका दिया। दिल्ली तूफांस की टीम ने प्लैटिनम कैटेगरी से आयुष को नौ लाख रूपये, गोल्ड कैटेगरी में दिल्ली ने जॉर्ज एंटनी को पांच लाख और मन्नत चौधरी को 6.5 लाख रूपये में अपने साथ जोड़ा। बेंगलुरु टॉरपीडोज ने नीलामी में थोड़ी देरी से हिस्सा लिया लेकिन आते ही उन्होंने गोल्ड कैटेगरी से जिश्नु पीवी को 14 लाख रूपये में खरीद लिया। उनके बाद जोएल बेंजामिन जे को 6.5 लाख रूपये में, और इबिन जोस व रोहित कुमार को पांच-पांच लाख रूपये में टीम में शामिल किया गया। अहमदाबाद डिफेंडर्स ने शॉन टी जॉन को 11.5 लाख रूपये में राइट टू मैच के तहत टीम में बनाए रखा। उनके साथ अंगमुथु को 11 लाख रूपये और अखिन जी. एस. को 10.5 लाख में खरीदा। हैदराबाद ब्लैक हॉक्स ने प्लैटिनम कैटेगरी से शिखर सिंह को 16 लाख रूपये में खरीदा। इसके अलावा अमन कुमार को 11.5 लाख रूपये और दीपु वेणुगोपाल को 5.75 लाख रूपये में टीम में शामिल किया। मुंबई मीटियर्स ने प्लैटिनम कैटेगरी से कार्तिक ए और लाड ओम वसंत को आठ-आठ लाख रूपये में खरीदा। गोल्ड कैटेगरी में उन्होंने विपुल कुमार (राइट टू मैच) को 6.25 लाख रूपये और सोनू व निखिल को पांच-पांच लाख रूपये में अपने साथ जोड़ा। लीग में पहली बार भाग ले रही गोवा गार्डियंस ने प्लैटिनम कैटेगरी से प्रिंस और रमणाथन को आठ-आठ लाख रूपये में खरीदा।

■ कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने भी नीलामी में दमदार प्रदर्शन किया

■ बेंगलुरु टॉरपीडोज ने जिश्नु पीवी को 14 लाख में खरीद लिया

अमेरिका की कोको गॉफ बनीं महिला फ्रेंच ओपन चैम्पियन

पेरिस, 8 जून (एजेंसियां)। अमेरिका की कोको गॉफ ने पेरिस में तीन सेटों के रोमांचक फाइनल में विश्व की नंबर 1 आर्यना सबालेंका को हराकर अपना पहला फ्रेंच ओपन महिला एकल खिताब जीता। इक्कीस वर्षीय खिलाड़ी ने कोर्ट फिलिप-चैटियर पर दो घंटे 38 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 78 मिनट के नाटकीय पहले सेट को टाईब्रेक पर गंवाने के बाद पूरी ताकत से वापसी की और 6-7(5), 6-2, 6-4 से जीतकर पहला रोलां-गैरो खिताब अपने नाम किया। इससे पहले 2023 में वह अमेरिकन ओपन जीत चुकी हैं। पहले सेट में पिछड़ने के बावजूद कोको गॉफ ने दमदार वापसी करते हुए फ्रेंच ओपन ग्रैंड स्लैम का खिताब जीता। यह उनका पहला फ्रेंच ओपन खिताब है। यह दूसरा मौका है जब विश्व की दूसरी वरीयता प्राप्त कोको ने सबालेंका को ग्रैंड स्लैम के फाइनल में हराया है। साल 2023 यूएस ओपन फाइनल में भी कोको ने सबालेंका को हराया था इस जीत के साथ 21 वर्षीय कोको गॉफ ने रोलां गैरो में इगा स्वियातेक से 2022 के फाइनल में मिली हार की भरपाई भी कर ली। सबालेंका लगातार दूसरी बार ग्रैंड स्लैम फाइनल हारी हैं।

■ साल 2023 यूएस ओपन फाइनल में भी कोको ने सबालेंका को हराया था

सार समाचार

मोरूखेड़ी के आदेश विश्वकर्मा ने भारतीय सेना में चयनित होकर किया नाम रोशन

आष्टा, देशबन्धु। ग्राम मोरूखेड़ी निवासी आदेश विश्वकर्मा ने भारतीय सेना में चयनित होकर कठिन सैन्य प्रशिक्षण सफलता पूर्वक पूर्ण किया और अपने गृह ग्राम लौटे। उनके आगमन पर ग्रामवासियों एवं इष्टमित्रों द्वारा आष्टा से मोरूखेड़ी तक ढोल-नगाड़ों और डीजे के साथ भारत माता की जय के गगनभेदी जयकारे लगाते हुए भव्य स्वागत जुलूस निकाला गया। इस गौरवमयी उपलब्धि पर विश्वकर्मा युवा संगठन समिति आष्टा द्वारा संपूर्ण विश्वकर्मा समाज की ओर से ग्राम मोरुखेड़ी पहुंचकर आदेश विश्वकर्मा एवं उनके पिता का पुष्पमाला व पारंपरिक साफा पहनाकर सम्मान किया गया और उन्हें ढेरों बधाइयां व शुभकामनाएं दी गईं। आदेश विश्वकर्मा की इस उपलब्धि से समाज गौरवान्वित हुआ है और यह आने वाली युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

निराकार प्रॉपर्टी ने मनाया विशाल का मनाया जन्मदिन

आष्टा, देशबन्धु। हिन्दू मुस्लिम एकता कि मिसाल कायम रखते हुए गंगा जमना की तहजीब को बरकरार रखते हुए हर त्योहार हमेशा भाईचारा के साथ कायम रखते हुए निराकार प्रॉपर्टी द्वारा बायपास पर नगर भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं पार्षद प्रतिनिधि विशाल चौरसिया का जन्मदिन बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। श्री चौरसिया के जन्मदिन पर केक काटकर बधाई दी स्वागत करने वालों ने मुख्य रूप से हम्मूशाह ,जमशेदशाह ,आफताब शाह, जावेद शाह ,कपिल सुनहरे ,सन्नी राबर्ट ,जुनेद शाह ,जय सिंह ,देवकरण मेवाड़ा, विष्णु मेवाड़ा ,शावेज़ शाह, जुबेर खान, परवेज शाह, केदार मेवाड़ा , रायसिंह ,मुनाफ खान , सहित बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थित होकर विशाल चौरसिया का स्वागत कर केक काटा गया और जन्म दिन की बधाई दी। इस अवसर पर विशाल चौरसिया ने सबका आभार मानते हुए कहा कि मेरा जन्मदिन मनाकर जो मुझ पर उपकार किया है वह बेकार नहीं जाने दुगां आप सबके सुख दुख का साथी रहूंगा। इस नगर के विकास की हमारी जवाबदारी है।

जल गंगा संवर्धन अभियान: जनभागीदारी से कर रहे पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित

सफाई कर मनाया बावड़ी उत्सव, जल संरक्षण की ली शपथ

गंजबासौदा, देशबन्धु। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत, जनभागीदारी से जल स्रोतों को सहेजने के प्रयासों को उत्सव का रूप देते हुए, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ने 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा के अवसर पर प्रदेश भर की चयनित सौ से अधिक बावड़ियों पर बावड़ी उत्सव का आयोजन किया। इसी क्रम में विकासखंड के सेक्टर अंबानगर अंतर्गत बेदनखेड़ी स्थित नरसिंह बावड़ी में भी बावड़ी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। यह उत्सव मप्र के जनभागीदारी से जल स्रोतों को सहेजने के अभियान जल गंगा संवर्धन अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रदेश जन अभियान परिषद समुदाय के साथ मिलकर भागीरथी प्रयासों का साक्षी बन रहा है। परिषद ने इस वर्ष अपनी बहुआयामी गतिविधियों के केंद्र में बावडियों के प्रति संवेदना और संरक्षण को रखा है। परिषद ने प्रदेश की 100 से अधिक विलुप्त होती बावड़ियों को सफाई से जीवंत किया है।

बेदनखेड़ी स्थित नरसिंह बावड़ी पर आयोजित उत्सव में श्रमदान कर बावड़ी की सफाई की गई। आयोजन स्थल को सजाया गया और रंगरोगन किया गया। बावड़ी के आसपास रोशनी और दीपमाला कर उसे आकर्षक रूप से सजाया गया था। बावड़ी

और भगवान नरसिंह मंदिर पर अतिथियों और उपस्थित जनसमूह द्वारा परंपरागत पूजन किया गया। पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में और आयोजन की स्मृति स्वरूप 5 पौधों का रोपण भी किया गया।

मंचीय कार्यक्रम के माध्यम से अतिथियों ने जल संरक्षण की दिशा में अपने उद्बोधन दिए, और समापन पर अतिथियों को पौधे भेंट कर जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर समाजसेवी राजेश तिवारी, नगरपालिका उपाध्यक्ष संदीप ठाकुर, गायत्री परिवार के सदस्य, समाजसेवी महेंद्र सिंह रघुवंशी ,जिला समन्वयक श्रीमती पूजा श्रीवास्तव, विकासखंड समन्वयक श्रीमती ममता राठौर, सीमा व्यास, भीकम सिंह दांगी, तथा नवांकुर संस्थाओं के प्रमुख, मेंटर, छात्र और ग्रामीणजन अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बावड़ी उत्सव ने जनभागीदारी के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

मनमर्जी की क्रमोन्नति और खरीदी का मामला

जांच टीम की रिपोर्ट के बाद प्रभारी बीईओ से मांगा जवाब

सिलवानी, देशबन्धु। तत्कालीन प्रभारी बीईओ नरेश रघुवंशी द्वारा अपनी सेवाकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने पर प्रथम क्रमोन्नति का लाभ अनुचित तरीके से लेने एवं ब्लॉक शिक्षा कार्यालय में खरीदी में वित्तीय कार्यों के लिये अधिकृत न होने के बाबजूद नियम विरूद्ध तरीके से वित्तीय कार्य अपने हस्ताक्षर से किये जाने की शिकायत को जांच टीम ने सही पाया है। वित्तीय अनियमित्ता पर राशि की वसूली भी की जाएगी। इस मामले के सामने आने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जांच टीम गठित कर जांच कराई गई थी। इस जांच के बाद अब प्रभारी बीईओ नरेश रघुवंशी को नोटिस जारी कर 9 जून तक जवाब मांगा गया है। कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी रायसेन द्वारा 5.6.2025 को नरेश रघुवंशी, तत्कालीन प्रभारी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सिलवानी उच्च माध्यमिक शिक्षक शास.सी.एम. राईज उ.मा.वि.सिलवानी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था। जिसमें उल्लेख किया है कि सुनील कुमार रजक प्राचार्य शा. कन्या उ.मा.वि. गैरतगंज के द्वारा दिनांक 06.04.2021 से 25.05.2024 तक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सिलवानी में आहरण एवं संवितरण अधिकारी के दायित्वों का निर्वहन किया गया है। उक्त अवधि में आपके द्वारा लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. भोपाल द्वारा मार्च-अप्रैल 2023-24 में जारी प्राप्त बंटन से सामग्री फर्म रिद्धि सिद्धि इंटरप्राइजेज नीलबड भोपाल से क्रय की गई। फर्म द्वारा प्रस्तुत देयकों पर पास फार पेमेन्ट कर कुल राशि रू.266625 का भुगतान किया गया है। स्टॉक पंजी प्रमाणीकरण, कार्यालयीन स्वीकृति आदेश पर आपके हस्ताक्षर होना पाया गया है। फर्म द्वारा कम्प्यूटर, प्रिंटर, वाटर प्यूरी फायर आदि सप्लाई की सामग्री में माडल, मेक, साईल आदि का उल्लेख नही है। नियमानुसार कोटेशन प्राप्त न करते हुये भण्डार क्रय नियमों का पालन न करते हुये उक्त फर्म से सामग्री क्रय की गई है। नियम विरूद्ध अनुचित तरीके से प्रथम क्रमोन्नति का लाभ प्राप्त किया जाना, वित्तीय कार्यो के लिये अधिकृत न होने के बाबजूद नियम विरूद्ध तरीके से वित्तीय कार्य अपने हस्ताक्षर से किये जाने की पुष्टि जांच प्रतिवेदन से होती है। जो कि अपने पदीय दायित्वों के प्रति गंभीर लापरवाही, वित्तीय अनियमित्ताऐं किये जाने का परिचायक है। इस संबंध में प्रभारी बीईओ को नोटिस जारी कर कहा गया है क 9/06/2025 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करे।

पुरानी रंजिश में की गई थी गंभीर मारपीट, इलाज के दौरान हुई थी मृत्यु

हत्या के 2 आरोपियों को पथरिया पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिरोंज, देशबन्धु। थाना पथरिया पुलिस ने हत्या के एक गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। फरियादी सुनील अहिरवार द्वारा 26/05/2025 को सूचना दी गई थी कि उसके भाई हरिसिंह को ग्राम थनरपुर में पुरानी रंजिश के चलते अशोक अहिरवार एवं हलकई अहिरवार ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सिर, पेट एवं हाथों में गंभीर चोट आने पर घायल को पहले सिरोंज अस्पताल तथा बाद में हमीदिया अस्पताल भोपाल रेफर किया गया।

प्रारंभ में थाना पथरिया में धारा 115(2), 351(2), 296, 3/5 बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था। इलाज के दौरान दिनांक 02.06.25 को हरिसिंह की मृत्यु हो जाने पर प्रकरण में धारा 103(1) बीएनएस का इजाफा कर अशोक अहिरवार पिता उद्यम अहिरवार, उम्र 30 वर्ष व हलकई उर्फ मोहन पिता उद्यम अहिरवार, उम्र 26 वर्ष को गिरफ्तार किया।

मामले में थाना पथरिया प्रभारी उनि ऋतुराज सिंह, उनि गौरव रघुवंशी (सायबर सेल), सउनि विजय सिंह, सउनि मो. शाहिद खान, प्र.आर. जितेन्द्र शर्मा, आर. अंकुश, आर. शुभेन्द्र, आर. सोनू, आर. रवि की तत्पर एवं सराहनीय भूमिका रही।

महाविद्यालयीन छात्राओं ने उत्तीर्ण की एनसीसी की प्रमाण पत्र परीक्षा

सीहोर, देशबन्धु। श्री सत्य सांई तकनीकी एवं चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय सीहोर की 15 छात्राओं ने पास की सी प्रमाण पत्र परीक्षा उत्तीर्ण कर ली।

4 एमपी गर्ल बटालियन भोपाल के तत्वाधान में विश्वविद्यालय जिला सीहोर के कुलगुरु डॉ. मुकेश तिवारी के मार्गदर्शन और एनसीसी शाखा प्रमुख कैप्टन धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में एनसीसी बालिका इकाई के छात्राओं को कमान अधिकारी 4 एमपी बटालियन द्वारा हवलदार प्रेम सिंह एवं केयरटेकर आकांक्षा मिश्रा कि उपस्थिति में सी प्रमाण पत्र उत्तीर्ण एनसीसी कैडेट को सी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

यह प्रमाण पत्र इन बालिकाओं के विगत 3 वर्षों के कठिन परिश्रम का परिणाम है जिसमें कैडेट माया अहिरवार, कैडेट ममता, कैडेट टीना, कैडेट रानी जवारिया, कैडेट आफरीन सहित अन्य 15 बालिकाओं ने यह प्रमाण पत्र प्राप्त किए साथ ही बालिकाओं की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक एवं सभी विभाग अध्यक्ष सहित संपूर्ण विश्वविद्यालय परिवार ने शुभकामनाएं प्रेषित की एवं उनके उज्जवल भविष्य की ईश्वर से कामना की।

देशभक्ति से बड़ा कोई जज्बा नहीं : परमार

आष्टा, देशबन्धु। देशभक्ति का जज्बा लिए युवाओं को सेना में शामिल होना हमेशा ही आकर्षित करता है। यह स्थापित तथ्य है कि देशप्रेम की भावना ही सर्वाधिक उद्दात भावना है। जिसके आगे धर्म जाति और नस्लीय पूर्वाग्रह गौण हो जाते हैं।

हमे प्रशन्नता है कि हमारे क्षेत्र के ग्राम भुफोड़ निवासी युवा चंडीगढ़ में थलसेना के लिए 31 सप्ताह का बेसिक और उन्नत प्रशिक्षण ले कर लौटे हैं हम उनके जज्बे को सलाम करते हैं । शीघ्र ही सोनू परमार मातृभूमि की सेवा के लिए एक अग्निवीर के रूप में सैन्य शक्ति का प्रतीक बनेंगे। वो अपने गौरव और प्रशिक्षण का अनुभव साझा करने पधारे हम उनके देशप्रेम का अनुमोदन करते हैं।

यह उद्गार पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने प्रशिक्षित सैनिक सोनू परमार का स्वागत और सम्मान करते हुए व्यक्त किये। अपने सम्मान से अभिभूत सोनू परमार ने बताया कि बचपन से ही उन्होंने सेना में शामिल होने का संकल्प लिया था। भले ही सैन्य भर्ती के नियमो और सेवा योजनाओं में परिवर्तन हो गया हो लेकिन जब संकल्प देश सेवा का है तो अन्य बातों पर गौर करना भी नही था। बकौल सोनू परमार ग्राम्य जीवन की दिनचर्या सैनिकों की दिनचर्या से मेल खाती है।

इसलिए प्रशिक्षण अवधि को हमने आनन्द और उत्साह से पूरा करने में कोई दिक्कत भी नही आई। हमे दस सप्ताह के बेसिक और 21 सप्ताह के एडवांस प्रशिक्षण के दौरान आत्मानुशासन शारीरिक और मानसिक प्रशिक्षण के साथ ही हथियार प्रशिक्षण और सैन्य कौशल की निर्धारित प्रक्रियाओं से गुजरना होता है जिसे सफलता पूर्वक पूरा किया।

सोनू परमार का पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार के साथ ही पार्षद प्रतिनिधि सुभाष नामदेव, मां पार्वती धाम गौशाला के अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाह , आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन के अध्यक्ष धीरज जैन लड्डु एडवोकेट सुरेंद्रसिंह सुनील प्रगति , संजय जैन किला आदि ने भी सम्मान और अनुमोदन किया ।

जिला कार्यालय अशोक भवन में संपन्न हुई बैठक

हमारा सौभाग्य है कि हमें ईश्वरीय कार्य करने का अवसर मिला है : मलखान

गंजबासौदा, देशबन्धु। विश्व हिन्दू परिषद की जिला बैठक रविवार को दोपहर 12 बजे से बालाजी नगर स्थित जिला कार्यालय अशोक भवन में संपन्न हुई बैठक का शुभारंभ श्री राम दरबार के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर संगठन की आचार पद्धति से किया गया।

इस अवसर पर बैठक को संबोधित करते हुए प्रांत सह मंत्री मलखान सिंह ठाकुर ने कहा कि संगठन का कार्य ईश्वरीय कार्य है, हमारा सौभाग्य है कि हमें ईश्वरीय कार्य करने का अवसर मिला है चाहे राम मंदिर निधि समर्पण अभियान हो, चाहे अक्षत वितरण अभियान हो या फिर गौमाता कि रक्षा, कन्या रक्षा इत्यादि अनेक कार्य करने का निमित्त हम बने हैं यह बिना ईश्वर की कृपा के संभव नहीं है इसीलिए हमें पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ यह कार्य करना चाहिए। विभाग मंत्री दौलत लौंगवानी ने ने आगामी त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम, कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग, बाबा बूढ़ा अमरनाथ यात्रा आदि पर विस्तृत चर्चा कर इनकी रूपरेखा बताई।

विभाग सह मंत्री चंद्रभान सिंह बघेल ने संगठन के विविध आयाम और उनके कार्यों के बारे में विस्तार से समझाया। जिला मंत्री अभिषेक शर्मा गुरूजी ने पूर्व कार्यक्रमों की समीक्षा कर वृत्त प्रस्तुत किया।

इस दौरान प्रांत सामाजिक समरसता प्रमुख सुनील यादव, प्रांत सह मंदिर अर्चक पुरोहित प्रमुख पंडित मुन्ना लाल शास्त्री, समरसता प्रांत टोली सदस्य डॉ सीएस शर्मा, जिलाध्यक्ष संदीप नेमा, विभाग समरसता प्रमुख राकेश सक्सेना, विभाग विशेष संपर्क प्रमुख नितिन सक्सेना, विभाग सह समरसता प्रमुख केशव हाडा, जिला कोषाध्यक्ष हरिशंकर झा, जिला सह मंत्री डॉ सरित श्रीवास्तव, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख सत्यम दुवे बावली, बजरंग दल जिला संयोजक जगदीश शाक्य, जिला सह संयोजक द्वय मंजीत तिवारी एवं अन्नू यादव, जिला मंदिर अर्चक पुरोहित सह प्रमुख विनोद शर्मा, जिला गौरक्षा प्रमुख टोनी अहिरवार, जिला विद्यार्थी प्रमुख लालचंद कुशवाहा, जिला सुरक्षा प्रमुख राजकुमार विश्वकर्मा, जिला सत्संग प्रमुख सतीश सोनी, बासौदा नगर अध्यक्ष रामकृष्ण राजपूत, नगर मंत्री संजय सिलावट, नगर संयोजक भजन प्रजापति, रामराज झा, गौरव नामदेव सहित सभी 10 प्रखंडों से प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने गौ सेवा कर मनाई ईद

गंजबासौदा, देशबन्धु। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच गौ सेवा प्रकोष्ठ द्वारा ईद के अवसर पर गौ सेवा के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम मे गौ वंश को हरा चारा, चना व गुड खिलाया गया।

इस अवसर पर गौ सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने बताया हर साल ईद के अवसर पर मुस्लिम राष्ट्रीय मंच पूरे देश मे गौ सेवा के विभिन्न कायक्रम आयोजित करता है, इसके अंतर्गत गौ दान, गौ वंश को हरा चारा, गुड और चना तथा गौ दुग्ध शरबत वितरण कार्य किए जाते है। कादरी ने बताया ईद-उल-अज़हा जिसे आम बोलचाल में बकरीद के नाम से जाना जाता है। भारतीय समाज में यह केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं रह गई है, बल्कि यह आज के समय में आर्थिक सशक्तिकरण, सामाजिक न्याय और साझेदारी के नए प्रतिमान स्थापित करने वाला पर्व बन चुका है।

एडवोकेट असद नवेद हाशमी, बाबू भाई ठेकेदार व साजिद कुरैशी पत्रकार शबबू गौरी ने बताया पिछले कुछ वर्षो से कुछ कट्टरपंथी या तथाकथित राष्ट्र द्रोही तत्व इस त्योहार का इस्तेमाल भारत की एकता और अखंडता की ताकत को कम करने मे करने लगे है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक व मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के अखिल भारतीय मार्गदर्शक डा इंद्रेश कुमार ने अपने संदेश मे कहा ईद समाज में एकता, प्रेम और भाईचारे का संदेश फैलाता है। आइए हम सब मिलकर अपने जीवन में निस्वार्थता और समर्पण के मूल्यों को अपनाकर एक बेहतर समाज का निर्माण करे।

एक सप्ताह से नपा और पुलिस के सहयोग से नगर में चल रही मुहिम

प्रशासन ने सख्ती से हटाया अतिक्रमण, जाम से मिलेगी राहत

आष्टा, देशबन्धु। पिछले एक सप्ताह से प्रशासन द्वारा एसडीएम स्वाति उपाध्याय मिश्रा के निर्देश पर नगरपालिका पुलिस के सहयोग से शहर भर का अतिक्रमण हटाने में कामीयाब रही। नगर के इतिहास में पहली बार प्रशासन ने दमदारी के साथ वह अतिक्रमण भी हटा दिया जो वर्षो से अंगद के पैर की तरह जमा हुआ था।

अलीपुर से जो मुहिम चली तो पुराना बस स्टैण्ड, अस्पताल चौराहा, नया बस स्टैण्ड, भोपाल नाका, कन्नौद रोड, गल चौराहा, सिकन्दर बाजार, बड़ा बाजार, पुरानी सब्जी मंडी, अस्पताल के पीछे खत्री मार्केट ,बुधवारा रोड, आदि स्थानों का चद्दर शेड, नाली पर किया हुआ कब्जे को हटाते हुए गुमठियां ओटले सहित छोटे बड़े अतिक्रमण हटाए गए। जिससे नगर अब पूरी तरह खुला खुला दिख रहा है। साथ में अब किसी भी मार्ग पर जाम नहीं लगेगा। सम्भवता अब दुर्घटना भी नहीं होगी नगर को चारों ओर अतिक्रमण मुक्त होने से नगर की सुंदरता में चार चाँद लगेंगे। अब प्रशासन को प्रतिदिन ध्यान देना होगा कि हटाया गया अतिक्रमण दोबारा न हो इसकी भी व्यवस्था होना चाहिए। नगर में पहली बार प्रशासन द्वारा जो अतिक्रमण हटाया गया है। वह निश्चित ही तारीफ के काबिल है। लेकिन कहीं न कहीं कुछ जगह भेदभाव पूर्वक अतिक्रमण हटा है। जिसको लेकर हिन्दू उत्सव समिति के अध्यक्ष कालू भट् ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया। जिसमें उन्होंने प्रशासन पर भेदभाव पूर्वक हटाए गए अतिक्रमण की बात कही साथ में जो रह गए उनका भी कहीं न कहीं संदेश दिया है। साथ में श्री भट् ने व्यापारियो का पक्ष लेते हुए उनकी परेशानियों का भी जिक्र किया है।

आने वाला समय बारिश का है और दुकानों के सामने हटाया गया टीन शेड के कारण बारिश का पानी अंदर दुकानों में आ रहा है।

कल सुबह अचानक हुई बारिश के कारण कई दुकानदारों के सामान गीले हो गए। छोटी छोटी दुकानें और टीन शेड नहीं होने के कारण हवा के साथ आदि दुकानो में बारिश का पानी आ रहा है। जिसके कारण कई दुकानदार अपनी दुकानें नहीं खोल रहे हैं। अभी तक आधे से अधिक नगर अतिक्रमण मुक्त हो चुका है। पर अब भी नई सब्जी मंडी दशहरा मैदान स्थित पर सुबह से लेकर 11 बजे तक सड़क पर ही सब्जी, फल फ्रूट का क्रय-विक्रय होने के कारण जाम लगा रहता है। वहीं सड़क पर दुकानदारी लगाने वाले लोग आम आदमी को नहीं निकलने देते हैं। सड़क पर रखी हुई सब्जी वाहन से टकरा जाती है तो यह लोग गाली गलोच मारपीट तक उतारू हो जाते हैं। कई बार विवाद भी हुआ है वाहन निकलते समय यह लोग सड़क पर रखी हुई सब्जी को भी नहीं हटाते जिसके कारण आम लोग परेशान है। उक्त स्थान का अतिक्रमण भी हटना चाहिए। 3 दिन से अतिक्रमण मुहिम नहीं चलने से लोग अब यह सोच रहे हैं कि बन हो चुका है। फिर भी लोगों के अंदर आज भी दहशत है। और अधिकांश लोग ने अपनी इच्छा से अपना अतिक्रमण हटा रहे हैं।

इनका कहना है

– अतिक्रमण हटाओ मुहिम अभी बंद नहीं हुई है। सोमवार से फिर चलेगी शेष बचा अतिक्रमण भी हटाया जाएगा।

राजेश सक्सेना,
सीएमओ

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

केश शिल्पी सदस्य बने सोनपुरे

बैतूल, देशबन्धु। केश शिल्पी बोर्ड के मंडल अध्यक्ष नंदकिशोर वर्मा के बैतूल प्रवास के दौरान जेएच कॉलेज स्थित अटल सभागृह में केश शिल्पियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस दौरान नगरपालिका केश शिल्पी सदस्य के रूप में बंशीलाल सोनपुरे को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। नियुक्ति पत्र एडीएम नंदन श्रीवास्तव, नगरपालिका परिषद के सीएमओ सतीष मटसेनिया, केश शिल्पी जिला सदस्य शिवनंदन श्रीवास, भीम जयसिंगपुरे तथा नगर एवं बैतूल विकासखंड के सभी केश शिल्पी सदस्यों की उपस्थिति में सौंपा गया। इस अवसर पर बैतूल सर्व सेन समाज कल्याण एवं विकास समिति के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। नियुक्ति के बाद सर्व सेन समाज कल्याण एवं विकास समिति की ओर से बंशीलाल सोनपुरे को नगरपालिका केश शिल्पी सदस्य बनने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

नाबालिग युवक ने की आत्महत्या, दोस्त को भेजा अंतिम संदेश

आमला, देशबन्धु। ग्राम भोपलवाड़ी में एक 17 वर्षीय नाबालिग युवक द्वारा आत्महत्या करने की घटना सामने आई है। मृतक की पहचान सूर्यांश पुत्र पुरुषोत्तम पाठक के रूप में हुई है। गुरुवार शाम लगभग 6:29 बजे सूर्यांश ने अपने करीबी मित्र जय को व्हाट्सएप पर एक भावुक संदेश भेजा जिसमें लिखा था - कोई बात होगी तो माफ करना, चलते हैं फिर, मिलता हूँ कभी मिलना हुआ तो...। इसके कुछ समय बाद उसने खेत के कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। सूर्यांश द्वारा भेजे गए इस संदेश की जानकारी मिलते ही उसके दोस्त जय ने तत्काल परिजनों को सूचित किया। परिजनों ने तुरंत उसकी तलाश शुरू की और खोजबीन के दौरान युवक का मोबाइल फोन खेत के कुएं के पास मिला, जिससे अनहोनी की आशंका गहराने लगी। मामले की सूचना आमला थाना पुलिस को दी गई। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सूर्यांश ने घर के पीछे के दरवाजे से निकलकर खेत की ओर रुख किया और कुएं में छलांग लगा दी। शुक्रवार को एसडीआरएफ की मदद से युवक का शव कुएं से बाहर निकाला गया। प्रधान आरक्षक कमल पांसे ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। आत्महत्या के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है।

कैंसर जागरूकता एवं सुपर स्पेशलिटी शिविर का आयोजन

बैतूल, देशबन्धु। जिला चिकित्सालय के एमसीएच सेंटर में कैंसर जागरूकता एवं सुपर स्पेशलिटी शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश परिहार ने बताया कि शिविर का शुभारंभ विधायक हेमंत खंडेलवाल एवं सुधाकर पवार द्वारा किया गया। बैतूल विधायक हेमन्त खंडेलवाल ने कहा कि आज जिंदल अस्पताल भोपाल द्वारा कैंसर सुपर स्पेशलिटी शिविर जिला चिकित्सालय बैतूल में रखा गया है, जिसमें कैंसर एवं संबंधित कई प्रकार की जांचें होगी, कैंसर के प्रति जागरूकता आने से समय पर जांचें करवा कर कैंसर का पता लगने पर शीघ्र उपचार प्रारंभ करा सकते हैं। शिविर में 250 व्यक्तियों का पंजीयन किया गया जिसमें 60 कैंसर के संभावित मरीज, 50 आर्थोपेडिक मरीज, 45 गायनिक मरीज, 50 मेडिसिन के मरीज, 30 पथरी के संभावित मरीज एवं 15 अन्य मरीज देखे गये। जिंदल अस्पताल भोपाल के स्पेशलिस्ट चिकित्सकों के साथ-साथ शिविर में आरएमओ डॉ रानू वर्मा, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ रूपेश पद्माकर द्वारा मरीजों की जांच की गई।

डोवर से फ्रांस तक 36 किलोमीटर समुद्र में तैराकी करेंगे विक्रम अवार्डी रामबरन

शासन से मदद की आस

बैतूल, देशबन्धु। तैराकी कोच एवं विक्रम अवार्डी रामबरन पाल को स्विमिंग एंड पायलटिंग फेडरेशन लंदन की ओर से इंग्लिश चैनल तैराकी के लिए आमंत्रण मिला है। वे सितंबर 2025 में डोवर से फ्रांस तक 36 किलोमीटर समुद्र में तैराकी करेंगे। इसके लिए उन्हें कुल 16 लाख 13 हजार रुपए की आवश्यकता है। यह राशि वे स्वयं नहीं जुटा पा रहे हैं, इसलिए शासन और प्रशासन से आर्थिक सहयोग की उम्मीद लगाए बैठे हैं। रामबरन पाल खुद उत्कृष्ट तैराक हैं और अपने अनुभव और समर्पण से नई पीढ़ी को भी तैराकी की बारीकियां सिखा रहे हैं। वे वर्तमान में नगर पालिका के स्विमिंग पूल में स्विमिंग कोच के रूप में कार्यरत हैं। उनके मार्गदर्शन में अब तक हजारों युवा तैराकी के क्षेत्र में सफलता हासिल कर चुके हैं। कई युवा उनके प्रशिक्षण से प्रेरित होकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुके हैं।

इंग्लिश चैनल पार करना दुनिया की सबसे कठिन तैराकी : रामबरन पाल अब तक राष्ट्रीय स्तर पर 22 और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 2 पदक जीत चुके हैं। उन्हें मध्यप्रदेश सरकार द्वारा राज्य के सर्वोच्च खेल सम्मान विक्रम अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है। इंग्लिश चैनल पार करना दुनिया की सबसे कठिन तैराकी चुनौतियों में गिना जाता है। इसे तैराकी की एवेरेस्ट चढ़ाई माना जाता है। रामबरन के अनुसार यह तैराकी लगातार 14 घंटे चलेगी और इसके लिए वे प्रतिदिन 7 घंटे अभ्यास कर रहे हैं। इस चुनौतीपूर्ण स्विमिंग के लिए उन्हें ब्रिटेन के डोवर शहर में 1 सितंबर से 30 सितंबर तक रहना होगा। इस दौरान वे ठंडे पानी में अभ्यास करेंगे और मौसम के अनुसार जब अवसर मिलेगा, तब वे डोवर से फ्रांस तक समुद्र में उतरेंगे। इस तैराकी को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए उन्होंने चैनल स्विमिंग एंड पायलटिंग फेडरेशन में पंजीकृत पायलट माइकल ओरम को बुक किया है।

तैराकी से दिलाना चाहते हैं भारत को गौरव

इस अभियान में रामबरन पाल के साथ उनके कोच सतेन्द्र सिंह भी मौजूद रहेंगे। इस संबंध में ब्रिटिश उच्चायोग नई दिल्ली को फेडरेशन द्वारा पत्र भी भेजा गया है, जिसमें पुष्टि की गई है कि रामबरन पाल को इंग्लिश चैनल स्विमिंग के लिए सितंबर 2025 में बुक किया गया है। चैनल स्विमिंग एंड पायलटिंग फेडरेशन की वेबसाइट पर इस चुनौती की जानकारी भी उपलब्ध है। रामबरन ने बताया कि वे इस तैराकी से भारत को गौरव दिलाना चाहते हैं और यह दिखाना चाहते हैं कि दिव्यांगता कभी भी सपनों की उड़ान में बाधा नहीं बन सकती।

ऐसे कार्यक्रम समाज को प्रेरणा देते है : खंडेलवाल

सहजीवनारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए नवविवाहिता

भैंसदेही, देशबन्धु। क्षत्रिय लोणारी कुन्बी समाज संगठन भैंसदेही का सहजीवनारंभ संस्कार पाती कार्यक्रम शुभमंगल मैरिज लॉन गुदगांव में आयोजित हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक चंद्रशेखर देशमुख, हेमंत खंडेलवाल, अ.भा. कुन्बी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु राने, जिलाध्यक्ष दिनेश महस्की, समाजसेवी गोवर्धन राने , परसराम राने भाजयुमो जिलाध्यक्ष भास्कर मगरदे, समाजसेवी देवीदास खाडे (समाजसेवी), कुन्बी समाज भैंसदेही अध्यक्ष वासुदेव घोटे, अध्यक्ष महिला कुन्बी समाज भैंसदेही श्रीमती पावस महाले , सचिव केसर लोखंडे, पुनाजी कापसे, सीबी बारस्कर, यादोराव देशमुख, श्रीमती चंदा ठाकरे, सरपंच प्रियंका ठाकरे उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अतिथियों और प्रवक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि कार्यक्रम कई प्रकार के होते है। राजनैतिक, खेलकूद, सामाजिक परंतु यह कार्यक्रम अनूठा है। जो समाज को प्रेरणा देने का काम करता है। नवविवाहितों को प्रेरित करने का बहुत अच्छा कार्यक्रम किया है। आज से 20-25 वर्ष पहले समाज में संयुक्त परिवार रहते थे, लेकिन अब एकल परिवार होते जा रहे है। यह कार्यक्रम नवविवाहिताओं को संयुक्त परिवार की ओर जोड़ता है। मैं भैंसदेही कुंबी समाज को ऐसे कार्यक्रमों के लिए धन्यवाद देता हूं। वहीं मुलताई विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने कहा कि पहले संयुक्त परिवार में हुआ करते थे। लेकिनें अब परिवार एकल जीवन जीने लगे है। इसलिए ऐसे कार्यक्रम की समाज में महत्ती आवश्यकता है। कार्यक्रम को विष्णु राने, सहित अन्य लोगों ने संबोधित किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम प्रभारी सुरेन्द्र कनाठे द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से पूर्व अध्यक्ष मनीष नावंगे, नामदेव कोसे, रवि धाड़से, विश्वनाथ बोडखे, डॉ. इंद्रदेव लिखितकर, विश्वनाथ देशमुख, अशोक अड़लक, मीडिया प्रभारी कमलेश कावड़कर, अशोक गलफट, वासु बारस्कर, डॉ. दिनेश दवंडे, किशोर राने, प्रमोद कापसे, रमेश बारस्कर, अनिल गीद, पूर्व अध्यक्षा सत्यदेवी लोखंडे, पुष्पा खाड़े, माध्वी देशमुख, कविता कावड़कर, अर्चना धाड़से, नमिता धाड़से, जयश्री कनाठे, चंदा कोसे, प्रतिभा धाड़से, पुनम बोड़खे, बेबी देशमुख पुजा बारस्कर, सरिता गीद, सहित गुदगांव की पूरी टीम का विशेष सहयोग रहा। आभार सचिव केशर लोखंडे द्वारा व्यक्त किया गया।

लक्की जोड़े जाएंगे शेगांव

सहजीवनारंभ कार्यक्रम के दौरान मौजूद नवविवाहिता जोड़ों को एक-एक कूपन भी दिया गया, जिसमें 3 लक्की कूपन विजेताओं को समाज की ओर से शेगांव दर्शन के लिए एक वाहन उपलब्ध कराया जायेगा। अध्यक्ष वासुदेव धोटे ने बताया कि चार नवविवाहित जोड़े शेगांव दर्शन के लिए भेजे जायेगे।

दिया मार्गदर्शन

सहजीवनारंभ कार्यक्रम में प्रवक्ता अवनीश खंडागरे ने नवदंपत्तियों को समाज के प्रति नव युगल की जिम्मेदारी, माता पिता की सेवा में नव युगल की भूमिका, सास-ससुर की सेवा में नव युगल की भूमिका, पति-पत्नि की आपस की छोटी-छोटी लडाईयों के मायने व दुष्परिणाम, नवयुगल को सहजीवनारंभ के उपरांत, होने वाले बच्चों की पढ़ाई लिखाई की योजना, नव युगल को सहजीवनारंभ के पूर्व रोजगार, खेती, मकान, भविष्य हेतु बचत की योजना और स्नेह, ईमानदारी, स्पष्टता व परोपकार को अपनाना के विषय पर मार्गदर्शन दिया जायेगा।

नपा को मिले सांसद निधि से स्वीकृत पानी के 2 टैंकर

आमला, देशबन्धु। केन्द्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री एवं बैतूल- हरदा सांसद दुर्गादास उइके द्वारा नगरीय क्षेत्र अंतर्गत सुलभ जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के उद्देश्य से सांसद क्षेत्र विकास निधि मद से आमला सारणी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिका परिषद आमला को दो पानी के टैंकर प्रदान किए गए।

जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में रवाना हुए टैंकरों के आमला पहुंचने पर जनपद पंचायत चौक स्थित नगर पालिका स्कूल परिसर में सांसद प्रतिनिधि ओम प्रकाश मालवीय के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारियों एवं पार्षदों ने पूजन कर टैंकरों को स्थानीय निकाय को सौंपे। टैंकरों से नगरीय निकाय आमला में उपलब्धता से भीषण गर्मी के दिनों में जनमानस को सुलभ जलप्रदाय ,आपातकालीन स्थिति में जल की त्वरित उपलब्धता व सामाजिक, धार्मिक, मांगलिक एवं अन्य आयोजनों में पेयजल परिवहन में उपयोगी सिद्ध होगा ।

विधायक डॉ. पंडाग्रे ने जताया आभार

नगरीय क्षेत्र में जल प्रदाय व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण एवं वैकल्पिक व्यवस्था के लिए आमला सारणी विधानसभा अंतर्गत नगर पालिका परिषद आमला को सांसद निधि से दो पानी के टैंकर प्रदान करने के लिए आमला सारणी विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे ने क्षेत्र की जनता, एवं भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारियों की ओर से केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके का आभार व्यक्त किया।

संविधान की समझ जरूरी, तभी होगा मजबूत लोकतंत्र : डॉ. भारतीय

बैतूल, देशबन्धु। प्रज्ञा बुद्ध विहार भारत भारती जामठी में रविवार को संविधान जागरूकता पर केंद्रित सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें भोपाल से आए संविधान विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. लोकेश भारतीय ने उपस्थित जनसमुदाय को भारतीय संविधान के बारे में अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी दी। डॉ. भारतीय ने कहा कि जिस संविधान से पूरा देश चलता है, उसकी सही जानकारी आज भी आम लोगों को नहीं है। ऐसे में हर घर में इसकी जानकारी होना बेहद जरूरी है। उन्होंने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लोकतंत्र की गूढ़ अवधारणाओं को सरल शब्दों में समझाया और बताया कि वे केंद्र और राज्य सरकारों की नीतियों को टीवी डिबेट्स के माध्यम से आम जनता तक पहुंचाते हैं ताकि लोग इनके लाभ-हानि को समझ सकें। इस अवसर पर राजू आठनेर द्वारा डॉ. लोकेश भारतीय को भारतीय संविधान ग्रंथ भेंट किया गया। कार्यक्रम के आयोजक आयु. रामदास पाटील ने बताया कि आने वाले दिनों में जिला स्तर पर बड़े पैमाने पर इसी तरह का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें सैकड़ों विद्यार्थी भाग लेंगे। इसके लिए पूर्व में पंजीयन की व्यवस्था रहेगी। इस अवसर पर एन. पी. चौकीकर, महादेव पाटिल, हरिदास गुजरे, रामनाथ चौकीकर और लीलाधर पाटिल भी उपस्थित रहे।

नपा कार्यालय भवन का भूमिपूजन

जनप्रतिनिधियों ने जताई विकास प्रतिबद्धता

आमला, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शहरी अधोसंरचना विकास योजना (चतुर्थ चरण) के अंतर्गत आमला नगर पालिका के नए कार्यालय भवन का भूमि पूजन समारोह न्यायालय परिसर के सामने विधिवत रूप से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नितिन गाडरे, उपाध्यक्ष किशोर माथनकर, पूर्व नपा अध्यक्ष मनोज मालवे, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनोज देशमुख, वार्ड क्रमांक 01 के पार्षद सुनील उईके, मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीरेंद्र तिवारी सहित सभी पार्षद एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नितिन गाडरे ने कहा कि नगर का सर्वांगीण विकास उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि नपा कार्यालय आने वाले नागरिकों को बैठने तक की सुविधा नहीं मिलती थी। पुराने भवन की स्थिति अत्यंत जर्जर थी, जिसके मद्देनज़र नए भवन का प्रस्ताव पार्षदों की सर्वसम्मति से पास किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि शहर में सड़कों, नालियों का निर्माण कार्य, बस स्टैंड से चंद्रभागा नदी तक स्ट्रीट लाइट्स की व्यवस्था एवं जनपद चौक का सौंदर्यीकरण कार्य किया जा रहा है।

198 लाख रुपये की लागत से बनेगा नया भवन: नपा कार्यालय का यह नया भवन वार्ड क्रमांक 1 में 198 लाख रुपये की लागत से निर्मित किया जाएगा। भवन में पार्षदों के लिए पृथक कक्ष, नागरिकों के लिए बैठक व्यवस्था सहित आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। भवन का निर्माण कुल 17,400 वर्गफुट क्षेत्रफल में किया जाएगा। ग्राउंड फ्लोर पर 7,040 वर्गफुट क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी शाखा, भवन अनुज्ञा, कॉलोनी सेल, जलप्रदाय, राजस्व, स्वच्छता, फायर, जन्म-मृत्यु शाखा, प्रधानमंत्री आवास योजना, ऑडिट, एनयूएलएम, टैक्स बिलिंग, कंप्यूटर ऑपरेटर, पब्लिक वेटिंग एरिया, हॉल एवं फायर व परिषद हॉल जैसी सुविधाएं होंगी। द्वितीय तल पर 6,360 वर्गफुट क्षेत्र में सीएमओ कक्ष, अध्यक्ष/उपाध्यक्ष केबिन, सबइंजीनियर, नेता प्रतिपक्ष केबिन, पार्षद हॉल, लेखापाल कक्ष, रिकॉर्ड रूम, पुरुष व महिला शौचालय एवं कॉन्फ्रेंस हॉल जैसी सुविधाएं प्रस्तावित हैं। यह भवन स्मार्ट, सर्वसुविधायुक्त एवं नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा।

फादर्स डे पर एसआईएफ ने लगाया पिता के नाम एक पौधा

बैतूल, देशबन्धु। फादर्स डे के अवसर पर रविवार को सामाजिक संगठन सेव इंडिया फैमिली बैतूल (एसआईएफ बैतूल) द्वारा मातोश्री वृद्धाश्रम में पिता के नाम एक पौधा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें वृद्धजनों के साथ मिलकर केक काटा गया, उनके सम्मान में पौधा रोपण भी किया गया। आयोजन की शुरुआत वृद्धजनों को फूलमालाएं पहनाकर और सम्मान देकर की गई। इसके बाद वृद्धजनों के साथ मिलकर केक काटा गया और उन्हें प्रेमपूर्वक भोजन भी कराया गया। आयोजन का उद्देश्य उन वृद्ध पुरुषों को सम्मान देना था, जिन्होंने अपने जीवन का संपूर्ण योगदान परिवार और समाज के लिए दिया, लेकिन आज उपेक्षा का जीवन जीने को विवश हैं। पौधा रोपण के जरिए इन पिताओं को श्रद्धांजलि दी गई, जो जीवनभर परिवार के लिए त्याग और छांव की मिसाल बने रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. संदीप गोहे ने बताया कि एसआईएफ बैतूल इस आयोजन को हर वर्ष करता है, लेकिन इस बार पौधा रोपण को विशेष महत्व दिया गया। उन्होंने कहा कि जैसे एक वृक्ष बिना किसी अपेक्षा के जीवनभर छांव देता है, वैसे ही एक पिता भी अपने पूरे जीवन में परिवार के लिए अडिग खड़ा रहता है। इस आयोजन में चंद्रप्रकाश झारे, राजेश उपराले, रूपेश पवार, संचित सोनी, अभिषेक वाल्मीकि, विजय साहू, दिलीप पुआर और देवी प्रसाद मालवीय ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम को लेकर स्थानीय स्तर पर काफी सराहना मिली।

विकसित कृषि संकल्प अभियान

किसानों को जीरो बजट प्राकृतिक खेती अपनाने की दी सलाह

बैतूल, देशबन्धु। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। कृषि विभाग के उप संचालक शैलेंद्र कुमार बडोनिया ने बताया की विकसित कृषि संकल्प अभियान में रविवार को प्रथम दल द्वारा विकासखंड बैतूल के ग्राम बारहवी, सेलगांव, रेडवा पंचायत, द्वितीय दल द्वारा विकासखंड प्रभात पट्टन के ग्राम पचधार, साईखेड़ा खुर्द, बीसनूर पंचायत, तृतीय दल द्वारा विकासखंड शाहपुर के ग्राम भयावाड़ी, सीलपटी, धपाडामाल पंचायत में, चतुर्थ दल द्वारा विकासखंड आठनेर के ग्राम पंचायत अक्कलवाडी, देहगुड़, उमरी पंचायत में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि अधिकारियों द्वारा किसानों को बीज उपचार, मिट्टी परीक्षण, प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह दी गई। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक, विभागीय अधिकारीगण, संबंधित क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण एवं 2691 किसान उपस्थित रहें। में कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि अधिकारियों ने उपस्थित कृषकों को बताया कि खरीफ फसलों की तैयारी से पूर्व उन्नत बीज, खाद प्रबंधन सिंचाई प्रबंधन की जानकारी द्वारा कृषकों को दी गई। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों को बताया कि जीरो बजट प्राकृतिक खेती एक ऐसी खेती की विधि है जो पारंपरिक भारतीय कृषि पद्धतियों पर आधारित है और इसमें रसायनों का उपयोग नहीं किया जाता है। इस विधि में, सभी कृषि इनपुट, जैसे उर्वरक और कीटनाशक, खेत पर ही बनाए जाते हैं, इसलिए किसानों को बाजार से कुछ भी खरीदने की आवश्यकता नहीं होती है। जीरो बजट प्राकृतिक खेती की विशेषता है कि इस विधि में कोई भी रासायनिक उर्वरक, कीटनाशक या खरपतवार नाशक का उपयोग नहीं किया जाता है यह विधि मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखने और पर्यावरण को संरक्षित करने पर जोर देती है। इस विधि में, किसानों को बाजार से कोई भी इनपुट नहीं खरीदना होता है, जिससे खेती की लागत कम हो जाती है। इस विधि में, सभी इनपुट प्राकृतिक स्रोतों, जैसे कि गाय के गोबर और गोमूत्र, से प्राप्त किए जाते हैं। जीवामृत एक किण्वित सूक्ष्मजीव संस्कृति है जो मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और पौधों को पोषण प्रदान करने के लिए उपयोग की जाती है। बीजामृत भी एक किण्वित सूक्ष्मजीव संस्कृति है जो बीजों को उपचारित करने और उन्हें स्वस्थ तरीके से विकसित करने में मदद करती है। जीरो बजट प्राकृतिक खेती के विशेष लाभ है कि इस विधि में, जीवामृत और बीजामृत का उपयोग मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाने में मदद करता है। इस विधि से उत्पादित भोजन रसायन-मुक्त होता है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए बेहतर होता है। इस विधि में, रसायनों का उपयोग नहीं किया जाता है, जिससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होता है। इस विधि में किसानों को बाजार से कोई भी इनपुट नहीं खरीदना होता है, जिससे खेती की लागत कम हो जाती है। इस विधि से उत्पादन में वृद्धि होती है, क्योंकि मिट्टी की उर्वरता में सुधार होता है।

आज इन ग्रामों में आयोजित होगा कार्यक्रम

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अन्तर्गत 9 जून को प्रथम दल विकासखंड चिचोली की ग्राम पंचायत पाठाखेड, बीड रैयत, पडालदा में द्वितीय दल विकासखंड मुलताई के ग्राम पंचायत में बोथिया, ऐनस, उभारिया में तृतीय दल विकासखंड शाहपुर की ग्राम पंचायत कुंडी, सालीमेट, बानाबेहडा में चतुर्थ दल विकासखंड भीमपुर की ग्राम पंचायत चांदु, रमभा, कुनखेडी में तथा पंचम दल विकासखंड भैसदेही की ग्राम पंचायतं कोथलकुंड, सावलमेंढा, गदराझिरी पंचायतों में कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर	
बजाज फाइनेंस	4.93 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	3.15 प्रतिशत
मारुति	2.64 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	2.50 प्रतिशत
बजाज फिनसर्व	2.36 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर	
थ्री एम इंडिया	1.01 प्रतिशत
भारत इलेक्ट्रिक	0.76 प्रतिशत
एबॉट इंडिया	0.63 प्रतिशत
एडब्लू एल एग्री	0.49 प्रतिशत
अडानी टाटा गैस	0.34 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	97,145
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,05,285
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	77.85	90.26
पौंड स्टर्लिंग	105.22	122.04
यूरो	88.88	103.09
चीन युआन	8.4	13.63

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5700-5900
दाल चना	6700-6800
मसूर काली	7500-7600
उड़द दाल	9200-9300
मूंग दाल	9500-9600
अरहर दाल	8600-8700

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

विनिर्माण से लेकर रक्षा में आत्मनिर्भर बन रहा देश : पुरी

- 2014 के बाद भारत के डिफेंस सेक्टर का तेजी से हुआ आधुनिकीकरण
- 'अंत्योदय के माध्यम से सर्वोदय' के विजन के तहत चल रही जनकल्याणकारी योजनाएं

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में देश तेजी से मैन्युफैक्चरिंग से लेकर डिफेंस के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 के बाद भारत के डिफेंस सेक्टर का तेजी से आधुनिकीकरण हुआ है और डिफेंस निर्यात में तेजी आई है। यह बदलाव अचानक नहीं हुआ है, बल्कि पीएम मोदी के द्वारा शुरू किए गए आत्मनिर्भर भारत मिशन के तहत सुधारों के कारण हुआ है। इनमें रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया, रक्षा उत्पादन एवं निर्यात प्रोत्साहन नीति और कुछ क्षेत्रों में 100 प्रतिशत एफडीआई जैसे बदलाव शामिल हैं, जिसने घरेलू कंपनियों को फलने-फूलने में मदद की है।

पुरी ने बताया कि मोदी सरकार के विजन में मैन्युफैक्चरिंग हमेशा केंद्र में रही है और देश में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत सरकार ने देशों में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को प्रोत्साहित करने के लिए इंसेंटिव्स दे रही है।

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स असम में 27,000 करोड़ रुपए की लागत से सेमीकंडक्टर असेंबली और टेस्टिंग प्लांट बना रही है, जिसके 2025 के मध्य तक चालू होने और लगभग 27,000 नौकरियां सृजित होने की उम्मीद है।

वहीं, एचसीएल और फॉक्सकॉन के बीच ज्वाइंट वेंचर से 3,706 करोड़ रुपए की लागत से उत्तर प्रदेश के जेवर में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित की जा रही है, जो डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स पर केंद्रित होगी और इसका उत्पादन 2027 में शुरू होगा।

इसके अलावा केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अंत्योदय के माध्यम से सर्वोदय के विजन के तहत जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही हैं, जिसकी मदद से 25 करोड़ लोगों को गरीबी से निकालने में सफलता मिली है।

पुरी ने आगे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत करीब 11 करोड़ किसानों को 3.68 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा वितरित किए जा चुके हैं। वहीं, लखपति दीदी पहल ने एक करोड़ से अधिक ग्रामीण महिलाओं को एक लाख रुपए से अधिक की वार्षिक आय प्राप्त करने में सक्षम बनाया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग 3 करोड़ घरों को मंजूरी दी गई है।

वहीं, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) का विस्तार किया गया है, जिससे 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को चाहे उनकी आय कुछ भी हो प्रति वर्ष 5 लाख रुपए का नि:शुल्क हेल्थ कवरेज प्रदान किया जा सके। इससे लगभग 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

अग्रणी तकनीक नीति निर्माण के लिए महत्वपूर्ण : अजय कुमार सूद

नई दिल्ली। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) प्रोफेसर अजय कुमार सूद के अनुसार, वैकल्पिक डेटा स्रोत और अग्रणी तकनीकें नीति निर्माण के लिए तेजी से महत्वपूर्ण बनती जा रही हैं। उन्होंने पारंपरिक और वैकल्पिक डेटा स्रोतों को मिलाने वाली सर्वोत्तम नीति की आवश्यकता पर जोर दिया। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा नीति आयोग और विश्व बैंक के सहयोग से आयोजित एक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में उन्होंने कहा कि ये उच्च आवृत्ति संकेतक अधिक गतिशील हैं और समय पर जानकारी प्रदान करते हैं, जिससे नीतियों को अधिक कुशल और उत्तरदायी बनाया जा सकता है।प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने कहा कि पारंपरिक डेटा स्रोत दर्शाते हैं कि हम कहां हैं, वैकल्पिक डेटा स्रोत संकेत देते हैं कि हम किस ओर आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि, वैकल्पिक डेटा स्रोत बहुत सूक्ष्?म स्तर पर वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करते हैं लेकिन वे पारंपरिक डेटा स्रोतों की जगह नहीं ले सकते हैं।

देश के आर्थिक विकास में अहम योगदान दे रहीं महिलाएं : सीतारमण

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि पिछले 11 वर्षों में महिलाएं देश में प्रगति की प्रमुख चालक के रूप में उभरी हैं और नरेंद्र मोदी सरकार ने नारी शक्ति को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं। वित्त मंत्री ने 'सशक्त नारी के 11 वर्ष' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्व की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन योजना प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत खोले गए 55.7 प्रतिशत खाते महिलाओं के पास हैं, जो जमीनी स्तर पर उनके सशक्तिकरण को दर्शाता है।

उन्होंने आगे कहा कि देश भर में मुद्रा लोन लाभार्थियों में 68 प्रतिशत महिलाएं हैं। इन लोन ने लाखों महिलाओं को उद्यमी बनने और स्वतंत्र रूप से अपने सपनों को साकार करने में सक्षम बनाया है। वहीं, स्टार्ट-अप इंडिया उद्यमी योजना के तहत लाभ पाने वालों में से 74 प्रतिशत महिलाएं हैं। इसके अलावा, गरीबों के लिए पीएमएवाई (ग्रामीण) योजना के तहत 73 प्रतिशत घरों का स्वामित्व महिलाओं के पास है। वित्त मंत्री ने बताया कि उज्ज्वला योजना के तहत गरीब महिलाओं को 10 करोड़ एलपीजी

- देश भर में मुद्रा लोन लाभार्थियों में 68 प्रतिशत महिलाएं शामिल

कनेक्शन दिए गए हैं। ये उनके लिए एक बड़ा वरदान साबित हुए हैं, क्योंकि इससे उनका जीवन आसान हुआ है और स्वास्थ्य लाभ भी मिला है। साथ ही, उन्हें लकड़ी और अन्य ईंधन जैसे कि गोबर के हानिकारक धुएं से मुक्ति मिली है। जन धन योजना वित्तीय समावेशन में एक बड़ी सफलता रही है। इस योजना के तहत खोले गए खातों में मार्च 2015 में प्रति खाते औसत बैंक बैलेंस 1,065 रुपए था, जो अब बढ़कर 4,352 रुपए हो गया है। मौजूदा समय में करीब 80 प्रतिशत जन धन खाते सक्रिय हैं। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में 66.6 फीसदी जनधन खाते खोले गए हैं, जिनमें से 55.7 प्रतिशत खाते महिलाओं के पास हैं।

सोना इस हफ्ते 1,700 रुपए से अधिक हुआ महंगा, चांदी 1.05 लाख रुपए के पार

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। सोने और चांदी दोनों की कीमत में इस हफ्ते बढ़त देखी गई है। सोने के दाम में 1,700 रुपए से अधिक का इजाफा हुआ। वहीं, चांदी का भाव 7,800 रुपए से अधिक बढ़ गया है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 97,145 रुपए है, जबकि एक हफ्ते पहले इसी दिन यह 95,355 रुपए थी, जो कि सोने की कीमत में 1,790 रुपए की बढ़त को दर्शाता है।

वहीं, समीक्षा अवधि में चांदी की कीमत 7,827 रुपए बढ़कर 1,05,285 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 97,458 रुपए

प्रति किलो थी। चांदी अपने ऑल-टाइम के स्तर के करीब बनी हुई है। हाल के दिनों में ऐसे कई वैश्विक घटनाक्रम हुए हैं, जिन्होंने सोने और चांदी की कीमतों को बढ़ाने में मदद की है। इसमें रुस और यूक्रेन के बीच बढ़ता तनाव, अमेरिकी राष्ट्रपति के द्वारा स्टील और एल्यूमिनियम पर टैरिफ लगाना और चीन द्वारा रेयर अर्थ मिनरल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाना शामिल हैं।

पीएनबी, बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक ने लोन के लिए ब्याज दरें घटाई

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा हाल ही में रेपो रेट में 50 आधार अंकों की कटौती करने के बाद पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), बैंक ऑफ इंडिया और यूको बैंक सहित कई प्रमुख बैंकों ने लोन के लिए अपनी ब्याज दरों में कटौती की है।

पंजाब नेशनल बैंक, केंद्रीय बैंक द्वारा की गई कटौती का लाभ अपने ग्राहकों को सबसे पहले देने वाले बैंकों में से एक था, जिसने अपनी रेपो-लिंक्ड लेंडिंग रेट को 8.85 प्रतिशत से घटाकर 8.35 प्रतिशत कर दिया। हालांकि, बैंक ने अपनी बेस रेट और मार्जिनल कॉस्ट ऑफ लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) को अपरिवर्तित रखा

- आरबीआई द्वारा रेपो रेट में 50 आधार अंकों की कटौती करने के बाद बैंकों ने लिया फैसला

है। बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी रेपो-आधारित लेंडिंग रेट को 8.85 प्रतिशत से घटाकर 8.35 प्रतिशत कर दिया।

यूको बैंक ने अलग रास्ता अपनाया और सभी लोन अवधियों के अपने एमसीएलआर में 10 आधार अंकों की कटौती की। 10 जून से प्रभावी होने वाले इन बदलावों से विभिन्न प्रकार के लोन जैसे होम और पर्सनल लोन थोड़े अधिक किफायती हो जाएंगे।

बैंक ने अपने ओवरनाइट एमसीएलआर को 8.25 प्रतिशत से घटाकर 8.15 प्रतिशत, एक महीने के एमसीएलआर को 8.45 प्रतिशत से घटाकर 8.35 प्रतिशत और तीन महीने के एमसीएलआर को 8.6 प्रतिशत से घटाकर 8.5 प्रतिशत कर दिया है।

यूको बैंक ने छह महीने और एक साल के एमसीएलआर को घटाकर क्रमश: 8.8 प्रतिशत और 9 प्रतिशत कर दिया गया। बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी चुनिंदा लोन अवधियों के लिए अपनी रेपो-लिंक्ड उधार दरों में 50 आधार अंकों की कटौती की घोषणा की।

सार संक्षेप

विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर 691.5 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में भारी गिरावट आने से 30 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.2 अरब डॉलर लुढ़ककर 691.5 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.9 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 692.7 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 30 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.95 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 584.2 अरब डॉलर पर आ गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 72.3 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 84.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आलोच्य सप्ताह एसडीआर 20 लाख डॉलर गिरकर 18.6 अरब डॉलर रह गया।

लीलावती ट्रस्ट के आरोप निराधार : एचडीएफसी

मुंबई। एचडीएफसी बैंक ने लीलावती कीर्तिलाल मेहता मेडिकल ट्रस्ट (एलकेएमएम ट्रस्ट) के आरोपों का खंडन किया और इसे निराधार और दुर्भावनापूर्ण बताया। एलकेएमएम ट्रस्ट ने कथित वित्तीय धोखाधड़ी को लेकर एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ शशिधर जगदीशन को निलंबित करने और उन पर मुकदमा चलाने की मांग की है। एचडीएफसी बैंक का कहना है कि उन्होंने इस मामले को लेकर कानूनी सलाह ले ली है और वह अपने एमडी और सीईओ की छवि की रक्षा करेंगे। एचडीएफसी बैंक ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि लीलावती ट्रस्ट, उसके ट्रस्टियों और अधिकारियों द्वारा बैंक के एमडी और सीईओ के खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार और दुर्भावनापूर्ण हैं। अपमानजनक और बेतुके आरोपों का मजबूती और स्पष्ट रूप से खंडन किया जाता है।

सीसीपीए ने ई-कॉमर्स कंपनियों को स्व-ऑडिट करने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने सभी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को तीन महीने के भीतर स्व-ऑडिट करने के लिए एक एडवाइजरी जारी की, ताकि भ्रामक और अनुचित व्यापार प्रथाओं का पता लगाया जा सके जो डार्क पैटर्न की प्रकृति के हैं। डार्क पैटर्न ऐसे डिज़ाइन तत्व हैं जिनका उपयोग वेबसाइटों और ऐप्स पर उपयोगकर्ताओं को गुमराह करने या अनपेक्षित विकल्प चुनने के लिए मजबूर करने के लिए किया जाता है। ये प्रथाएं उपभोक्ता के विश्वास को खत्म करती हैं और डिजिटल कॉमर्स की अखंडता के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करती हैं। सीसीपीए ने कहा कि सभी ई- कॉमर्स प्लेटफॉर्म को सलाह दी गई है कि वे एडवाइजरी जारी होने के तीन महीने के भीतर डार्क पैटर्न की पहचान करने के लिए स्व-ऑडिट करें और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं कि उनके प्लेटफॉर्म ऐसे डार्क पैटर्न से मुक्त हों।

आरबीआई की कटौती का बाजार पर रहेगा असर

-साप्ताहिक समीक्षा-

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर में अप्रत्याशित आधे प्रतिशत की कटौती से हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह एक प्रतिशत तक उछले घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह केंद्रीय बैंक के इस निर्णय के साथ ही मई के महंगाई आंकड़े का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 737.98 अंक अर्थात 0.91 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 82188.99 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 252.35 अंक यानी 1.01 प्रतिशत उछलकर 25003.05 अंक पर बंद हुआ।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी लिवाली का जोर रहा। इससे मिडकैप 960.16 अंक अर्थात 2.13 प्रतिशत की तेजी के साथ सप्ताहांत पर 46096.51 अंक और स्मॉलकैप 1027.01 अंक यानी 1.96 प्रतिशत मजबूत रहकर 53440.26 अंक हो गया।

विश्लेषकों के अनुसार, सप्ताह की शुरुआत समेकन के साथ करने के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों ने टैरिफ युद्धों और बढ़ती भू-राजनीतिक चिंताओं के बीच उल्लेखनीय मजबूती दिखाई। वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मजबूत आंकड़े, रिकॉर्ड वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह और अनुकूल मानसून जैसे सकारात्मक मैक्रोइकॉनॉमिक संकेतकों से प्रेरित होकर निवेशकों ने वित्तीय, रियल एस्टेट, खुदरा और एफएमसीजी जैसे

- सेंसेक्स 0.91 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 82188.99 अंक पर रहा
- निफ्टी 1.01 प्रतिशत उछलकर सप्ताहांत पर 25003.05 अंक पर बंद

घरेलू रूप से उन्मुख और ब्याज-संवेदनशील क्षेत्रों पर अपना ध्यान केंद्रित किया। इन क्षेत्रों में मजबूत संस्थागत प्रवाह के चलते तेजी देखी गई।

वहीं, सप्ताह के दौरान वैश्विक अनिश्चितता के चलते मुनाफावसूली भी देखने को मिली। इसके बावजूद, बेहतर आय परिणामों और आकर्षक मूल्यांकन के कारण मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों ने आम तौर पर लार्जकैप को पीछे छोड़ दिया। अमेरिकी नौकरियों के मजबूत आंकड़े और अमेरिका-चीन व्यापार तनावों में संभावित नरमी से बाजार में हल्का सकारात्मक रुख बनता दिखा।

मानक सूचकांकों में भी रिकवरी का प्रयास देखा गया, क्योंकि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने कमजोर डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड के बीच मजबूत घरेलू आर्थिक संकेतों को देखते हुए शुद्ध खरीददार की भूमिका निभाई। इससे डिप पर खरीदारी की रणनीति को बढ़ावा मिला।

सप्ताह का अंत आरबीआई की नीतिगत घोषणाओं के रूप में एक सकारात्मक झटके के साथ हुआ। रिजर्व बैंक ने अपेक्षा से अधिक आक्रामक कदम उठाते हुए रेपो दर में 50 आधार अंक और नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में 100 आधार अंक की कटौती की। साथ ही 'तटस्थ' मौद्रिक रुख बरकरार रखते हुए पर्याप्त तरलता समर्थन दिया, जिससे बाजारों में तेजी से उछाल आया और पिछले सप्ताह हुए नुकसान की भरपाई हो सकी। वहीं, अमेरिकी टैरिफ के जवाब में चीन के सात दुर्लभ धातुओं के निर्यात पर संभावित प्रतिबंध दीर्घकालिक जोखिम पैदा करते हैं और निवेशक अब अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़ों का इंतज़ार कर रहे हैं। इसके बीच, स्थानीय स्तर पर महंगाई को नियंत्रित करने और आर्थिक विकास को बनाए रखने की दिशा में आरबीआई की आक्रामक दर कटौती, निवेशकों के विश्वास को मजबूती देने की दिशा में अहम भूमिका निभा सकती है। अगले सप्ताह मई का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी होने वाले, जिसका असर बाजार पर रहेगा। बीते सप्ताह बाजार में तीन दिन तेजी जबकि दो दिन गिरावट रही। देश में जीडीपी के आंकड़े मजबूत रहने के बावजूद अमेरिका-चीन व्यापार तनाव बढ़ने से विश्व बाजार में आई गिरावट।

निफ्टी व बैंक निफ्टी के टेक्निकल चार्ट से मिल रहे तेजी के संकेत : रिपोर्ट

मुंबई, 8 जून (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के मुख्य सूचकांक निफ्टी और बैंक निफ्टी इस हफ्ते सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए हैं और अपने अहम सपोर्ट स्तरों से ऊपर बने हुए हैं। रविवार को जारी हुई एक ब्रोकिंग रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

चॉइस ब्रोकिंग की लेटेस्ट साप्ताहिक रिपोर्ट में कहा गया कि आने वाले कारोबारी सत्रों के लिए आउटलुक साइडवे टू बुलिश बना हुआ है और एनालिस्ट्स ने कहा कि ऐसे समय पर गिरावट पर खरीदारी की रणनीति सही रहेगी।

2 से 6 जून तक के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन शानदार रहा है और लगातार दो हफ्तों की गिरावट के बाद बाजार तेजी के साथ बंद हुए। इस दौरान निफ्टी 252 अंक या 1.02 प्रतिशत बढ़कर 25,003.05 पर बंद हुआ। रिपोर्ट में बताया गया कि इंडेक्स 25,000 अंक से ऊपर बंद होने में सफल रहा, जो निकट भविष्य में बढ़ती हुई मजबूती और संभावित तेजी का संकेत देता है। चॉइस ब्रोकिंग के मुताबिक, निफ्टी 20 दिनों, 50 दिनों और 200 दिनों के मूविंग एवरेज के ऊपर बना हुआ है, जो दिखाता है कि बाजार में अपट्रेंड बना हुआ है। वहीं, रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स (आरएसआई) 60.94 पर है, जो तेजी की भावना को और अधिक समर्थन देती है। अगर निफ्टी 25,100 से ऊपर निकलता है तो नई खरीदारी शुरू हो सकती है और आने वाले हफ्तों में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के मुख्य इंडेक्स में 25,300, 25,500 और 25,700 के स्तर भी देखने को मिल सकते हैं। निफ्टी के लिए अहम सपोर्ट स्तर 25,000 और 24,800 है। निफ्टी बैंक के लिए भी यह हफ्ता काफी अच्छा रहा और इस दौरान मुख्य बैंकिंग इंडेक्स 1.49 प्रतिशत बढ़कर 56,578.40 पर बंद हुआ।

खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख, अधिकांश दालें सस्ती, चावल महंगा

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिश्रित रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा जबकि आवक बढ़ने से दालें सस्ती वहीं चावल महंगा हो गया।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा सप्ताहांत पर 71 रिंगिट चढ़कर 3909 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.01 सेंट फिसलकर 47.15 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा। सरसों तेल 660 रुपए, मूंगफली तेल 330 रुपए और पाम ऑयल 367 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि सूरजमुखी तेल 733 रुपए, सोया रिफाइंड 733 रुपए और वनस्पति तेल 439 रुपए प्रति क्विंटल उतर गया।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 16484 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 17912 रुपए प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 16116 रुपए प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 14138 रुपए प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 14286 रुपए प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 15751 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में अधिकांश दालों के भाव गिर गए। चना 300 रुपए, दाल चना 300 रुपए, मूंग दाल 400 रुपए और अरहल दाल 400 रुपए प्रति क्विंटल सस्ती हो गई। वहीं, मसूर दाल और उड़द दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ।

महाकुंभ ने भरा उत्तर प्रदेश सरकार का खजाना

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। प्रयागराज में 45 दिनों तक चला महाकुंभ सिर्फ एक विशाल धार्मिक आयोजन ही नहीं रहा, बल्कि भारत के सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश के लिए एक बड़ा आर्थिक इवेंट बन गया। लगभग 66 करोड़ श्रद्धालुओं को आकर्षित करने वाले इस मेले ने राज्य सरकार के लिए अच्छा-खासा राजस्व जुटाया, जिसमें टैक्स कलेक्शन और ईंधन बिक्री में तेजी ने बड़ी भूमिका निभाई।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, महाकुंभ ने राज्य के खजाने में लगभग 500 करोड़ रुपए अतिरिक्त गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स और वैल्यू एडेड टैक्स के रूप में जोड़े। टैक्स विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि महाकुंभ ने राज्य के खजाने में करीब 500 करोड़ रुपए जीएसटी/वीएटी के रूप में जोड़े, जो इस धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन के विशाल पैमाने को साफ दिखाता है।

2025 के जनवरी और फरवरी में हुए इस आयोजन से जुड़े सेक्टरों से कुल 239.47 करोड़ रुपए का टैक्स कलेक्शन हुआ।

प्रयागराज ने इसमें सबसे ज्यादा योगदान दिया, जिसमें 146.4 करोड़ रुपए की कमाई हुई। वहीं, वाराणसी, अयोध्या और नोएडा जैसे अन्य धार्मिक केंद्रों में भी टैक्स कलेक्शन बढ़ा। सेक्टर के लिहाज से, भारतीय रेलवे ने सबसे ज्यादा 124.6 करोड़ रुपए का टैक्स योगदान दिया। टेंट हाउस और विज्ञापन ने मिलकर 9.38 करोड़ रुपए जोड़े, जबकि होटल उद्योग ने 7.12 करोड़ रुपए का योगदान दिया। राज्य में हवाई यात्रा बढ़ने से 68.37 करोड़ रुपए का टैक्स मिला।

प्रयागराज में ही टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स के जरिए 2.15 करोड़ रुपए जमा हुए, जबकि 9.3 करोड़ रुपए की राशि अभी क्लीयरेंस के

- वाराणसी, अयोध्या व नोएडा के धार्मिक केंद्रों में भी टैक्स कलेक्शन बढ़ा

लिए बाकी है। पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट और नगर निगम जैसे स्थानीय निकायों ने भी राजस्व बढ़ाने में भूमिका निभाई।

आर्थिक प्रभाव सिर्फ प्रयागराज तक सीमित नहीं रहा। नोएडा ने होटल और ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म्स से 12 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। वाराणसी ने 8.42 करोड़ रुपए और अयोध्या ने 2.28 करोड़ रुपए जोड़े। डिजिटल ट्रैवल बुकिंग और हॉस्पिटैलिटी उद्योग में बढ़ोतरी ने धार्मिक पर्यटन की राज्य की अर्थव्यवस्था में बढ़ती भूमिका को उजागर किया।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के जनवरी और फरवरी 2025 के आंकड़ों से पता चलता है कि ईंधन की खपत में खासी बढ़ोतरी हुई। प्रयागराज में फरवरी में पेट्रोल की बिक्री में 81.95 प्रतिशत की उछाल आई।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।